हिन्दी दैनिक
स्वदेश टुडे
देश की आवाज
रांची, गुरुवार
18.04.2024
वर्ष : 09, अंक : 107, पृष्ठ : 12
मूल्य : 3 रुपया

देशभर में रामनवमी की धूम

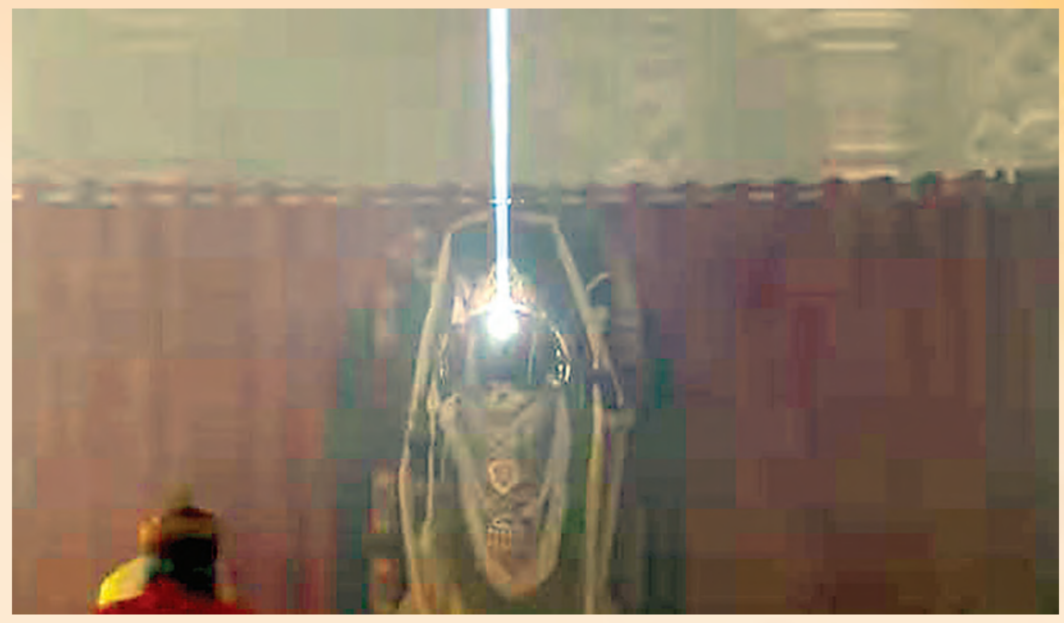

अयोध्याधाम में रामलला सरकार का हुआ पहला सूर्य तिलक, भव्य और दिव्य दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

देशभर में चैत्र रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही। बता दें कि हिंदू धर्म में राम नवमी के दिन को बहुत शुभ माना गया है। इस दिन को भगवान श्री राम जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर अयोध्या में रामलला की विशेष पूजा-अर्चना की गयी। इससे पहले रामलला का दूध, दही से अभिषेक किया गया। मौके पर राम मंदिर का विशेष श्रृंगार किया गया है। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद पहली बार प्रभु श्रीराम के जन्म स्थान अयोध्या में बने भव्य महल में रामनवमी मनायी गयी। अयोध्याधाम में रामलला सरकार के माथे पर स्वयं सूर्यदेव ने तिलक किया। प्रधानमंत्री मोदी समेत देश-विदेश में बैठे राम भक्तों ने इस अद्भुत नजारे को लाइव देखा। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर तीन मिनट तक सूर्य की किरणें पड़ीं। इस दृश्य को देखकर वहां उपस्थित श्रद्धालु अभिभूत हुए। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए रामलला के पट बंद कर दिये गये।

भगवामय हुई रांची

स्वदेश संवाददाता

रांची : हिंदुओं का प्रमुख त्योहार रामनवमी बुधवार को राजधानी रांची सहित देशभर में उल्लास के साथ आस्थापूर्वक धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान पूरी रांची भगवामय हो गयी। जगह-जगह भगवा ध्वज लहरा रहे थे। वहीं, कई जगहों से शोभायात्रा भी निकाली गयी। भक्ति गीत से पूरा इलाका गुंजायमान होता रहा। रामनवमी के अवसर पर शहर की कई अखाड़ा कमेटियों ने भव्य शोभायात्रा निकाली। जुलूस में शामिल झांकी लोगों के आकर्षक का केंद्र में रही। जय श्रीराम के उद्घोष के साथ जुलूस में शामिल लोग बैंड बाजे की धुनों पर थिरकते रहे। पूरी रांची मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन रही। इधर, श्रद्धालुओं ने अपने घरों की छत और आंगन में विधिवत पूजा-अर्चना कर महावीरी पताका फहराया। रामनवमी के मौके पर अखाड़ा व झांकी निकालने के लिए विभिन्न अखाड़ा कमेटियों की ओर से व्यापक व्यवस्था की गयी थी। वहीं, जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न समितियों द्वारा स्वागत शिविर का आयोजन किया गया था। इस दौरान लोगों के बीच पेयजल व प्रसाद का भी वितरण किया गया। इधर, श्री राधा कृष्ण मंदिर कृष्ण नगर कॉलोनी में रामनवमी महोत्सव बड़े धूमधाम से बनाया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को कोलकाता से आये कारीगरों द्वारा विशेष रूप से से सजाया गया। सर्वप्रथम पंडित ज्ञानदेव मिश्रा एवं पंडित सीताराम के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा की गयी एवं प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव के समय श्री राम जी की स्तुति की गयी और प्रभु की आरती उतारी गयी।

पीएम ने दी रामनवमी की शुभकामनाएं, कहा –

विकसित भारत के हर संकल्प को दिव्य ऊर्जा से प्रकाशित करेगा यह सूर्य तिलक

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि अयोध्या नगरी अतुलनीय आनंद में है, क्योंकि वहां राम मंदिर बनने के बाद यह पहली रामनवमी है। प्रधानमंत्री मोदी ने रामलला के अद्भुत सूर्य तिलक के दृश्य को लाइव देखते हुए अपनी तस्वीरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए कहा - मुझे अयोध्या में

रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में कहा - देशभर के मेरे परिवारजनों को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी की अनंत शुभकामनाएं! इस पावन अवसर पर मेरा मन भावविभोर और कृतार्थ है।

मंदिरों में दिखी श्रद्धालुओं की भीड़, सुबह से ही पूजा-अर्चना में जुटे रहे लोग

रांची : रामनवमी के अवसर पर शहर के प्रायः सभी हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। अहले सुबह से ही लोग मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की और घर में महाबीरी झंडा लगाया। रांची के ऐतिहासिक तपोवन मंदिर में अहले सुबह लोगों की लाइन लग गयी थी। बता दें कि सभी जुलूस और शोभायात्रा के साथ महाबीरी झंडे लेकर तपोवन मंदिर पहुंचते हैं। यहां महाबीर झंडों की प्रतियोगिता की जाती है, जिस महाबीर मंडल का सबसे बड़ा झंडा होता है, उस मंडल को पुरस्कृत किया जाता है। तपोवन मंदिर के सटे मैदान में अस्त्र-शस्त्र परिचालन की भी प्रतियोगिता होती है।

रेत से बनी प्रतिमूर्ति बनी आकर्षण का केंद्र

एजेंसी

पुरी : अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त रेत शिल्प कलाकार सुदर्शन पटनायक ने राम नवमी के अवसर पर पुरी समुद्र तट पर प्रभु श्री राम लला की रेत से प्रतिमूर्ति बनायी जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। सात फीट ऊंची और 20 फीट लंबी इस प्रतिमूर्ति को बनाने में सुदर्शन ने करीब 12 टन रेत का उपयोग किया है। उनके रेत शिल्पकला संस्थान के छात्रों ने मूर्तिकला को पूरा करने के लिए उनका हाथ बंटाया। सुदर्शन ने कहा कि पहले उन्होंने अलग-अलग मौकों पर श्रीराम की रेत से कई मूर्तियां बनायी हैं, लेकिन इस बार यह बिल्कुल अलग है। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सुदर्शन ने 65 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय रेतशिल्प कला प्रतियोगिताओं और समारोहों में भाग लिया है और देश के लिए कई पुरस्कार जीते हैं।

लोकसभा चुनाव | पहले चरण का चुनाव प्रचार थमा, कई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर

21 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 102 सीटों पर वोटिंग कल

- अरुणाचल और सिक्किम की 92 विधानसभा सीटों पर भी होना है मतदान
- आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल सहित कई दिग्गज नेताओं का भाग्य वोटिंग मशीनों में हो जायेगा बंद

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के लिए 21 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 102 संसदीय क्षेत्रों तथा अरुणाचल एवं सिक्किम की 92 विधानसभा क्षेत्रों के लिए बुधवार शाम चुनाव-प्रचार थम गया। इन सभी लोकसभा एवं विधानसभा सीटों के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल सहित कई दिग्गज नेताओं का भाग्य पहले चरण के मतदान के बाद वोटिंग मशीनों में बंद हो जायेगा और चार जून को नतीजे आयेंगे। हालांकि, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के नतीजे दो जून को ही आ जायेंगे। पहले चरण में लोकसभा के लिए अरुणाचल प्रदेश की सभी दो, असम की 14, बिहार की चार, छत्तीसगढ़ की 11, मध्य प्रदेश छह सीट, महाराष्ट्र की पांच, मणिपुर की दो सीट, मेघालय की सभी दो सीट, मिजोरम की एक, सिक्किम की एक, नगालैंड की एक, राजस्थान की 12, तमिलनाडु की सभी 39, त्रिपुरा की एक सीट, उत्तर प्रदेश की आठ, लक्षद्वीप की एकमात्र, पुडुचेरी की एकमात्र, उत्तराखंड की सभी पांच, पश्चिम बंगाल की तीन, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की एकमात्र और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर मतदान होगा। पहले चरण के चुनाव में उत्तर प्रदेश की सहारनपुर, रामपुर, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर, असम की डिब्रूगढ़, सोनितपुर, छत्तीसगढ़ की बस्तर, बिहार की जमुई, गया तथा जम्मू कश्मीर की उधमपुर सीट काफी महत्वपूर्ण है। इसी तरह से मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा, तमिलनाडु की चेन्नई उत्तर, चेन्नई दक्षिण, चेन्नई सेंट्रल, कोयंबटूर, थूथुक्कुडी, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, मणिपुर दो आंतरिक और बाह्य सीट, राजस्थान की बीकानेर और पश्चिम बंगाल की कूचबिहार और अलीपुरद्वार अहम सीट है। इन सीटों पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत

नडियाद/गुजरात : अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाइवे पर नडियाद के समीप भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गयी। एक्सप्रेस वे पर टैंकर के पीछे तेज रफ्तार में आ रही कार सीधे टैंकर के पीछे जा टकराई। यह कार वडोदरा से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। नडियाद के समीप अपने से आगे जा रहे टैंकर से कार तेज रफ्तार में जा टकराई। इसके बाद पूरा हाइवे चीख-पुकार से गूंज उठा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस समेत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गयीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर के पीछे कार अंदर जा घुसी। क्रेन बुलाकर किसी तरह कार को बाहर निकाला गया।

अमिताभ बच्चन और एआर रहमान को मिलेगा मंगेशकर परिवार पुरस्कार

एजेंसी

मुंबई : बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को 24 अप्रैल को एक समारोह में 'लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार' से सम्मानित किया जायेगा, जबकि संगीत सम्राट एआर रहमान को अगले सप्ताह 'मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार' से सम्मानित किया जायेगा। यह पुरस्कार प्रख्यात मंगेशकर परिवार द्वारा पोषित मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान, पुणे द्वारा दिया जाता है और यह पुरस्कार बच्चन को उनकी 82वीं पुण्यतिथि पर संगीतमय श्रद्धांजलि के साथ दिया जायेगा। इससे पहले उद्घाटन पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (2022) को दिया गया था, उसके बाद अनुभवी गायिका आशा भोसले (2023) को दिया गया था।

NEWS IN Gallery

चतरा में नदी में नहाने गईं पांच बच्चियां डूबीं, दो की मौत

चतरा : रामनवमी के दिन बुधवार को चतरा जिले में एक बड़ा हादसा हो गया। नदी में नहाने गईं पांच बच्चियां डूब गईं, जिसमें दो की मौत हो गई जबकि तीन को बचा लिया गया। पुलिस के अनुसार सिंचाई के लिए नदी में गड्ढा खोदा गया था। उसी गड्ढे में हंटरगंज प्रखंड के डाहा गांव की रहने वाली पांच बच्चियां स्नान करने के लिए उतर गईं और डूबने लगीं। तीन बच्चियों को तो बचा लिया गया लेकिन दो की मौत हो गई। मृत बच्चियों की पहचान शिवानी कुमारी (10) और देवंती कुमारी (6) के रूप में हुई है।

ढिबरा लदे तीन 709 वाहन जब्त, दो लोग गिरफ्तार

कोडरमा : कोडरमा वन विभाग के टीम ने बुधवार की सुबह लखीबागी एसपी कोठी के समीप रेंजर के नेतृत्व में ढिबरा लदे तीन 709 वाहन जब्त किया गया। रेंजर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ढोलाकोला जंगल से ढिबरा लोड करके कई वाहन तिलैया की तरफ जा रहे, जिसके बाद वन विभाग की गाड़ी को देखते हुए गाडी स्पीड में भगाने लगे। लखीबागी के समीप इन तीन वाहनों को जप्त किया गया। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोहित कुमार और गुल्ली सिंह शामिल है। इसके बाद वन विभाग के टीम ने गाड़ी ढिबरा लदे 709 वाहन जप्त करके वन परिसर लाया गया, वहीं पकड़े गए दोनों लोगों को जेल भेज दिया गया। गाड़ी में ढिबरा लगभग 15 टन लोड बताया जा रहा है जिसकी कीमत लगभग दो लाख बताई जा रही है।

पीएलएफआइ के एरिया कमांडर सहित दो उग्रवादी गिरफ्तार

खूंटी : लोकसभा चुनाव में पीएलएफआइ का फिर वर्चस्व कायम करने और रनिया थाना क्षेत्र में भय का माहौल पैदा करने की संगठन की योजना धरी की धरी रह गई जब तक पीएलएफआइ उग्रवादी किसी घटना को अंजाम देते, उसके पहले ही इस प्रतिबंधित संठन के दो उग्रवादियों को पुलिस ने दबोच लिया। गिरफ्तार उग्रवादियों में तपकारा थाना के हुसीर गांव निवासी हर्षित गुड़िया और तमाड़ थाना के माइयोडीह निवासी प्रकाश प्रमाणिक शामिले हैं। इनके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, 10 जिंदा गोलियां, नक्सली संगठन पीएलएफआइ का पर्चा और नगद 27 हजार तीस रुपये, टीवीएस अपाची बाइक, तीन मोबाइल और दो पिट्ठू बैग बरामद किए हैं। गिरफ्तार दोनों उग्रवादी हर्षित गुड़िया संगठन का एरिया कमांडर है।

चट्टी बाजार में लगा अखाड़ों का जमावड़ा, कई झांकियों का हुआ उद्घाटन

राम के रंग में रामगढ़, जय श्री राम के नारों से गूंज उठी धरती

रामगढ़ : राम के रंग में रामगढ़ जिला रंग चुका है। हर गली और मोहल्ले भगवा रंग से पट गए हैं। कई स्थानों पर स्थाई झांकी स्थापित की गई है, तो कई अखाड़ों ने अष्टमी की रात शस्त्र पूजा के बाद जुलूस निकाला। जय श्री राम के नारे से रामगढ़ की पूरी धरती गूंज उठी। राम के शहर में लगभग 10 अखाड़े ने पारंपरिक शास्त्रों के साथ जुलूस निकाला और जय श्री राम के नारे लगाए। इस दौरान शहर में स्थाई झांकियां का उद्घाटन भी हुआ। बाजारटांड़ में रामगढ़ युवा संघ, लोहार टोला स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर, श्री श्री प्राचीन महावीर मंदिर झंडा चौक, संकट मोचन हनुमान मंदिर थाना चौक, श्री राम मंदिर नई सराय चौक, वीर शिवाजी युवा संघ लोहार टोला ने स्थाई झांकी की प्रस्तुति की। चलंत झांकी सुभाष बाल मंडली दुसाध मोहल्ला, श्री श्री रामनवमी पूजा समिति किला मंदिर, शिवनंदन अखाड़ा शाहिद के अन्य समितियों ने बेहद आकर्षक प्रस्तुति की।

लोहरदगा में रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

लोहरदगा : जिले में रामनवमी पूरे भक्ति और उल्लास के बाद मनाया गया। बुधवार सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। लोग पूजा अर्चना मे लीन रहे। पूरा इलका भगवा ध्वज से पटा रहा। हर तरफ राम नाम का डंडा बज रहा था। दोपहर के समय भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें कई झांकियां प्रर्दशित की गई थी। शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। राज्य सभा सांसद सह भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव सहित बडी संख्या में लोग शामिल थे। मौके पर सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए थे।

माता सती की आहुति और शिव तांडव देख भावुक हुए लोग

शहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति के द्वारा स्थाई झांकी में कई अलग-अलग विषयों पर नृत्य और संगीत प्रस्तुत किए गए। माता सती की अग्नि कुंड में प्रवेश का दृश्य देख लोग भावुक हो गए। ऐसा लगा माता सती का जीवंत स्वरूप अग्नि में आहुति दे रहा है। माता सती के त्याग करने के बाद भगवान शंकर ने जो तांडव किया था वह दृश्य भी अद्भुत था। जितनी बार यह दृश्य आया वहां मौजूद लोगों ने कलाकारों की भूरि भूरि प्रशंसा की। शहर के चट्टी बाजार, सौदागर मोहल्ला, दुसाध मोहल्ला के अलावा सभी चिन्हित स्थानों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की मौजूदगी रही। वरीय पदाधिकारी सुरक्षा का मुआयना करते दिखे। एसडीओ आशीष गंगवार, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, अंचल अधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान, थाना प्रभारी अजय कुमार साहू पूरे क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। जिन स्थानों पर भी झांकी लंबे वक्त तक रुकी, वहां पर तत्काल रास्ते को खाली करने का प्रयास किया गया।

पूर्व विधायक राधाकृष्ण किशोर का राजद से इस्तीफा

राजद अब ए टू जेट की पार्टी नहीं : राधाकृष्ण किशोर

स्वदेश संवाददाता

पलामू : छतरपुर-पाटन के पूर्व विधायक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता राधाकृष्ण किशोर ने पार्टी की प्राथमिक सदस्य से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही अपने इस्तीफे की कॉपी प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव को प्रेषित कर दिया है। किशोर के साथ राजद के प्रदेश महासचिव प्रशांत किशोर एवं सचिव राजकमल तिवारी ने भी इस्तीफा दे दिया है। राधाकृष्ण किशोर मेदिनीनगर में दर्जनों कार्यकताओं के साथ बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने इस्तीफा देने की जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राजद अब एटूजेड और विकास के लिए सामाजिक भाईचारा की पार्टी नहीं रह गयी है। पलामू लोकसभा के संयोजक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा द्वारा समाज को बांटने वाले दिए गए बयान पर भी किशोर आहत दिखे। साथ ही एटूजेड पार्टी बनाने में तेजस्वी यादव के असफल रहने पर भी उन्होंने चिंता व्यक्त की। राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि फिलहाल वे किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। लोकसभा चुनाव में वैसे व्यक्ति के लिए काम करेंगे जो पलामू-गढवा के विकास के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही जिसकी जीत से राष्ट्रीय एकता अखंडता मजबूत हो वैसे उम्मीदवार को सपोर्ट करेंगे। किशोर ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने यह नारा दिया था कि हमारी पार्टी समाज के सभी वर्गों (एटूजेड) की पार्टी है, परंतु दूसरी ओर पलामू लोकसभा के चुनावी अभियान को शुरू करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता गौतम सागर राणा ने एक इलेक्ट्रोनिक मीडिया को दिए गए बयान में यह कहा है कि मोदी चुनाव जीतते हैं तो देश ब्रह्मणवाद की ओर मुड़ जायेगा। लोकसभा चुनाव के अवसर पर गौतम सागर राणा के बयान स्पष्ट है कि राजद एटूजेड की पार्टी नहीं है। यह स्थापित सत्य है कि किसी भी राजनैतिक संगठन के लिए विश्वास एक बड़ी पूंजी है। यदि पार्टी से कार्यकताओं और जनता का विश्वास उठ जाए तो फिर वैसे राजनैतिक दल स्वयं को जनता के बीच स्थापित नहीं कर सकता है। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पहले झारखंड के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेता गिरिनाथ सिंह को बड़े ही ताम-झाम के साथ राजद में शामिल कराया गया था। गिरिनाथ सिंह चतरा लोकसभा से चुनाव लड़ना चाहते थे। पार्टी में शामिल करवाने के बाद चतरा लोकसभा से गिरिनाथ सिंह को प्रत्याशी नहीं बनाया गया। यदि गिरिनाथ सिंह को चतरा से लोकसभा सीट पर प्रत्याशी बनाया जाता तो स्वर्ण मतदताओं में एक अच्छा संदेश जाता। गठबंधन के तहत मात्र पलामू लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने से प्रदेश राजद के कार्यकर्ता अपने को ठगा-ठगा महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल का समाजिक न्याय और सभी वर्गों के उत्थान के सिद्धातों से प्रभावित होकर मैंने वर्ष 2020 में राजद की सदस्यता ग्रहण की थी। वर्ष 1995 में झारखंड क्षेत्र के 13 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करने तथा 15 सीटों पर दूसरा स्थाना प्राप्त करने वाली पार्टी राजद वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में मात्र एक सीट पर ही सिमट कर रह गई। फलस्वरूप पार्टी कार्यकताओं में निराशा-हताशा की भावना व्याप्त हो गयी। प्रदेश राजद कार्यकताओं का मानना था कि दो चार विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने से पार्टी संपूर्ण झारखंड राज्य में स्वयं को विस्तारित नहीं कर सकती है। पार्टी कार्यकताओं की यह भावना थी कि 2024 के लोकसभा चुनाव में चतरा, पलामू, कोडरमा तथा गोड्डा चार सीटों पर तथा विधानसभा की लगभग 25 सीटों पर राजद को चुनाव लड़ना चाहिए। पार्टी के लिए यह दुर्भाग्य की बात है कि गठबंधन के नाम पर पार्टी केवल एक लोकसभा सीट पलामू ही ले पायी। स्पष्ट है कि गठबंधन के तहत अगामी विधानसभा चुनाव में राजद को दो-चार सीटों से अधिक नहीं मिलने वाला है।

जिला आधार निगरानी समिति की बैठक में बोले उपायुक्त

छूटे हुए लोगों का जल्द बनायें आधार

स्वदेश संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्री रमेश घोलप की अध्यक्षता में जिला आधार निगरानी समिति की बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से उन्होंने छूटे हुए आदिम जाति एवं आदिम जनजाति परिवार के सदस्यों का आधार प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द बनाने का निर्देश दिया। वैसे लोग जिनका आधार बनाए हुए 10 साल से अधिक हो गया है उनका आधार अपडेशन हेतु अभियान मोड में कार्य करने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रखंड कार्यालय बीआरसी, आईसीडएस, व डाकघर में अधिष्ठापित वैसे केंद्र जो वर्तमान में संचालित नहीं है उसे संचालित करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्र आधार जिला परियोजना पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, आधार क्षेत्रीय कार्यालय से आए प्रतिनिधि, सीएससी मैनेजर प्रेम कुमार समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

गुमटी में लगी आग, हजारों रुपए की मछली जली

रामगढ़ : शहर के राजा बांगला के समीप बुधवार की शाम अचानक एक गुमटी में आग लग गई। इस अग्निकांड में गुमटी के अंदर रखी गई हजारों रुपए की मछली जलकर खाक हो गई। जैसे ही घटना की सूचना मिली फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग को बुझा दिया। गुमटी के मालिक विनोद केवट हैं और वह पुरनी मंडप के रहने वाले हैं। मौके पर पहुंची विनोद केवट के पत्नी यशोदा देवी ने बताया कि उनके पति पिछले कई वर्षों से इलाजरत हैं। इसलिए उन्होंने उस गुमटी को भाड़े पर दे दिया था। उसमे मछली का कारोबार चल रहा था। उन्होंने यह आरोप लगाया है कि पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर कुछ लोगों ने उनकी गुमटी में आग लगाई है। इस मामले की सूचना उन्होंने रामगढ़ थाने को भी दी है।

तीन लाख का नकली शराब जब्त, पिता-पुत्र गिरफ्तार

स्वदेश संवाददाता

चतरा : चतरा में उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार में लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की साजिश में जुटे माफियाओं को बड़ा आर्थिक चोट दिया है। उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साहू के पर्यवेक्षण में उत्पाद विभाग की टीम ने छापामारी अभियान चलाकर करीब तीन लाख रुपये के अवैध जहरीली नकली शराब के खेप के साथ माफिया पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस दौरान पूरे खेल का मास्टरमाइंड सत्येंद्र दांगी मौके से भागने में सफल हो गया। उत्पाद विभाग की टीम ने यह कार्रवाई राजपुर थाना क्षेत्र के कोयरी टोला और राजपुर बाजार में की है। गिरफ्तार माफिया कैलाश दांगी और उसके पुत्र संजय दांगी फार्च्यून दुकान की आड़ में नकली जहरीली शराब की तस्करी और निर्माण का काला धंधा संचालित करते थे। उत्पाद विभाग की टीम ने मौके से नकली जहरीली शराब बनाने में प्रयुक्त बोतल और अन्य सामान भी बरामद किया है। उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साहू ने बताया कि बिहार के गया में पहले चरण के तहत हो रहे लोकसभा चुनाव और रामनवमी पर्व के मद्देनजर उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रमेश घोलप ने 17 अप्रैल से 19 अप्रैल शाम पांच बजे तक पूरे जिले में ड्राई डे घोषित कर रखा है। इसके तहत जिले में शराब की खरीद-बिक्री और सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद गुप्त सूचना मिली थी कि राजपुर बाजार के एक फॉर्च्यून दुकान में अवैध तरीके से देशी व विदेशी शराब स्टॉक कर उसे बिहार में खपाने की तैयारी चल रही है। साथ ही साथ दुकानदार के द्वारा अवैध रूप से नकली शराब का निर्माण और पैकेजिंग भी किया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्पाद अवर निरीक्षक अभिषेक आनंद व सहायक उत्पाद निरीक्षक आशीष कुमार पांडेय समेत सशस्त्र बल के जवानों के साथ छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान राजपुर बाजार में संचालित कैलाश दांगी के फार्च्यून दुकान में छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान दुकान से अवैध खरीद बिक्री को लेकर स्टॉक किया गया किंगफिशर और गॉडफादर कंपनी का बड़े पैमाने पर बियर के साथ विदेशी शराब का खेप जप्त किया गया। साथ ही मौके से दुकान संचालक कैलाश दांगी को गिरफ्तार भी कर लिया गया। इसके बाद कैलाश ने पूछताछ के दौरान शराब का अन्य अवैध स्टॉक उसके कोयरी टोला स्थित घर में रखे होने की बात कही। इसके बाद टीम ने उसके घर में भी छापेमारी अभियान चलाया। घर से भी देशी विदेशी शराब और बियर का स्टॉक जप्त करते हुए अवैध कारोबार में संलिप्त उसके पुत्र संजय दांगी को पकड़ा गया। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि अभियान के दौरान कैलाश का दूसरा पुत्र और इस अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड सत्येंद्र दांगी मौके से भाग निकला है। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार कैलाश के दुकान और उसके घर से करीब एक लाख 80 हजार 960 रुपये का किंगफिशर और गॉडफादर कंपनी का 1272 बोतल अवैध रूप से स्टॉक किया गया बियर जप्त किया गया है। साथ ही करीब 57 हजार रुपये का 261 बोतल में बंद करीब 61 लीटर 365 एमएल विदेशी शराब पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि फरार सत्येंद्र पूर्व में भी अवैध शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। वह अवैध रूप से शराब निर्माण और स्टॉक कर उसे बिहार में सप्लाई करता था। उत्पाद विभाग की इस कार्रवाई से राजपुर इलाके में माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

लोस चुनाव | पलामू लोकसभा के लिए 18 से 25 तक नामांकन

26 को नामांकन की संवीक्षा, 29 तक नाम वापसी

स्वदेश संवाददाता

पलामू : रामनवमी के समाप्त होते ही पलामू लोकसभा सीट पर चुनावी सरगर्मी काफी तेज हो जाएगी। 18 अप्रैल से नामांकन पत्र दाखिल करने की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। 25 तक नामांकन होगा। 13 मई को वोटिंग होगी। प्रशासनिक स्तर पर नामांकन से संबंधित तैयारी पूरी कर ली गयी है और अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। समाहरणालय में पलामू लोकसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी शशि रंजन के समक्ष प्रत्याशियों द्वारा नामांकन का पर्चा दाखिल किया जाएगा। निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय के 100 मीटर की परिधि में प्रत्याशियों की तीन गाड़ियों के प्रवेश के अनुमति होगी, वहीं निवार्ची पदाधिकारी के नाम निर्देशन कक्ष में उम्मीदवार सहित पांच व्यक्ति अंदर जा सकते हैं। नामांकन प्रक्रिया 25 अप्रैल तक चलेगी। 26 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। इसी क्रम में यदि कोई प्रत्याशी अपना नाम वापस लेना चाहते हैं तो 29 अप्रैल तक नाम वापस लिया जा सकता है। निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त कार्यालय सीसीटीवी से लैस रहेगा। समाहरणालय के विभिन्न प्रवेश द्वार पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। नामांकन प्रक्रिया को लेकर उपायुक्त कार्यालय के अंदर व निकास द्वार पर सीसीटीवी लगाया गया है। नामांकन की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। नामांकन के दौरान विधि-व्यवस्था के संधारण को लेकर समाहरणालय के विभिन्न प्रवेश द्वार पर कुल 6 दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है, उनके साथ पुलिस बल को भी टैग किया गया है। बता दें कि पलामू जिले में शामिल पांकी विधानसभा क्षेत्र में वोटिंग 20 मई को निर्धारित है। पांकी विस क्षेत्र चतरा लोकसभा के अंतर्गत आता है। चतरा में चुनाव चौथे चरण में होना है।

झारखंड के प्रसिद्ध वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर मृत्युंजय शर्मा का निधन

स्वदेश संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर शहर के रेड़मा निवासी और झारखंड के प्रसिद्ध वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर मृत्युंजय शर्मा का बुधवार की सुबह रांची में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। दीमकों के सबसे बड़े घर की खोज करने के कारण उन्हें 2016 उन्हें लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया था। उन्होंने हजारीबाग के आसपास एक हजार से ज्यादा इंसेक्ट की सूची तैयार की थी। जैव विविधिता पर लिखी उनकी पुस्तक ह्यस्पाइडर ऑफ झारखंडह्व का विमोचन तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने खेलगांव में किया था। मृत्युंजय शर्मा की प्रारंभिक पढ़ाई मेदिनीनगर के रोटरी स्कूल से हुई थी और उन्होंने मैंट्रिक की परीक्षा पलामू जिला स्कूल से 1983 में की थी। उनकी आगे की पढ़ाई हजारीबाग और दिल्ली में हुई। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह हजारीबाग में वन विभाग में नौकरी करने लगे। यहीं उन्होंने हजारीबाग से सौंदर्य को अपने कैमरे में कैद करना शुरू किया। उनकी खींची हुई तस्वीरें जिला समाहरणालय समेत अनेक सरकारी इमारतों में लगी हैं। 2024 में उनकी तितलियों की तस्वीर के आधार पर हजारीबाग वन विभाग का कैलेंडर तैयार किया गया था। उनकी पत्नी कुसुमलता शर्मा अधिवक्ता हैं। पुत्री सौभाग्यम शर्मा कोरिया में भौतिकी में शोध कर रही है, जबकि पुत्र दीप दिव्यम शर्मा क्लैट में चयनित होने के बाद भोपाल में वकालत की पढ़ाई कर रहा है।

यौन शोषण और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

दुमका : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में 25 वर्षीय आदिवासी युवती ने मीर हुसैन (26) पर शादी का झांसा देकर लगातार यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। थाने में मामला दर्ज होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है और आरोपी मीर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है।दरअसल पीड़िता ने थाने में जो आवेदन दिया है उसके अनुसार उसके पिता की मौत हो चुकी है और वह दिल्ली बेंगलुरु जैसे महानगर में जाकर काम कर अपनी आजीविका चलाती थी। जब लॉकडाउन हुआ उस वक्त उसे अपने घर शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में लौटना पड़ा। इसी बीच उसे आधार कार्ड बनाने की ।वश्यकता पड़ी। आधार कार्ड बनाने के लिए वह अपने गांव के कुछ ही दूर स्थित दूसरे गांव में जब गई तू वहां उसकी मुलाकात 26 वर्षीय मीर हुसैन से हुई।मीर से बात चीत हुई और फोन नंबर का आदान प्रदान हुआ ।

रामनवमी पर राममय हुई रांची

स्वदेश संवाददाता

रांची : रामनवमी को लेकर राजधानी रांची बुधवार को पूरी तरह राममय हो गयी। शहर भगवा झंडे से सजा हुआ है। रांची के ऐतिहासिक तपोवन मंदिर में सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की कतार लग गईं। हाथों में बजरंगी झंडा और सिर पर रामनामी लिये भक्तों की भीड़ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए घंटों लाइन में खड़ी दिखी। इन सबके बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। तपोवन मंदिर के बारे में मान्यता है कि रामनवमी के अवसर पर यहां ध्वज पूजन के बाद घर पर ध्वज फहराने से परिवार में सुख-समृद्धि के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा भी आती है, यही कारण है कि यह लंबे समय से चली आ रही यह परंपरा आज भी जीवित है। इस मौके पर कई श्रद्धालु इस मंदिर में तलवार की पूजा भी करते हैं। इधर, श्री महावीर मंडल, डोरंडा केंद्रीय समिति, चुटिया राम मंदिर सहित दूसरी पूजा समितियों की भी शोभायात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गयी। श्री महावीर मंडल, डोरंडा केंद्रीय समिति की यह यात्रा मंडल के अध्यक्ष संजय पोद्दार, मंत्री पप्पू वर्मा के नेतृत्व में निकाली गई। शोभा यात्रा दिन के तीन बजे तीन जगह से प्रारंभ हुई। सबसे पहले यह घाघरा से प्रारंभ हुई जो गोसाई टोली, देवी मंडप होते हुए लोहरा कोच होते हुए शांति रानी स्कूल, विद्युत बोर्ड कॉलोनी, 56 साइड बीएमपी होते हुए तुलसी चौक पहुंची। दूसरी शोभा यात्रा मनी टोला, पत्थर रोड होते हुए जोधा मंदिर, काली मंदिर के पास भवानीपुर का मिलन हुआ। वहां से बीएनएस क्लब कन्या पाठशाला, रविदास मोहल्ला होते हुए आगे बढ़ी। इसके बाद बेलदार मोहल्ला का मिलन हुआ। तीसरी यात्रा एजी कॉलोनी से निकाली गई, जो जेएमजे, मुंशी मोहल्ला होते हुए एजी मोड़ से मिसकोट मैदान, झंडा चौक बाजार मोहल्ला को लेते हुए मस्जिद रोड से यूनिस चौक पहुंची, जहां पर बेलदार मोहल्ला को लेते हुए जैन मंदिर, तुलसी चौक की ओर गयी. फिर घाघरा शोभा यात्रा का मिलन हुआ। फिर तपोवन मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना के पश्चात सभी अखाड़े धारी अपने-अपने विभिन्न परंपरागत मार्गों से होते हुए वापस अपने अखाड़ा की ओर चले गए। शोभा यात्रा में बजरंगबली के जयकारों के साथ अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया गया। हजारीबाग और झालदा, धनबाद बोकारो से आए ताशा पार्टी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। शोभा यात्रा में सुंदर झांकी की प्रस्तुति की गई। डोरंडा मिस कोट मैदान द्वारा आकर्षक लाइट लगाई गईं। डोरंडा के विभिन्न मंदिरों को आकर्षक तरीके से फूलों से सजाया गया था। शोभा यात्रा में राम भक्त अस्त्र का प्रदर्शन करते हुए बजरंगबली के जयकारों के साथ शोभा यात्रा में शामिल हुए। महाअष्टमी झांकी प्रतियोगिता में श्री महावीर मंडल कुसाई को बंपर पुरस्कार, श्री महावीर मंडल, कुम्हार टोली को प्रथम पुरस्कार, श्री महावीर मंडल, रविदास मोहल्ला को द्वितीय पुरस्कार, श्री महावीर मंडल आदिवासी अखाड़ा मनी टोला को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इस शोभा यात्रा में मुख्य संरक्षक बजरंग प्रसाद गुप्ता, मनोज वर्मा, सुरेश प्रसाद सहित अन्य भी शामिल थे। चुटिया के ऐतिहासिक राम मंदिर में चैती दुर्गा पूजा के लिए हवन, पूणार्हुति भी हुई। दोपहर 12 बजे राम जन्मोत्सव मनाया गया। फिर सामूहिक भंडारे का भी आयोजन हुआ। मंदिर प्रबंधन समिति के प्रमुख सदस्य विजय साहू के मुताबिक, राम मंदिर से हर बार की तरह शोभा यात्रा बहु बाजार, महावीर मंदिर होते तपोवन मंदिर तक जाती रही है। फिर यह वापस चुटिया लौट आयी।

कल्पना सोरेन ने दी श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं

स्वदेश संवाददाता

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने बुधवार को श्रीरामनवमी पर्व पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने दिनकर के एक वाक्य को कोट करते हुए लिखा। उन्होंने कहा कि राम, तुम्हारा नाम कंठ में रहे, हृदय, जो कुछ भेजो, वह सहे, दुख से त्राण नहीं मांगू।मांगू केवल शक्ति दुख सहने की, दुर्दिन को भी मान तुम्हारी दया अकातर ध्यानमग्न रहने की। सहनशीलता, दया, कृपा, करुणा, त्याग, साहस और धैर्य के स्वामी प्रभु श्री राम सभी को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन प्रदान करें। रामनवमी के पावन पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। जय जय सिया राम। इसके साथ ही उन्होंने अपने ग्रुप में एक वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह याद रखना है कि श्री राम भगवान जी ने अपने युद्ध करते समय भी अपने नीति, नियमों और आदर्शों का पालन किया था, जिस तरीके से शक्तिशाली होते हुए भी उन्होंने हमेशा धैर्य एवं सहनशीलता दिखायी है। हमेशा ज्ञानी होने के बावजूद, ज्ञान पाने की तत्परता दिखायी थी और जिस प्रकार से युद्ध में अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर भी उन्हें सम्मान के दृष्टि से देखा था। आज सभी को भगवान राम के आदर्शों को सच्चे ढंग से समझने की जरूरत है।

ओडिशा के राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने की पूजा-अर्चना

स्वदेश संवाददाता

रांची/जमशेदपुर: ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने बुधवार को रामनवमी के मौके पर सिद्धगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर स्थित श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही यहां महावीरी पताका का भी पूजन किया। उन्होंने सभी राम भक्तों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मयार्दा पुरुषोत्तम, प्रभु श्रीराम सभी भक्तों का कल्याण करें यही कामना करता हूं। वहीं, केंद्रय मंत्री अर्जुन मुंडा और उनकी पत्नी मीरा मुंडा ने नवरात्र के मौके पर दिशक्ति की पूजा अर्चना की। इस मौके पर अमरप्रीत सिंह काले, कृष्ण शर्मा काली, फानी महतो, मनोज काउंटिया राजकुमार श्रीवास्तव अनिल सिंह गणेश सोलंकी उपस्थित थे।

झारखंड के गोड्डा में पार पहुंचा 42 डिग्री, कई जिलों में हीट वेव

स्वदेश संवाददाता

रांची : इन दिनों झारखंड राज्य तेज गर्मी की चपेट में है। राज्य का सबसे गर्म गोड्डा जिला है। यहां का अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां सुबह नौ बजे से ही तापमान में बेतहाशा बढ़ोतरी हो जा रही है। यहां का पारा लगातार बढ़ता जा रहा है। सूर्य की किरणे झुलसा रही हैं। दोपहर में गर्म हवा का असर होने लगा है। चिलचिलाती धूप में लोग परेशान हैं। दोपहर के समय लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। हालांकि इस बीच राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में तपती धूप से तापमान में बढ़ोतरी होने साथ ही गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि 21 और 22 अप्रैल को आंशिक बादल छा सकते हैं। राज्य के मध्य और दक्षिणी क्षेत्र में गर्मी का कहर दूसरे हिस्सों के मुकाबले थोड़ा अधिक है। इस दौरान अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रह सकता है। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में और तीन डिग्री की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। साथ ही, कई जिलों में हीटवेव की आशंका है, जिसे लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। कोशिश करें कि भूलकर भी दोपहर 12 से 2 बजे के बीच बाहर न निकलें। सीधा धूप के संपर्क में आने से बचें। मौसम विभाग के अनुसार सरायकेला खरसावां, पश्चिमी व पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ दुमका, देवघर, धनबाद व चतरा आदि जिलों में लोगों को गर्मी से बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की

स्वदेश संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लोगों से अपील की है कि रांची के हिंदपीढ़ी, लेक रोड और मेन रोड के कुछ घरों की छतों पर पिछले दिनों ईंट और पत्थर देखे जाने सम्बन्धी सोशल मीडिया में चल रही अफवाहों पर ध्यान दें। एक्स पर एक पोस्ट जारी कर मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत पर ईंट-पत्थर मिलने को लेकर अफवाह न फैलायें, जिन घरों की छत पर ये सामग्री मिली है, उनके मालिक अलग-अलग समुदायों से आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे लेकर कुछ मीडिया संस्थान भ्रामक खबर चला रहे हैं, जिसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने झारखंड पुलिस को ऐसी अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ न्यायोचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंगलवार से कुछ सोशल मीडिया हैंडल द्वारा रांची की हिंदपीढ़ी में कुछ घरों की छत पर ईंट, पत्थर आदि होने को लेकर भ्रामक खबरें चलाई जा रही हैं। रांची पुलिस ने स्पष्ट किया है कि रूटीन चेकिंग के दौरान 10-11 घरों की छतों पर निर्माण सामग्री मिली थी, जिसे हटवा दिया गया है। इनमें से कुछ घर हाल में बने हैं जबकि कुछ अभी निमार्णाधीन हैं। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन घरों के मालिक विभिन्न समुदायों से आते हैं। ऐसी अफवाहों पर ध्यान ना दें। उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल को जिला प्रशासन ने रामनवमी के जुलूस वाले मार्ग की सभी मकानों की छतों की ड्रोन से जांच की थी। इस दौरान लेक रोड, हिंदपीढ़ी और मेन रोड में कुछ घरों की छतों पर ईंट और पत्थर देखे गये थे। जिला प्रशासन द्वारा इसे तत्काल हटाने का आदेश दिया गया था।

दीपिका पांडेय सिंह के खिलाफ कांग्रेसियों ने खोला मोर्चा

रांची: कांग्रेस ने झारखंड में उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी है। इसके बाद पार्टी में ही विरोध के स्वर उठ गए हैं।देवघर जिला और अल्पसंख्यक कांग्रेस ने राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। देवघर जिले ने जहां दीपिका सिंह पांडेय को सबसे कमजोर एवं डमी प्रत्याशी करार देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र लिखकर अविलंब प्रत्याशी बदलने की मांग की है। वहीं अल्पसंख्यक कांग्रेस ने मुस्लिम आबादी और उसके प्रतिनिधित्व को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। देवघर जिला कांग्रेस कमिटी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर, गोड्डा संसदीय सीट से प्रत्याशी के नाम पर पुनर्विचार करने की मांग की है। जिला कमेटी का तर्क है कि पार्टी का निर्णय संगठन और धरातल के विपरित है।जिला कमेटी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से कहा है कि क्षेत्र की 90 फीसदी आबादी की अनदेखी की गई। जिला कमेटी का कहना है कि गोड्डा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 90 फीसदी आबादी पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों की है।

झामुमो नेता अंतू तिर्की, बिपिन सिंह, मो. इरसाद और प्रियरंजन सहाय न्यायिक हिरासत में भेजे गये

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े 8.46 एकड़ जमीन की फजीर्वाड़ा मामले में मंगलवार को ईडी की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किए गए झामुमो नेता अंतू तिर्की, जमीन कारोबारी बिपिन सिंह, मोहम्मद इरसाद और प्रियरंजन सहाय को ईडी की विशेष न्यायाधीश के समक्ष उनके मोरहाबादी स्थित आवास में बुधवार को पेश किया गया। इसके बाद चारों आरोपितों को ईडी की न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा जेल भेज दिया गया। इससे पूर्व ईडी ने इनसे पूछताछ के लिए सात दिनों की रिमांड मांगी है, जिस पर गुरुवार को सुनवाई होगी। रिमांड पर लिये गए फर्जी दस्तावेज बनाने के मास्टर माइंड मोहम्मद सद्दाम हुसैन से पूछताछ के आधार पर ईडी ने बीते मंगलवार को झामुमो नेता अंतू तिर्की, जमीन कारोबारी बिपिन सिंह सहित चार ठिकानों पर छापेमारी की थी। मोहम्मद सद्दाम हुसैन और अफसर अली अभी ईडी की रिमांड पर हैं। ईडी ने इन्हें 8.46 एकड़ जमीन के फजीर्वाड़ा मामले में प्रोडक्शन रिमांड पर लिया था। मामले में अबतक पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भानु प्रताप प्रसाद सहित पांच को चार्जशीटेड आरोपित बनाया गया है। अबतक आठ लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में झामुमो नेता नजरूल इस्लाम पर प्राथमिकी दर्ज

रांची/साहिबगंज : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में अभद्र टिप्पणी करने के मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केंद्रीय कार्यसमिति के सदस्य नजरूल इस्लाम के खिलाफ साहिबगंज टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। साहिबगंज नगर थाना में सदर बीडीओ सुबोध कुमार के बयान पर आचार संहिता उल्लंघन मामले और अमर्यादित भाषा का उपयोग करने के आरोप में प्राथमिकी (42/24) दर्ज की गयी है। ज्ञातव्य है कि 14 अप्रैल को साहिबगंज स्टेशन चौक पर झामुमो के धरना-प्रदर्शन के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए नजरूल इस्लाम ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि नरेन्द्र मोदी 400 सीट जीतेगा नहीं, 400 फीट अंदर गाड़ देंगे। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक दल के नेता अमर बाउरी सहित कई भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर इस बाबत पोस्ट की थी और राज्य सरकार से कार्रवाई की मांग की थी। नतीजतन, जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज करवायी है। प्रखंड के सीआई फनेश्वर कुमार, राजस्व कर्मचारी अजय कुमार और पंचायत सचिव सुशील मरांडी को 24 घंटे के अंदर जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

झारखंड की चार सीटों पर नामांकन के लिए आज जारी होगी अधिसूचना

स्वदेश संवाददाता

रांची : राज्य में 13 मई को होने वाले मतदान के लिए गुरुवार को अधिसूचना जारी की जायेगी। आम चुनाव के चौथे और झारखंड के लिए पहले चरण में होने वाले मतदान को लेकर अधिसूचना जारी होते ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन पत्र 25 अप्रैल तक भरे जायेंगेए जिन सीटों के दिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी उसमें सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू शामिल है। इन चारों सीटों में से तीन एसटी के लिए और एक एससी के लिए आरक्षित है। चुनाव आयोग के द्वारा की गई घोषणा के अनुसार 26 अप्रैल को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी। वहीं, 29 अप्रैल को नामांकन वापसी की तिथि निर्धारित की गई है। चारों सीटों पर मतदान 13 मई को निर्धारित है। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को बताया कि नामांकन दिन के 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार दाखिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नामांकन को लेकर जिला स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गई है और आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप ही भरे जाएंगे। नामांकन के वक्त रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी के अलावे सिर्फ चार लोगों को ही इंट्री मिलेगी यानी नामांकन के लिए सिर्फ पांच ही लोग उपस्थित हो सकेंगे।

अध्यात्म झारखंड का आंजन पर्वत है हनुमान की जन्मभूमि

बाल हनुमान के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

स्वदेश संवाददाता

रांची/गुमला : भगवान राम के अनन्य भक्त हनुमान की जन्मभूमि को लेकर अलग-अलग मान्यताएं और दावे हैं। इनमें से एक मान्यता है कि हनुमान का जन्म स्थान झारखंड के गुमला में स्थित आंजन पर्वत है।आंजन धाम के नाम से प्रसिद्ध इस पहाड़ी और वहां स्थित गुफा में माता अंजनी की गोद में विराजमान बाल हनुमान की पूजा-अर्चना के लिए रामनवमी पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। केदारनाथ पांडेय के अनुसार रामायण में किष्किंधा कांड में भी आंजन पर्वत का उल्लेख है। आंजन पर्वत की गुफा में ही भगवान शिव की कृपा से कानों में पवन स्पर्श से माता अंजनी ने हनुमान जी को जन्म दिया। आंजन धाम के नाम से प्रसिद्ध इस पहाड़ी और वहां स्थित गुफा में माता अंजनी की गोद में विराजमान बाल हनुमान की पूजा-अर्चना के लिए रामनवमी पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां आम दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस स्थल से जुड़ी मान्यताओं के बारे में आचार्य संतोष पाठक बताते हैं कि हनुमान भगवान शिव के 11वें रुद्रावतार माने जाते हैं और उनका जन्म आंजन धाम में हुआ था।

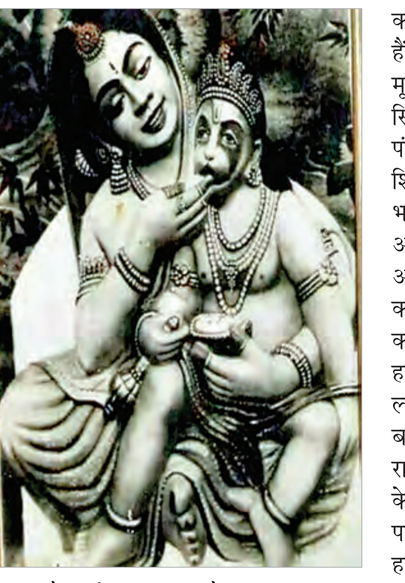

सनातन धर्मावलंबियों के व्यापक जनसमूह का विश्वास है कि झारखंड के गुमला जिला मुख्यालय से लगभग 21 किमी की दूरी पर स्थित आंजन पर्वत ही वह स्थान है, जहां माता अंजनी ने उन्हें जन्म दिया था। माता अंजनी के नाम से इस जगह का नाम आंजन धाम पड़ा। इसे आंजनेय के नाम से भी जाना जाता है। यहां स्थित मंदिर पूरे भारत का इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां भगवान हनुमान बाल रूप में मां अंजनी की गोद में बैठे हुए हैं। आंजन धाम के मुख्य पुजारी केदारनाथ पांडेय बताते हैं कि माता अंजनी भगवान शिव की परम भक्त थीं। वह हर दिन भगवान की विशेष पूजा अर्चना करती थीं। उनकी पूजा की विशेष विधि थी, वह वर्ष के 365 दिन अलग-अलग शिवलिंग की पूजा करती थीं। इसके प्रमाण अब भी यहां मिलते हैं। कुछ शिवलिंग व तालाब आज भी अपने मूल स्थान पर स्थित हैं। आंजन पहाड़ी पर स्थित चक्रधारी मंदिर में 8 शिवलिंग दो पंक्तियों में हैं। इसे अष्टशंभू कहा जाता है। शिवलिंग के ऊपर चक्र है। यह चक्र एक भारी पत्थर का बना है। केदारनाथ पांडेय के अनुसार रामायण में किष्किंधा कांड में भी आंजन पर्वत का उल्लेख है। आंजन पर्वत की गुफा में ही भगवान शिव की कृपा से कानों में पवन स्पर्श से माता अंजनी ने हनुमान जी को जन्म दिया। आंजन से लगभग 35 किलोमीटर दूरी पर पालकोट बसा हुआ है। पालकोट में पंपा सरोवर है। रामायण में स्पष्ट उल्लेख है कि पंपा सरोवर के बगल का पहाड़ ऋषिमुख पर्वत है, जहां पर कपिराज सुग्रीव के मंत्री के रूप में हनुमान रहते थे। इसी पर्वत पर सुग्रीव का श्रीराम से मिलन हुआ था। यह पर्वत भी लोगों की आस्था का केंद्र है। चैत्र माह में रामनवमी से यहां विशेष पूजा अर्चना शुरू हो जाती है जो महावीर जयंती तक चलती है। यहां पूरे झारखंड समेत देश भर से लोग आते हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, ओडिशा आदि राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

झारखंड में चुनाव ड्यूटी में लगी गाड़ियों की जीपीएस से होगी मॉनिटरिंग

स्वदेश संवाददाता

रांची : राज्य में लोकसभा चुनाव ड्यूटी में लगने वाली गाड़ियों की जीपीएस से मॉनिटरिंग की जायेगी। चुनाव आयोग ने इसके लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। इसके तहत झारखंड में लोकसभा चुनाव के दरम्यान बूथ से लेकर स्ट्रॉन्ग रूम तक जाने वाली ईवीएम और निर्वाचनकर्मियों के मूवमेंट पर नजर रखी जायेगी। राज्य में पहली बार जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए निगरानी रखने की तैयारी में जुटे चुनाव आयोग का मानना है कि इससे चुनाव में पारदर्शिता आयेगी। गाड़ियों के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए जिला मुख्यालय से लेकर चुनाव आयोग कार्यालय में विशेष टीम बनाई गई है, जहां ऑनलाइन माध्यम से नजर रखी जायेगी। चुनाव ड्यूटी में लगनेवाली निजी गाड़ियों के किराए में होने वाली गड़बड़ी पर रोकथाम के लिए आयोग ने वाहन मैनेजमेंट सिस्टम नाम से ऐप लाया है, जिसके माध्यम से चुनाव ड्यूटी में लगने वाली गाड़ियों के समय, तारीख, किलोमीटर, सेवा अवधि और भुगतान जैसी तमाम चीजें चुनाव आयोग के डैशबोर्ड पर डिस्प्ले करती रहेंगी। इसके प्रयोग में होने से गाड़ी मालिक के किराया भुगतान संबंधी शिकायत काफी हद तक दूर होने की संभावना है। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि गाड़ी मालिक की आमतौर पर भुगतान को लेकर शिकायत रहती थी, जिसे इसके माध्यम से दूर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी में लगी गाड़ी खासकर ईवीएम को लेकर बूथ और स्ट्रॉन्ग रूम तक जाने वाली गाड़ी जीपीएस युक्त होंगे, जिसके हर मूवमेंट पर आयोग की नजर होगी। इसपर करीब एक करोड़ खर्च होने की संभावना है। जीपीएस सिस्टम लगाने का मकशद साफ है कि इलेक्शन पारदर्शी तरीके से हो। उन्होंने कहा कि इसमें कई तरह के फीचर हैं जो हमें मॉनिटर करने में काफी सहायक होगा। इस बार 85 साल से ऊपर के मतदाता और दिव्यांग वोटर के लिए भी गाड़ी की व्यवस्था करनी है। इसलिए चुनाव के दरम्यान इस बार गाड़ियों की संख्या काफी अधिक होगी। वाहन मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए गाड़ियों के प्रबंधन को काफी सरल कर दिया गया है। उदाहरण के तौर पर पुलिस की गाड़ियों को संबंधित जिले में ही पैसों का भुगतान कर दिया जाएगा। सिर्फ तेल जिस जिले में उन्हें ड्यूटी पर लगाई जाएगी उस जिले में उन्हें मिलेगा।इसी तरह अन्य सरकारी एवं निजी गाड़ियों के लिए भी प्रबंध को

NEWS IN Gallery

सिल्ली में रामनवमी हर्षोल्लास के साथ मनी

सिल्ली : सिल्ली मुरी आसपास के क्षेत्र में बुधवार के दिन रामनवमी बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न गांव के अखाड़े में बच्चे एवं युवा वर्ग लाठी खेल तथा विभिन्न प्रकार के करतब दिखाकर गांव वालों का मन मोह लिया। तत्पश्चात प्रत्येक गांव से जुलूस भी निकला गया। जुलूस के दौरान राम भक्त हाथ में धार्मिक झंडा लिए हुए जय हनुमान, बजरंगबली की जय, हर हर महादेव, जय श्री राम सहित और भी भक्तियुक्त नारे लगा रहे थे। डीजे की धुन पर महिलाएं एवं पुरुष भक्तगण धीरे-धीरे थिरक भी रहे थे। जुलूस में बच्चे, बूढ़े तथा युवा वर्ग के लोग शामिल थे। मुख्य सड़कों पर समाजसेवियों के द्वारा गुड़, चना तथा शरबत की व्यवस्था की गई थी जिसका भक्तजनों ने आनंद उठाया। कुछ मोहल्ला के राम भक्तों ने जुलूस का समापन टुगड़ी पहाड़ पर अपने कला का प्रदर्शन करते हुए समापन किया। भक्त जनों के लिए टुंगडी पहाड़ आकर्षण का केंद्र रहा। करतब को देखने के लिए हजारों की संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। जुलूस के दौरान प्रशासन भी चुस्त दुरुस्त दिखी।

रामनवमी महापर्व पर जल सेवा का आयोजन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत 17 अप्रैल 2024 को रामनवमी महापर्व के शुभ अवसर पर मेन रोड सिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय जी एवं समाजसेवी दिनेश प्रसाद साहु जी के सौजन्य से गुड़ चना एवं जल सेवा का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाजसेवी नागेन्द्र नाथ गोस्वामी, नागेश्वर महतो, कार्तिक चन्द्र महतो, निशाकर महतो, गुहीराम महतो, प्रकाश मुंडा, लालू कोईरी, देवाशिष दत्ता, रबिंद्र प्रमाणिक, सादानंद सोनार, धनंजय मुंडा, शिव चरण मिस्त्री, कालीपद साहु, मनिराम दास, बिंदेश्वर महतो, पिनाकी बनर्जी, इत्यादि समाजसेवी उपस्थित थे।

रामनवमी को लेकर हनुमान मंदिर में उमड़ी भीड़

इटखोरी : इटखोरी प्रखण्ड में रामनवमी के मौके पर हनुमान मंदिर में उमड़ी भीड़। मालूम कि रामनवमी के मौके पर प्रखंड के हनुमान मंदिर में भक्तों के पूजा अर्चना करने को लेकर काफी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर कई मंदिरों में भक्तों ने कतारबद्ध होकर हनुमान जी की पूजा अर्चना किया। इधर रामनवमी व महानवमी के मौके पर भद्रकाली मंदिर में भी श्रद्धालुओं की पूजा अर्चना करने को लेकर काफी भीड़ उमड़ी। इस दौरान पंचमुखी जी हनुमान मंदिर शास्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर राम जानकी मंदिर शनि देव मन्दिर सुफल नाथ मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भक्तों की पूजा अर्चना को लेकर काफी भीड़ उमड़ी।

लोस चुनाव : कोडरमा में भाजपा ने सात बार हासिल की है जीत

स्वदेश संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा संसदीय क्षेत्र साल 1977 में अस्तित्व में आया था। उस समय से कई बार लोकसभा चुनाव हुए पर इसमें सबसे अधिक भाजपा ने यहां से सात बार जीत हासिल की है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए कोडरमा परंपरागत सीट रही है। कोडरमा से भाजपा के टिकट पर रीतलाल प्रसाद वर्मा 4 बार और भारतीय लोक दल से एक बार, इसी पार्टी से बाबूलाल मरांडी एक बार, रविंद्र राय एक बार और अन्नपूर्णा देवी एक बार सांसद के रूप में चुने गए। कांग्रेस से तिलकधारी सिंह ने दो बार और जनता दल से मुमताज अंसारी ने एक बार जीत हासिल की। भाजपा से अलग होने के बाद बतौर निर्दलीय बाबूलाल मरांडी ने एक उपचुनाव और झारखंड विकास मोर्चा से एक बार जीत हासिल की है। सन 1977 में लोक दल से रीतलाल प्रसाद वर्मा, वर्ष 1980 में पुनः भारतीय जनता पार्टी से रीतलाल प्रसाद वर्मा, 1984 में कांग्रेस पार्टी से तिलकधारी सिंह, 1989 में भाजपा से रीतलाल प्रसाद वर्मा, 1991 में जनता दल से मुमताज अंसारी, 1996 में भारतीय जनता पार्टी से रीतलाल प्रसाद वर्मा, 1998 में भाजपा से रीतलाल प्रसाद वर्मा और 1999 में कांग्रेस से तिलकधारी सिंह ने जीत हासिल की। 2004 में हुए चुनाव में भाजपा से बाबूलाल मरांडी यहां से सांसद चुने गए परंतु 2006 में उन्होंने भाजपा को छोड़ दिया और उपचुनाव में बतौर निर्दलीय सांसद चुने गए। उसके बाद 2009 में हुए चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा से बाबूलाल मरांडी यहां से सांसद बने। 2014 में बाबूलाल मरांडी ने कोडरमा से चुनाव नहीं लड़ा और तब भाजपा से डॉ रविन्द्र कुमार राय सांसद के रूप में चुने गए। साल 2019 में राजद से भाजपा में शामिल होने पर अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया और एक बार फिर पार्टी को जीत हासिल हुई।

तोपचांची के जोड़ा मंदिर में राम जन्मोत्सव की धूम

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : बजरंगबली का सिद्ध पीठ माने जाने वाले तोपचांची प्रखंड की ढांगी पंचायत स्थित जोड़ा मंदिर में राम जन्मोत्सव की धूम है। रामनवमी के अवसर पर मंदिर प्रांगण में राम भक्तों का सुबह से ही तांता लगा रहा। आचार्य विश्वनाथ पाठक ने सुबह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वजारोहण किया। इसके साथ ही मंदिर में झारखंड जनहित मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष माना पाठक की ओर से आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सह नवाह्नपरायण मानस यज्ञ की पूणार्हुति भी हुई। पूणार्हुति के बाद महा भंडारा में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो, गिरिडीह से एनडीए प्रत्याशी चन्द्रप्रकाश चौधरी, जिप अध्यक्ष शारदा सिंह, शेखर सिंह सहित दर्जनों गणमान्य लोगों ने मंदिर पहुंच कर मत्था टेका। झारखंड जनहित मोर्चा के अध्यक्ष माना पाठक ने कहा कि मंदिर में राम जन्मोत्सव पिछले 56 वर्षों से धूमधाम से मनाया जा रहा है। बकौल माना पठाक 56 वर्ष पहले उनके पिता आचार्य विश्वनाथ पाठक को हनुमान जी का दर्शन हुआ था, जिसमें उन्हें मंदिर निर्माण का संदेश मिला था। इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना जरूर पूरी होती है।

धनबाद में मजदूरों पर हमला करनेवाले अतिक्रमणकारियों को आरपीएफ ने हटाया

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : स्टेशन के दक्षिण छोर स्थित छाईगद्दा में साहिबगंज के 50 महिला-पुरुष मजदूरों पर हमला करनेवाले अतिक्रमणकारियों को आरपीएफ के जवानों हटा दिया। मजदूरों पर 13 अप्रैल को हमला हुआ था। आरपीएफ के अनुसार, साहिबगंज के 50 मजदूर लुधियाना जाने के लिए पाटलीपुत्र एक्सप्रेस से धनबाद स्टेशन पहुंचे थे। यहां से उन्हें रात में गंगा सतलज एक्सप्रेस से लुधियाना जाना था। धनबाद पहुंचने के बाद सभी मजदूर रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर पर छाईगद्दा के पास पहुंचे और तंबू लगाकर खाना बनाने की तैयारी में जुट गए। वहां रखी ईंट से घेर कर जैसे-तैसे चूल्हा बना रहे थे। छाईगद्दा में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण कर रह रहे लोगों ने इसका विरोध किया और गाली-गलौज करते हुए मजदूरों के साथ मारपीट की। जिसमें कई मजदूर घायल हो गए। अखबारों में प्रमुखता से खबर छपने के बाद रेलवे के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। रेलवे आधिकारियों के निर्देश पर आरपीएफ इंस्पेक्टर पंकज कुमार बुधवार को जवानों के साथ छाईगद्दा पहुंचे और सभी अतिक्रमणकारियों को वहां से खदेड़ दिया। अब छाईगद्दा पूरी तरह से मैदान की तरह दिख रहा है। रेलकर्मियों के अनुसार, छाईगद्दा में पिछले 64 साल से असामाजिक तत्वों का आशियाना है, जो स्टेशन व ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को निशाना बनाते हैं। चोरी, छिनतई, लूटपाट व मारपीट करना इनलोगों का पेशा है। छाईगद्दा भले ही जिला थाना के क्षेत्र में है, लेकिन जमीन रेलवे की है। रेलवे यहां से अक्सर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाती है, लेकिन अतिक्रमणकारी कुछ दिन बाद फिर आकर आशियाना खड़ा कर लेते हैं।

रामनवमी के मेले में उमड़ा हुजूम

चान्हो : मांडर मां दुर्गा के नौ दिवसीय नवरात्र के अंतिम दिन रामनवमी के अवसर पर बुधवार को चान्हो-मांडर प्रखण्ड के प्रमुख धार्मिक स्थलों वनदेवी धाम, शीतला माता धाम सहित विभिन्न इलाकों में मेला का आयोजन किया गया। मेले में श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। दूर दराज सहित गैर जनपदों से आए श्रद्धालुओं ने मां का पूजन-अर्चन किया। साथ ही मेले में जमकर खरीदारी की। बच्चों ने चटपटी खाद्य सामग्रियों का लुत्फ उठाया। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।वही दूसरी ओर मांडर में रामनवमी के अवसर पर विभिन्न प्रमुख धार्मिक स्थलों पर मेला का आयोजन किया गया। चान्हो ब्लाक के सोंस गांव स्थित मेला ताड़ पर रामनवमी के अवसर पर एक दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है।

प्यासे को जल उपलब्ध कराना धर्म का है काम : शशांक नंदा

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : चास स्थित जोधाडीह मोड के हनुमान मंदिर के सामने प्याऊ का उद्घाटन रामकृष्ण मठ के स्वामी शशांक नंदा जी ने किया साथ में भाजपा नेत्री डॉ परिंदा सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी।इसके पूर्व तुलसी का पौधा एवं शॉल ओढ़ाकर स्वामी जी का स्वागत किया गया। स्वामी जी ने अपने संबोधन में कहां कि प्यासे को जल उपलब्ध कराना धर्म का काम है उन्होंने रोजगार परक शिक्षा पर बल दिया। डॉक्टर परिंदा ने अपने संबोधन में प्याऊ खोलने पर ईस्ट इंडिया कंपनी के तनेजा परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा की पथिकों को भीषण गर्मी में जल सहज रूप से मिल पाएगा। परिंदा ने कहा यह अत्यंत पुण्य का काम है। अशोक तनेजा ने कहा की तनेजा परिवार प्रत्येक वर्ष गर्मियों में राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध कराते आ रहा है। कमल तनेजा ने कहा कि यह कार्यक्रम आगे भी अनवरत चलता रहेगा। चास अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रवीण सिंह ने भी उपस्थित होकर प्याऊ खोलने पर तनेजा बंधुओं की प्रसंशा की।चास रोटरी क्लब की अध्यक्ष पूजा बैद, हनुमान मंदिर के मंतोष ठाकुर, गुरुद्वारा कमेटी के हरदीप सिंह, अशोक केडिया, देबू पाल, संजय बैद, मोहम्मद फैयाज, आजाद, राहुल प्रमाणिक, गौतम आदि विशेष तौर पर उपस्थित थे।

सामाजिक संगठनों के भंडारा में उमड़ी भीड़, हजारों ने ग्रहण किया प्रसाद

स्वदेश संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र में श्री रामनवमी को लेकर निकाली गई नवमी की शोभायात्रा के दौरान बुधवार को श्रद्धालुओं के बीच भंडारा प्रसाद का वितरण करने के लिए कई सामाजिक संगठनों ने स्टॉल लगाए। छह मुहान से लेकर अस्पताल चौक समेत जुलूस वाले रूट में एक दर्जन से अधिक सामाजिक संगठनों के द्वारा भंडारा का स्टॉल लगाया गया था। यहां प्रसाद लेने के लिए लोग कतारबद्ध दिखे। बच्चे, बूढ़े और महिलाएं सभी ने भंडारा का प्रसाद लेकर इसका सेवन किया। कुछ संगठनों के द्वारा शीतल जल और चाय नाश्ते का भी प्रबंध किया गया था। इन स्टालों पर भी लोगों की भीड़ देखी गई। रामनवमी जुलूस देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण इलाकों से भी पहुंचे थे। ऐसे लोगों की संख्या भंडारा वाले स्टॉल पर ज्यादा नजर आई। आइसक्रीम का भी वितरण कुछ संगठनों द्वारा किया गया। बुंदिया प्रसाद भी बांटा गया। प्रसाद वितरण करने वालों में हॉकर संघ, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन, अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, जय लक्ष्मी संघ, पलामू जिला स्वर्णकार संघ, अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा हलवाई समाज, नरनोलिया अग्रवाल महिला संगठन, अग्रवाल क्लब, माता हीरामणि सेवा समिति, जेपीएस, हिंदू युवा नव जागृति मंच, श्रीराम गैंग आदि शामिल है।

ना शिलान्यास.. ना बोर्ड.. संवेदक ने चुपके से शुरू कर दिया आहर का जीर्णोद्धार

पलामू : जिले के पांकी प्रखंड के सगालीम पंचायत के परसिया गांव में लघु सिंचाई विभाग द्वारा आहर के जीर्णोद्धार कार्य में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरतने का मामला सामने आया है। दरअसल परसिया गांव में देव बांध आहर के जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। बगैर शिलान्यास के निर्माण कार्य शुरू करने और कार्य में अनियमितता बरतने पर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। निर्माण स्थल पर बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक के द्वारा आहर के जीर्णोद्धार कार्य में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की जा रही है। आहर के बांध के ऊपर जैसे तैसे मिट्टी छीड़कर निर्माण कार्य को पूर्ण दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। आहर के डूब क्षेत्र से मिट्टी का कटाव कर आहर के बांध को मजबूत करना है, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। आहर से पानी निकासी के लिए पाइप वाला पुलिया का निर्माण करना है, मगर पुलिया निर्माण में भी बड़े पैमाने पर धांधली बरती जा रही है। जैसे तैसे पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण स्थल पर बोर्ड नहीं लगने के कारण ग्रामीणों को कोई सही जानकारी नहीं मिल पा रहा है। आहर के बांध का घास छीलकर सरकारी राशि लूटने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण स्थल पर संवेदक एक दिन भी नहीं आया है।

संवेदक के चपचे के द्वारा कार्य कराया जा रहा है। सबसे अहम बात है कि ग्रामीणों द्वारा निर्माण कार्य को बंद करा दिया गया था, इसके बावजूद संवेदक और उनके बिचौलियों ने दबंगता के साथ निर्माण कार्य करा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि परसिया के देव बांध आहर का जीर्णोद्धार कार्य करीब 56 लाख की लागत से लघु सिंचाई विभाग के द्वारा किया जाना है। इतने बड़े रकम खर्च हो जाने के बाद कई गांव के सैकड़ों एकड़ भूमि सिंचित होगी। मगर संवेदक द्वारा जैसे-तैसे काम कर सरकारी पैसे को डकारने का प्रयास किया जा रहा है जो गंभीर बात है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर ना तो नियमानुसार विभाग का बोर्ड लगाया गया है, न ही प्राक्कलन के अनुरूप कार्य हो रहा है। ठेकेदार की मनमानी और विभाग के अधिकारी की लापरवाही से पता चलता है कि सरकारी पैसों को सिर्फ बंदरबांट किया जा रहा है। ग्रामीणों ने पलामू उपायुक्त शशि रंजन और पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता से से शिकायत करते हुए पूरे मामले की जांच कर दोषी संवेदक तक कार्रवाई करने और प्राक्कलन के अनुसार कार्य कराने की मांग की है।

रामनवमी की शोभायात्रा में बेकाबू हुआ डीजे वाहन, कुचलने से दो की मौत, चार घायल

लोहरदगा : जिले में रामनवमी के शोभायात्रा के दौरान बुधवार को डीजे वाहन अनियंत्रित हो गया और कई लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में एक युवती और एक महिला की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। घायलों में से चार लोगों की हालत गंभीर है। सभी घायलों को आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को राजधानी रांची स्थित रिम्स भेज दिया गया है।मृतकों की पहचान शहरी क्षेत्र की रियाडा की रहने वाली सोनी (18) के रूप में हुई। वह बाजार समिति के पीछे रहती थी। समाचार लिखे जाने तक एक अन्य मृतक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जुलूस राणा चौक से आगे बढ़ रहा था। इसी क्रम में डीजे बंधा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर जुलूस में शामिल लोगों को रौंदते हुए आगे बढ़ गया।

रामनवमी | मेदिनीनगर में नवमी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी

झांकियों से बढ़ा आकर्षण, अस्त्र-शस्त्र का हुआ प्रदर्शन

स्वदेश संवाददाता

पलामू : रामनवमी पर मेदिनीनगर में नवमी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। बड़ी संख्या में रामभक्त आकर्षक रथ, साउंड और अस्त्र-शास्त्र के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा शहर के प्रमुख एवं निर्धारित मार्गों से होकर गुजरी। छहमुहान पर सभी जुटे। इस दौरान जगह-जगह गोल जमा कर अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया गया। इस दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचे थे। जुलूस का नेतृत्व श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने किया। उनके साथ जेनरल के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे। बताते चलें कि रामनवमी पर पिछले 5 दिनों से मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र में जुलूस निकाला जा रहा है। बुधवार का जुलूस नवमी को लेकर निकला और इसमें करीब तीन दर्जन से अधिक अखाड़े शामिल हुए। अयोध्या में के भव्य मंदिर में 500 वर्ष बाद रामलला के विराजमान होने से ज्यादा उत्साह देखने को मिला। मेदिनीनगर शहर के अलग-अलग हिस्से से अखाड़ों का शहरी क्षेत्र में आगमन हुआ। बैरिया, रेडमा, आबादगंज, कांडू मोहल्ला, बेलवाटिका, नई मोहल्ला, नावाटोली, मुख्य बाजार, कुंड मोहल्ला, हमीदगंज, सुदना से पहुंचे अखाड़े आकर्षक रथ और साउंड के साथ शामिल हुए। इस क्रम में जगह-जगह पगड़ीपोशी कर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा लोगों को सम्मानित किया गया। शोभायात्रा को लेकर जगह-जगह पुलिसकर्मी और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी, जो पूरे मामले पर नजर बनाए हुए थे। इसके अलावा अखाड़े के वालंटियर भी पूरी स्थिति पर नजर रख रहे थे। इसके अलावा 10 ड्रोन से भी जुलूस पर निगरानी रखी जा रही थी।

रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : रामनवमी को लेकर चारों तरफ भक्ति मय माहौल हो चुका है। शाम के वक्त सभी अखाड़ा सड़कों पर झांकी के साथ उतर जय श्री राम के नारों के साथ पूरे माहौल को भक्ति में करने का काम किया है। बोकारो के रेलवे फाटक के पास से विभिन्न एक एक अखाड़ों का जुलूस राम मंदिर सेक्टर 1 के लिए निकला। जहां भारी संख्या में श्रद्धालु हाथ में भगवा झंडा लिए नजर आए। जुलूस में कई आकर्षक झांकियां भी नजर आई जिसमें राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न के साथ बजरंगबली हनुमान के वेशभूषा में लोग नजर आए छोटी-छोटी बच्चियों लक्ष्मीबाई का रूप भी धारण किए हुए नजर आई। जुलूस के साथ सड़क पर बाइक के साथ स्टंट करते भी युवा नजर आए। चास में भी श्री राम अखाड़ा के द्वारा विभिन्न तरह के झांकी निकाली गई है, अखाड़ा समिति के अध्यक्ष मुकेश राय ने बताया कि पिछले कई वर्षों से श्री राम अखाड़ा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बंगाल सहित कई जगहों के कलाकार द्वारा अपने कला का प्रर्दशन करते हुए आ रहें हैं इस बार भी विशाल रूप में भगवान भोलेनाथ, हनुमान जी कि मुर्ती, राम लक्ष्मण आदि देवो का मुर्ती अकर्सन का केंद्र है, रामनवमी भाईचारे का संदेश भी देता है। पुलिस प्रशासन की पुख्ता इंतजाम भी नजर आई। जुलूस में शामिल बोकारो के भाजपा विधायक बिरंचि नारायण ने कहा कि पूरी तरह से बोकारो भक्ति में हो चुका है। 500 साल की गुलामी के बाद रामलला टेंट से हटकर भव्य मंदिर में विराजमान है।जिसका असर इस बार देखा जा रहा है। लोग पूरी उमंग के साथ रामनवमी मना रहे हैं और हमारे देश के लिए यह एक महत्व संजोग है।

ऑनलाइन टीचिंग में चुन सकते हैं पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है। ऑनलाइन टीचिंग के दौरान समय को पहले से ही सुनिश्चित किया जाता है और फिर ऑनलाइन क्लासरूम में छात्र व टीचर मिलते हैं और पढ़ते व पढ़ाते हैं। इस नौकरी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसे आप अपने समय के अनुसार, पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर चुन सकते हैं। इसके अलावा यह आय का एक अच्छा स्रोत प्रदान करता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो एक ऑनलाइन ट्यूटर के पास विशेषज्ञता के आधार पर योग्यता होनी आवश्यक है। मसलन, आप किसी विशेष भाषा के ऑनलाइन ट्यूटर बनना चाहते हैं तो आपको उस भाषा से संबंधित कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, बीएड, एमएड या नेट, आदि के बाद भी आप शिक्षण के क्षेत्र को चुन सकते हैं।

एक ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए सबसे जरूरी स्किल है पढ़ाई के प्रति जुनून। अर्थात ना सिर्फ आपको दूसरों को पढ़ाना पसंद होना चाहिए, बल्कि खुद भी हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखने की चाहत होनी चाहिए। चूंकि आप ऑनलाइन टीचिंग कर रहे हैं, इसलिए आपमें तकनीकी गुण भी होने चाहिए। मसलन, कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेजेंटेशन आदि भी बनाने आने चाहिए। इसके अलावा, ऑनलाइन टीचिंग के दौरान आपके कम्युनिकेशन स्किल भी काफी अहम् हैं। याद रखें कि दूसरों को पढ़ाना एक बेहद सीरियस काम है और इसके लिए कमिटमेंट की जरूरत होती है।

ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप अब तक ट्यूशन पढ़ाते आए हैं तो अब आप उन्हीं बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसी कई कंपनियां व वेबसाइट हैं, जो टीचर्स को हायर करके ऑनलाइन पढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में आपको ऑनलाइन छात्र ढूंढने की भी जरूरत नहीं है। बस इन कंपनियों के साथ जुड़कर आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

आमदनी

ऑनलाइन ट्यूशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर अनुभवी टीचर्स काफी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। शुरूआत में एक टीचर करीबन 200 रूपए प्रति घंटा चार्ज कर सकते हैं। वहीं कुछ समय के अुनभव, बाद आप 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप इस क्षेत्र में अपनी क्वालिटी को साबित करते हैं और छात्रों को आपके पढ़ाने का तरीका पसंद आता है, तब आपकी कमाई की कोई सीमा नहीं है।

सेरिकल्चरिस्ट के लिए उपलब्ध हैं करियर की असीम संभावनाएं

अगर आपको फार्म प्रोडक्शन और उससे जुड़ी प्रक्रिया में रुचि है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन सेरिकल्चरिस्ट।

एग्रीकल्चर एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बेहतरीन करियर का स्कोप तो है ही, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने का शानदार मौका भी है। यही नहीं, विस्तृत होने के कारण इससे जुड़ी कई सब-फील्ड्स हैं, जिनमें करियर की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसी ही एक सब-फील्ड है, सेरिकल्चर। दुनिया भर में भारत के सिल्क की बढ़ती मांग के कारण सेरिकल्चरिस्ट के लिए बहुत-से करियर ऑप्शंस उपलब्ध हैं।

क्या है सेरिकल्चर?

सेरिकल्चर फार्मिंग पर आधारित और व्यवसायिक रूप से बेहद आकर्षक गतिविधि है। मूलत- कीटों से रेशम बनाने की प्रक्रिया को सेरिकल्चर कहते हैं, लेकिन अब यह उद्योग सिर्फ कीटों तक सीमित नहीं है बल्कि मल्बरी कल्टिवेशन और पोस्ट कोकून टेक्नोलॉजी जैसी नई प्रक्रियाओं से जुड़ चुकी है। आज के समय में यह एग्रो-बेस्ड इंडस्ट्री, ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।

कौन-से कोर्स?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में बीएससी या डिप्लोमा इन सेरिकल्चर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए इंटर में आपके पास बायोलॉजी और केमिस्ट्री जैसे विषय होने जरूरी हैं। आम डिग्री कोर्स से अलग सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में चार साल का डिग्री कोर्स होता है, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन दो साल का होता है। आप चाहें, तो इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और फिर पीएचडी भी कर सकते हैं। ग्रेजुएशन में स्टूडेंट्स को सिल्कवर्म रियरिंग, ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स, सिल्क रीलिंग एंड स्पिनिंग, सिल्क ग्रेडिंग एंड टेस्टिंग, मॉरीकल्चर, फूड प्लांट्स, सिल्क वीविंग टेक्नोलॉजी, सिल्क डाइंग, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

प्रमुख संस्थान

- सेंट्रल सेरिकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मैसूर
- शेरे-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू
- तमिल नाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबत्तूर
- यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसे, बेंगलुरू
- बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर

जरूरी स्किल्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए शारीरिक दमखम की बहुत जरूरत होती है। इसके अलावा आपमें धैर्य, समर्पण तथा अलग-अलग व खराब मौसम में भी काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही, साइंस प्रैक्टिकल व साइंटिफिक गतिविधियों में रुचि होना चाहिए। भविष्य की संभावनाएं बतौर सेरिकल्चरिस्ट, आपके पास नौकरी व एंटरप्रेन्योरशिप के कई विकल्प मौजूद हैं। खास बात यह है कि देश के हर राज्य में सेरिकल्चर विभाग मौजूद है, जो इसके उत्पादन व मार्केटिंग की देख-रेख का काम करते हैं। आप सरकारी क्षेत्र में केंद्र सरकार की एजेंसियों जैसे सेंट्रल सिल्क बोर्ड, सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, एफएओ, नाबार्ड, कृषि विज्ञान केंद्र आदि में काम कर सकते हैं।

इसके अलावा रिसर्च सेंटर्स, सेरिकल्चर यूनिट्स, एग्रीकल्चर सेक्टर से जुड़े बैंक्स में भी अपना करियर प्लान कर सकते हैं। अगर आप इंडस्ट्री से जुड़कर काम करना चाहते हैं, तो सेरिकल्चर फार्म में बतौर मैनेजर, या फिर सिल्क रीलिंग, सिल्क वीविंग मिल, डाइंग, प्रिंटिंग अथवा स्पिनिंग मिल में काम कर सकते हैं। केंद्र सरकार कई स्कीम्स स्पॉन्सर करती है, जहां आपको करियर के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। आप खुद का वीविंग तथा एक्सपोर्ट का बिजनेस कर सकते हैं।

कितनी आय

जो प्रोफेशनल्स अच्छी ट्रेनिंग के साथ पब्लिक सेक्टर में अपना करियर शुरू करते हैं, उनकी शुरूआती सैलरी 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह होती है, जबकि प्राइवेट सेक्टर में आप 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी से शुरूआत कर सकते हैं। सैलरी अनुभव के साथ बढ़ती है। हालांकि इस पर भी काफी कुछ निर्भर करता है कि आप कहां काम कर रहे हैं। बतौर एंटरप्रेन्योर आप बेहतरीन कमाई कर सकते हैं। एयरइंडिया में जॉब पाने का मौका, ट्रेनी केबिन क्रू के पद पर वैकेंसीज

विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारते हैं बी-स्कूल

इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है।

इस बात पर बहस लंबे समय से चल रही है कि देश के सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल्स से ली गई मैनेजमेंट की डिग्री सफल एंटरप्रेन्योर बनने में कितनी और कैसे काम आती है। इस मुद्दे के पक्ष और विपक्ष दोनों ही में तर्क दिए जाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। ऐसा कहा जाता है कि क्लास में पढ़ाई जानी वाली थ्योरी कभी भी काम करते हुए हासिल किए गए व्यवहारिक ज्ञान की जगह नहीं ले सकती। मगर यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है। तो चलिए, इस बात पर बिंदुवार नजर डालते हैं कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल में पढ़ने पर आपको क्या मिलता है। बिजनेस स्टडीज एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम्स आपको मौजूदा बिजनेस शैलियों, मार्केट रिसर्च डेटा, रियल टाइम तथा तथ्यात्मक केस स्टडीज का एक्सपोजर देते हैं, जो बेहद मूल्यवान साबित होता है। इन मॉडल्स और ट्रैंड्स के बारे में अच्छी तरह जानकर आप इन्हें अपने बिजनेस पर लागू कर सकते हैं। एक प्रकार से यह दूसरों की गलतियों से सीखने के समान होगा। किसी टॉप बिजनेस संस्थानके विद्यार्थी होने के नाते आपका एक्सपोजर देश तक सीमित भी नहीं रहेगा।

टेक्नोलॉजी

हम बेहद तेज रफ्तार दुनिया में जी रहे हैं और जहां तक बात नई व इनोवेटिव टेक्नोलॉजी की है, तो हम चल ही नहीं रहे, बल्कि दौड़ रहे हैं। किसी टॉप बिजनेस स्कूल के विद्यार्थी होने के नाते आपको विभिन्ना नए टूल्स व टेक्नोलॉजीस को समझने और उनके साथ प्रयोग करने का अवसर मिलता है। ऐसे सॉफ्टवेयर, जो मैथमेटिकल मॉडलिंग को सरल बना दें और स्मार्ट प्रेजेंटेशन को वास्तविकता में बदल दें, आपको अपना बिजनेस शुरू करने में काफी मदद कर सकते हैं। ऐसी छोटी-छोटी बातों से आपके कामकाज को एक प्रोफेशनल टच मिल जाता है।

स्किल्स

किसी टॉप बिजनेस स्कूल में जाने से यह भी सुनिश्चित हो जाता है कि आपकी सॉफ्ट स्किल्स में निखार आएगा, जैसे पब्लिक स्पीकिंग, इंटर-पर्सनल कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, लीडरशिप आदि। ये स्किल्स उन लोगों के लिए बहुत मायने रखती हैं, जो अपना बिजनेस चलाते हैं और रोजाना कई लोगों से डील करते हैं, फिर चाहे वे कर्मचारी हों, क्लाइंट हों या वेंडर आदि हों।

सही लोगों से मुलाकात

किसी अच्छे इंस्टीट्यूट में पढ़ते हुए आपको कई प्रसिद्ध हस्तियों से मिलने का मौका मिलता है। ये हस्तियां विजिटिंग फैकल्टी या गेस्ट प्रेजेंटर के तौर पर वहां आ सकती हैं। फिर, यह भी संभव है कि आपको अपने सहपाठियों में से ही कोई भावी बिजनेस पार्टनर मिल जाए! सर्वश्रेष्ठ एमबीए कॉलेज देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करते हैं। इसलिए यहां आपकी जान-पहचान ऐसे प्रतिभाशाली लोगों से होने की संभावना काफी अधिक रहती है। यह जान पहचान किसी-न-किसी रूप में काम ही आती है।

साख मायने रखती है

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल से डिग्री लेकर जब आप सबको उस बिजनेस स्कूल का नाम बताएंगे, तो एंटरप्रेन्योर के तौर पर आपकी प्रामाणिकता भी बढ़ जाएगी। इससे आपके साथ डील करने वाली पार्टियों का आपके प्रति विश्वास बढ़ेगा। कुल मिलाकर, देश के किसी दिग्गज बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट की डिग्री लेना फायदे का ही सौदा होता है क्योंकि यहां आपको केवल किताबी ज्ञान ही नहीं मिलता, बल्कि इससे कहीं अधिक लाभ प्राप्त होता है।

वॉटर मैनेजमेंट में अपना करियर बना सकते हैं युवा

जल संरक्षण व प्रबंधन पर अब सरकारें और औद्योगिक प्रतिष्ठान भी ज्यादा जोर दे रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए वॉटर मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की जरूरत बढ़ रही है। ये ऐसे प्रशिक्षित लोग होते हैं, जिन्हें वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसाइक्लिंग की अच्छी समझ होती है। उधर, भूजल के स्तर को सुधारने के लिए आधुनिक तकनीकों की भी मांग बढ़ रही है। केंद्रीय जल संसाधन विभाग की ओर से जारी राष्ट्रीय जल नीति में भी पानी के कुप्रबंधन पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिक प्लानिंग पर जोर देने की बात कही गई है। जाहिर-सी बात है कि दिनो-दिन बढ़ते जल संकट को दूर करने के लिए वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, ट्रेंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट या कहें विभिन्न प्रकार के वॉटर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग बनी रहेगी। ग्रीन जॉब्स मार्केट में आकर्षक जॉब्स के अवसर बहुत हैं। वॉटर मैनेजमेंट में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जल प्रबंधन से जुड़े सरकारी विभागों में तथा वॉटर प्रोजेक्ट्स में खूब मांग है। निजी क्षेत्र में भी पेयजल आपूर्ति तथा वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट से संबंधित कार्यों के लिए प्रशिक्षित लोगों को ही हायरिंग में तवज्जो दी जा रही है। बड़े-बड़े उद्योग, रियल एस्टेट सेक्टर और एनजीओ भी वॉटर हार्वेस्टिंग डिजाइनिंग तथा जल संचयन के लिए वॉटर मैनेजमेंट की पृष्ठभूमि वाले प्रोफेशनल्स की सेवाएं ले रहे हैं। आप चाहें, तो कंसल्टेंट बनकर भी करियर बना सकते हैं क्योंकि ऐसे लोगों की वॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम्स के संचालन और देखरेख के लिए मांग लगातार बढ़ रही है।

क्वॉलिफिकेशन

जल प्रबंधन और संरक्षण पर आधारित कई तरह के कोर्स देश के विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों में संचालित हो रहे हैं। युवा वॉटर साइंस, वॉटर कंजर्वेशन, वॉटर मैनेजमेंट, वॉटर हार्वेस्टिंग, वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट जैसी किसी भी स्ट्रीम में कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में वॉटर हार्वेस्टिंग एंड मैनेजमेंट नाम से ऐसा ही एक सर्टिफिकेट कोर्स संचालित हो रहा है। 10वीं पास युवा यह कोर्स कर सकते हैं। अगर आप बायोलॉजी विषय में 12वीं पास हैं, तो एक्वा साइंस या वॉटर साइंस में बीएससी और एमएससी भी कर सकते हैं। एग्रीकल्चर/ सिविल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, जियोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल स्टडीज या बायोलॉजी में बैचलर्स की पढ़ाई करके वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, बायोलॉजिस्ट, हाइड्रो जियोलॉजिस्ट या जियोलॉजिस्ट बन सकते हैं।

सैलरी कितनी?

वॉटर मैनेजमेंट में डिप्लोमाधारी युवा शुरूआत में आसानी से 15 से 25 हजार रुपए प्रति माह सैलरी पा सकते हैं। वहीं, वॉटर साइंटिस्ट या इंजीनियर को भी 30 से 40 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिल जाती है।

क्या है वॉटर मैनेजमेंट?

देश-दुनिया में वॉटर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट की कोशिश कई स्तरों पर चल रही है ताकि दिनो-दिन गहराते जल संकट से पार पाया जा सके। इसके लिए नदियों और भूजल में बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने से लेकर भूजल स्तर सुधारने, परंपरागत जल स्रोतों को सुरक्षित रखने तथा आधुनिक तकनीकों के सहारे वॉटर हार्वेस्टिंग की विधियां विकसित करने व वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट जैसे अनेक उपायों पर जोर दिया जा रहा है। कम पानी से कृषि की उत्पादकता बनाए रखने का प्रयास भी इसी मुहिम का हिस्सा है।

संपादकीय

देश में समरसता का माहौल

भारत के जीवन दर्शन में सर्वत्र राम समाये हुए हैं। भारत की संस्कृति, आस्था, मन, विचार, दर्शन, चिंतन, विधान सभी राम से है। भारत का प्रताप, प्रभाव व प्रवाह भी राम हैं। युवाओं के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से बढ़कर कोई आदर्श नहीं हो सकता। राम का सारा जीवन प्रेरणा से भरा है। राम की राजमहल से जंगल तक की यात्रा को देखें तो कठिनतम परिस्थितियों में भी वह अविचल रहे। उन्होंने समाज में सब प्रकार का आदर्श स्थापित किया। आदर्श भाई, आदर्श मित्र, आज्ञाकारी पुत्र, आज्ञाकारी शिष्य, आदर्श पति, आदर्श पिता और आदर्श राजा का उदाहरण स्वयं के आचरण से प्रस्तुत किया। पूरी अयोध्या के युवा उनके सखा थे। वह कामादिदोषरहितं, कुशल संगठनकर्ता, लोक संग्रही, मितव्ययी व मृदुभाषी थे। राम के जीवनकाल की शुरुआत संतों की सेवा के साथ हुई। अत्याचारी रावण के आतंक से जब समाज चीत्कार कर रहा था। ऋषि मुनि सताये जा रहे थे। अनुसंधान के प्रत्येक कार्य में जब राक्षस विघ्न डालते और ऋषियों के यज्ञ विध्वंस किये जा रहे थे। रावण को चुनौती देने का साहस समाज नहीं जुटा पा रहा था। रावण का आतंक इतना बढ़ गया था कि ऋषि-मुनियों की हड्डियों के पहाड़ लग गये थे। हड्डियों के लगे पहाड़ देखकर राम ने प्रतिज्ञा ली थी कि निश्चिचर हीन करहु महिं भुज उठाय प्रण कीन्ह। राम ने राक्षसों का संहार कर समाज को अभय प्रदान किया। राम का करीब 16 वर्ष की अवस्था में विवाह हुआ। 18 वर्ष की अवस्था में वनवास हुआ। इसके बाद कानन, कठिन भयंकर भारी, 14 वर्ष वन में रहे। जंगल, महल, सुख-दुख, निंदा प्रशंसा, यश-अपयश आदि की चिंता नहीं की। जो मिला उसे ग्रहण कि। जो कहा गया उसका पालन किया।

राम को युवराज बनाने की तैयारी हो रही है, लेकिन अचानक उन्हें समाचार मिला कि वन जाना है। राम विद्रोह नहीं करते वन जाने को सहर्ष तैयार हो जाते हैं। चक्रवर्ती सम्राट के पुत्र होकर भी घोर अभाव के बीच वन में 14 वर्ष व्यतीत करते हैं। जंगल में वनवास के दौरान शूर्पणखा ने राम के समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा। राम और लक्ष्मण दोनों शूर्पणखा का यह प्रस्ताव अस्वीकार कर देते हैं। राक्षस राज रावण पंचवटी से सीता का हरण कर लेता है। वनवासियों के बल पर लंका पर चढ़ाई की। राम सुग्रीव से मित्रता करते हैं। वनवासियों को संगठित कर अत्याचारी रावण का संहार किया। राम ने रावण के मारने के बाद लंका पर अपना राज्य स्थापित नहीं किया। विभीषण को लंका का राजा बनाया। लक्ष्मण से राम कहते हैं 'अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'। मातृभूमि के प्रति ऐसी उत्कट निष्ठा राम रखते हैं। राम के जीवन की इन सब घटनाओं से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। सेवक के प्रति कैसा अनुराग होना चाहिए यह राम और हनुमान के बीच प्रेम को देखना चाहिए। उनके जीवन में एक भी उदाहरण नहीं मिलता कि उन्होंने किसी सज्जन का विरोध या उपहास किया हो। उन्होंने जो भी किया देशकाल परिस्थिति के अनुसार किया। राम का समस्त निर्णय शास्त्र सम्मत और देशकाल सम्मत था। राजा राम प्रजा के विचार को जानने के लिए आकुल रहते हैं। राज्य के निरीक्षण में वे अकेले भेष बदलकर निकल जाते हैं। वनवास से लौटने के बाद नागरिक अभिनंदन सभा में राम ने घोषणा की कि जो अनीति कछु भाखहु भाई। राम ने कहा कि मेरे राज्य में जो कुछ भी आपको अनुचित लगे उसको बिना भय के आप कहें, क्योंकि लोक अपवाद से वह डरते नहीं हैं। आज के सत्ताधीशों को राम से प्रेरणा लेनी चाहिए। राम ने जंगल, महल, सुख-दुख, निंदा-प्रशंसा, यश-अपयश आदि की परवाह नहीं की। राजा को सत्य का आग्रही होना चाहिए। प्रजा के विचार को चिंतन में लाना चाहिए। इसका प्रमाण रामराज्य में मिलता है। रामराज्य में तर्क की पूरी छूट थी। समस्त कलाओं के प्रति वह आदर रखते थे। शील, विनय और औदार्य में उनका कोई सानी नहीं है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं।

अध्यात्म पथ

लंकापति रावण पर विजय पाने के लिए श्रीराम ने की थी रुद्राष्टकम की रचना

श्रीरामचरितमानस में इस बात का वर्णन मिलता है कि श्रीराम ने त्रिलोक विजेता रावण से युद्ध करने से पहले रुद्राष्टकम गाकर भगवान शिव की स्तुति की थी। बता दें कि उन्होंने रामेश्वरम में भगवान शिव को प्रसन्न कर लंकापति रावण पर विजय प्राप्त की थी। रुद्राष्टकम को भगवान भोलेनाथ की स्तुति का सर्वोत्तम उपाय माना जाता है। इसका पाठ करने से भगवान शिव अपने भक्तों से प्रसन्न होते हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक, हर सोमवार को लयबद्ध रूप से रुद्राष्टकम का पाठ करने से व्यक्ति के सभी प्रकार के रोग-दोष, शत्रु और संकटों का नाश होता है। शत्रु पर विजय प्राप्त करने के लिए लगातार सात दिनों तक शिव मंदिर में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राष्टकम का पाठ करना चाहिए। इससे जातक को शत्रुओं पर विजय मिलती है। भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए रुद्राष्टकम की रचना की थी। जो भी जातक सच्चे मन से रुद्राष्टकम का पाठ करता है, उसके आसपास सकारात्मक ऊर्जा व शक्ति का संचार होता है। इसका रोजाना पाठ करने से मन एकाग्रचित होता है। रुद्राष्टकम का पाठ करने से जातक बड़ी से बड़ी बाधा पार करना भी आसान होता है।

शिव रुद्राष्टक स्तोत्र : -

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम निजं
निर्गुंण निर्विकल्पं निरीहं चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम।
निराकारमोङ्करमूलं तुरीयं गिराज्ञानगोतीतमीशं गिरीशम करालं
महाकालकालं कृपालं गुणागारसंसारपारं नतोऽहम।
तुषाराद्रिसंकाशगौरं गभिरं मनोभूतकोटिप्रभाश्री शरीरम
स्फुरन्मौलिकल्लोलिनी चारुगङ्गा लसद्भालबालेन्दु कण्ठे भुजङ्गा।
चलत्कुण्डलं भ्रूसुनेत्रं विशालं प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालम्
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं प्रियं शङ्करं सर्वनाथं भजामि।
प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं अखण्डं अजं भानुकोटिप्रकाशं
त्र्यःशूलनिर्मूलनं शूलपाणिं भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यम।
कलातीतकल्याण कल्पान्तकारी सदा सज्जनानन्ददाता पुरारी
चिदानन्दसंदोह मोहापहारी प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी।
न यावद् उमानाथपादारविन्दं भजन्तीह लोके परे वा नराणाम न
तावत्सुखं शान्ति सन्तापनाशं प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं।
न जानामि योगं जपं नैव पूजां नतोऽहं सदा सर्वदा शम्भुतुभ्यम्
जराजन्मदुःखौघ तातप्यमानं प्रभो पाहि आपन्नमामीश शंभो।
रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां
शम्भुः प्रसीदति।

भारत की बेमिसाल विरासत से दुनिया स्तंभित

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विरासत का समृद्ध केंद्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से सम्पन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है।

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने के लिए हर साल 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनियाभर की विभिन्न संस्कृतियों को प्रोत्साहित करने, सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक स्मारकों और स्थलों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। दुनिया भर के लोग त्योहारों, परंपराओं और स्मारकों के माध्यम से अपनी संस्कृति और विरासत का जश्न मनाते हैं। इस दिवस को मनाते हुए यूनेस्को असाधारण मूल्य के सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों की सुरक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विकास के साथ जुड़े एक समृद्ध इतिहास को बढ़ावा देता है। पहला विश्व धरोहर दिवस ट्यूनीशिया में मनाया गया था। विश्व धरोहर दिवस की शुरूआत 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (आईसीओएमओएस) ने की थी। इसके बाद 1983 में इसे यूनेस्को की मंजूरी मिली। 1983 के बाद से हर साल अलग-अलग थीम के साथ विश्व धरोहर दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है। 2024 की आधिकारिक थीम हमारे वैश्विक विरासत की रक्षा करना है। यूनेस्को किसी स्मारक या स्थल को धरोहर घोषित करता है तो उसके बाद उस जगह का नाम विश्व में काफी मशहूर हो जाता है। जिससे वहां विदेशी पर्यटकों का आवागमन भी काफी बढ़ जाता है, जिसका लाभ सीधा देश की अर्थव्यवस्था एवं वहां के पर्यटन व्यवसाय को मिलता है। विश्व धरोहर घोषित होने के बाद उस जगह का खास ध्यान रखा जाता है और उसकी सुरक्षा भी बढ़ा दी जाती है। यदि ये स्मारक ऐसे देश में है, जिसकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है, तो यूनेस्को ही स्मारक की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद और विश्व संरक्षण संघ ये दो संगठन है, जो इस बात का आकलन करते हैं कि स्थल विश्व धरोहर बनने लायक है या नहीं। साल में एक बार इस विषय के लिए समिति की बैठक होती है और फिर उन जगहों का चयन करती है, उसके बाद दोनों संगठन इसकी सिफारिश विश्व धरोहर समिति से करते हैं। फिर ये फैसला लिया जाता है कि उस जगह को विश्व धरोहर बनाना है या नहीं। विश्व विरासत दिवस की इसलिए अपने आप में एक वैश्विक महत्ता है, क्योंकि इसके जरिये दुनिया में सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में सहूलियत मिल रही है। विश्व की विरासतें मानव को सतत रूप से प्रेरित करती हैं। सिर्फ किसी समाज की विरासत उसी समाज को प्रेरित नहीं करती बल्कि विश्व के दूसरे समाजों को भी विरासत अच्छी तरह से प्रेरित करती है। विरासत दिवस के चलते पर्यावरण और जागरूकता को बढ़ावा मिलता है। विरासतें विभिन्न समुदायों के बीच रिश्तों को आत्मीय और सम्मानजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और मानवीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए महत्वपूर्ण आधार होती हैं। यही वजह है कि विश्व विरासत को दुनियाभर के मानव समाज के लिए महत्वपूर्ण माना गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केंद्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से सम्पन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहां हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहां शेखावटी की कई पुरानी हवेलियां भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

पर्यटन ने यहां आतिथ्य क्षेत्र में भी रोजगार को बढ़ावा दिया है। यहां की मुख्य मिठाई घेवर है। राजस्थान असंख्य पर्यटन अनुभवों, व्यंजनों और मोहक स्थलों का प्रांत है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। यह राजस्थान पल-पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से परिपूर्ण समृद्ध विरासत का खजाना है। इस राजस्थान की समग्र विविधताओं, नित नवीनताओं और अंतर्विरोधों से साक्षात्कार करना सचमुच अलौकिक एवं विलक्षण अनुभव है। देश-दुनिया में हमारे पूर्वजों ने विभिन्न शिल्प-कलाओं में जो शानदार कृतियां (स्मारक, ग्रंथ, मंदिर, किले, महल या मकबरे आदि के रूप में) उकेरीं, वो आज हम सभी के सामने महान सांस्कृतिक धरोहरों के रूप में मौजूद हैं। ये हमारे गौरवशाली अतीत की याद दिलाते हैं, साथ ही आर्थिक लाभ का जरिया भी बनते हैं।

भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से केवल स्मारक एवं स्थल हीं नहीं, प्रभु श्रीराम जैसे महानायकों का जीवन भी दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिये निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है। प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा, तभी विश्व विरासत दिवस मनाना सार्थक होगा। भारत में विश्व धरोहरों का सम्मान इसलिए भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक भारत पहले विदेशी आक्रांताओं और फिर साम्राज्यवादी लूट-खसोट का केंद्र रहा है, इसलिए पिछले लगभग 1000 सालों में भारत की सांस्कृतिक विरासत न सिर्फ बड़े पैमाने पर छिन्न-भिन्न हुई बल्कि इन विदेशी लुटेरों और साम्राज्यवादी षड़यंत्रकारियों ने लोगों के दिलोदिमाग में ऐसी हीनताबोध भी भर दिया कि आम हिंदुस्तानियों को अपने इतिहास, संस्कृति और परंपरा में कोई ऐसी महत्वपूर्ण चीज ही नजर नहीं आती थी, जिसे सांस्कृतिक धरोहर मानकर उसके प्रति गौरवबोध का एहसास हो। आदर्श समाज व्यवस्था का मूल आधार है प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर जीना। रामायण में आदर्श समाज व्यवस्था को रामराज्य के रूप में बताया गया है उसका बड़ा कारण है प्रकृति के कण-कण के प्रति संवेदनशीलता।

– लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं।

राजनीति में भी चमके मीडिया के सितारे

राजनीति का आकर्षण प्रबल है। सिने कलाकार, साहित्यकार, वकील, न्यायाधीश, खिलाड़ी, गायक, उद्योगपति सब क्षेत्रों के लोग राजनीति में हाथ आजमाना चाहते हैं। ऐसा ही हाल पत्रकारिता के सितारों का भी है। मीडिया और पत्रकारिता के अनेक चमकीले नाम राजनीति के मैदान में उतरे और सफल रहे। आजादी के आंदोलन में तो मीडिया को एक तंत्र की तरह इस्तेमाल करने के लिए प्रायः सभी वरिष्ठ राजनेता पत्रकारिता से जुड़े और उजली परंपरायें खड़ी कीं।

– प्रो. संजय द्विवेदी

इन दिनों देश में लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है। जाहिर है राजनीति का आकर्षण प्रबल है। सिने कलाकार, साहित्यकार, वकील, न्यायाधीश, खिलाड़ी, गायक, उद्योगपति सब क्षेत्रों के लोग राजनीति में हाथ आजमाना चाहते हैं। ऐसा ही हाल पत्रकारिता के सितारों का भी है। मीडिया और पत्रकारिता के अनेक चमकीले नाम राजनीति के मैदान में उतरे और सफल रहे। आजादी के आंदोलन में तो मीडिया को एक तंत्र की तरह इस्तेमाल करने के लिए प्रायः सभी वरिष्ठ राजनेता पत्रकारिता से जुड़े और उजली परंपरायें खड़ी कीं। बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी से लेकर सुभाष चंद्र बोस, महामना मदनमोहन मालवीय, पंडित नेहरू सभी पत्रकार रहे। आजादी के बाद बदलते दौर में पत्रकारिता और राजनीति की राहें अलग-अलग हो गयीं, लेकिन सत्ता का आकर्षण बढ़ गया। जनपक्ष, राष्ट्र सेवा की पत्रकारिता अब आजाद भारत में राष्ट्र निर्माण का भाव भरने में लगी थी। सेवा राजनीति के माध्यम से भी की जा सकती है, यह भाव भी प्रबल हुआ। राजनीतिक दलों से संबंधित समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के अलावा मुख्यधारा की पत्रकारिता से भी लोग राजनीति में आये, जिसमें सबसे खास नाम अटल बिहारी वाजपेयी का है, जो 'वीर अर्जुन' जैसे दैनिक अखबार के संपादक रहे। इसके साथ ही वे 'स्वदेश', 'पांचजन्य' और 'राष्ट्रधर्म' के भी संपादक रह चुके थे। वह जहां संसदीय राजनीति के लंबे अनुभव के साथ प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री भी रहे, तो वहीं भाजपा के वह संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी भी 'हिंदुस्तान समाचार' और 'ऑर्गनाइजर' से जुड़े रहे, फिर राजनीति में आये। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे द्वारिका प्रसाद मिश्र दैनिक 'लोकमत', साप्ताहिक 'सारथी' और 'श्री शारदा' के संपादक के रूप में ख्याति प्राप्त हुए। विंध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शंभूनाथ शुक्ल बाद में बने मध्य प्रदेश में मंत्री और सांसद रहे। 'विशाल भारत' के संपादक रहे बनारसी दास चतुर्वेदी दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। गणेश शंकर विद्यार्थी के शिष्य रहे बालकृष्ण शर्मा नवीन 'प्रताप' के संपादक रहे और कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। महाराष्ट्र का दर्डा परिवार राजनीति में अग्रणी रहा। 'लोकमत' समाचार के संस्थापक जवाहरलाल दर्डा, राजेन्द्र दर्डा और विजय दर्डा सांसद, विधायक और मंत्री रहे। 'विजया कर्नाटक' और 'कन्नड़ प्रभा' अखबार से जुड़े रहे प्रताप सिम्हा भाजपा से दो बार लोकसभा पहुंचे। उनका नाम चर्चा में तब आया, जब उनके द्वारा अनुमोदित विजिटर पास से दो युवकों ने नई संसद में पहुंच कर हंगामा किया।

मूलतः पत्रकारिता से सार्वजनिक जीवन में आने वाले मोतीलाल वोरा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे श्यामाचरण शुक्ल ने रायपुर से 'दैनिक महाकौशल' अखबार निकाला। भाजपा के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के अध्यक्ष रहे लखीराम अग्रवाल ने बिलासपुर से 'लोकस्वर' अखबार निकाला। बिलासपुर के पत्रकार बीआर यादव मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री और चार बार विधायक रहे। बिलासपुर के ही रहनेवाले कवि, पत्रकार श्रीकांत वर्मा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा के सदस्य रहे। वे 'दिनमान' के संपादक मंडल में रहने के बाद राजनीति में आये। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के रहने वाले चंदूलाल चंद्राकर दैनिक 'हिन्दुस्तान' के संपादक रहे। बाद में कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा में भेजा। राजनांदगांव के पत्रकार लीलाराम भोजवानी छत्तीसगढ़ सरकार में श्रम मंत्री रहे। 'देशबंधु' में पत्रकारिता का पाठ पढ़ने वाले चंद्रशेखर साहू छत्तीसगढ़ से सांसद, मंत्री और विधायक रहे। मध्य प्रदेश में सीहोर के पत्रकार शंकर लाल साहू विधायक रहे। त्रिभुवन यादव पिपरिया से विधायक चुने गये। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे और दो बार विधायक चुने गये विष्णु राजोरिया मूलतः पत्रकार ही हैं, बाद में उन्होंने 'शिखर वार्ता' पत्रिका भी निकाली। मप्र में ही केएन प्रधान सांसद, विधायक और मंत्री भी रहे। नागपुर के अंग्रेजी अखबार 'हितवाद' के प्रकाशन करने वाले बनवारी लाल पुरोहित कांग्रेस और भाजपा दोनों से लोकसभा पहुंचे। संप्रति वे पंजाब के राज्यपाल हैं। कांग्रेस ने राजीव शुक्ला, प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी, कुमार केतकर, विजय दर्डा आदि को राज्यसभा से नवाजा। राजीव शुक्ला मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। वरिष्ठ पत्रकार संजय निरुपम लोकसभा पहुंचे और मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। 'सामना' के संपादक संजय राऊत अपने धारदार बयानों के लिए लोकप्रिय हैं, वे भी राज्यसभा सदस्य हैं। जनता दल (यू) ने प्रभात खबर के संपादक रहे हरिवंश को दो बार राज्यसभा भेजा, वह इन दिनों राज्यसभा के उपसभापति भी हैं। 'ऑर्गनाइजर' के संपादक रहे केआर. मलकानी बाद में राज्यसभा पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी ने चंदन मित्रा, दीनानाथ मिश्र, बलबीर पुंज, राजनाथ सिंह सूर्य, नरेन्द्र मोहन, प्रभात झा, तरुण विजय, स्वप्नदास गुप्ता को राज्यसभा भेजा। इनमें मित्रा बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गये, जबकि पुंज और झा पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे। प्रभात झा मध्य प्रदेश भाजपा के चर्चित अध्यक्ष भी रहे। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों में रह चुके वरिष्ठ पत्रकार एमजे अकबर किशनगंज से कांग्रेस से लोकसभा पहुंचे। बाद में भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा और विदेश राज्य मंत्री बनाया। तृणमूल कांग्रेस ने हाल में ही अंग्रेजी की पत्रकार सागरिका घोष को राज्यसभा भेजा है। इसके पूर्व उर्दू पत्रकारिता से जुड़े रहे नदीमुल हक भी राज्यसभा में पहुंचे। हिंदी अखबार 'सन्मार्ग' के मालिक विवेक गुप्ता तृणमूल से सांसद भी रहे, अब विधानसभा में हैं। कुणाल घोष भी इसी दल से राज्यसभा पहुंचे। हिमाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री मुकेश कौशिक भी मूलतः पत्रकार हैं। वह दिल्ली और शिमला में पत्रकारिता की लंबी पारी के बाद राजनीति में आये। हरियाणा के अंबाला लोकसभा क्षेत्र से 2014 में भाजपा सांसद चुने गये अश्विनी कुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन 'पंजाब केसरी' के माध्यम से की गयी उनकी धारदार पत्रकारिता लोगों के जेहन में है। 'इकोनॉमिक टाइम्स' में रहे देवेश कुमार बिहार में भाजपा से विधान परिषद में है और प्रदेश महामंत्री भी हैं। हरियाणा सरकार में वित्त मंत्री रहे कैप्टन अभिमन्यु भी दैनिक 'हरिभूमि' के संपादक, प्रकाशक रहे हैं। उर्दू के पत्रकार शाहिद सिद्दीकी (नई दुनिया) सपा से, तो मीम अफजल (अखबार-ए-नौ) कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। आंध्र प्रदेश से 'वार्ता' के संपादक गिरीश सांघी कांग्रेस से राज्यसभा हो आये। पत्रकारिता से जुड़े रहे तेलंगाना के-के. केशवराव कांग्रेस और टीआरएस दोनों दलों से राज्यसभा जा चुके हैं। कोलकाता के पत्रकार अहमद सईद मलीहाबादी भी राज्यसभा पहुंचे। जनता दल यूनाइटेड से एजाज अली भी राज्यसभा (2008 से 2010) में रहे। कुछ राजनीति की देहरी से भी लौट आये, जैसे वरिष्ठ पत्रकार उदयन शर्मा (कांग्रेस) और सीमा मुस्तफा जनता दल के टिकट पर लोकसभा नहीं पहुंच सके।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक रहे हैं।)

RNI (JHAHIN/2016/69693) स्वत्वाधिकारी स्वदेश मीडिया नेटवर्क के लिए, मुद्रक एवं प्रकाशक मंगल प्रताप पाण्डेय द्वारा 237-बी, रोड़ न.2, अशोकनगर, रांची 834002 से प्रकाशित एवं शिवासाई पब्लिकेशन प्रा.लि. काठीटांड, (नियर टेंडर बगीचा) रातू, रांची-835222 झारखंड से मुद्रित। **प्रधान संपादक :** मंगल पाण्डेय, **संपादक :** रौशन कुमार *, **विज्ञापन एवं प्रसार :** 8092174888, 9031730388, **कार्यालय:** 0651-7961780, किसी भी प्रकार के विवाद में न्यायिक क्षेत्र रांची होगा। (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार*)

संक्षिप्त समाचार

आगरा सीट से बसपा की पूजा अमरोही... सीकरी से रामनिवास ने किया नामांकन

आगरा, एजेंसी। आगरा सीट से बसपा की पूजा अमरोही और फतेहपुर सीकरी सीट से रामनिवास ने नामांकन दाखिल किया। कुल सात नामांकन हुए। जबकि पांच लोगों ने पर्चे खरीदे। उत्तर प्रदेश के आगरा में लोकसभा चुनाव में नामांकन के दूसरे दिन मंगलवार को आगरा लोकसभा सीट से बसपा से पूजा अमरोही और फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र से रामनिवास शर्मा ने नामांकन दाखिल किए। इसके अलावा तीन निर्दलियों ने भी परचे दाखिल किए। उपजिलानिर्वाचन अधिकारी अनूप कुमार ने बताया कि आगरा सुरक्षित सीट से तीन नामांकन फार्म और फतेहपुर सीकरी सीट से दो नामांकन पत्र खरीदे गए। इस तरह कुल पांच नामांकन पत्र खरीदे गए। वहीं, आगरा लोकसभा सीट से सबसे पहले बसपा प्रत्याशी पूजा अमरोही अपने चुनिंदा समर्थकों के साथ वाल्मीकि वाटिका पहुंचीं। यहां भगवान वाल्मीकि की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के बाद अपने प्रस्तावक रविंद्र पारस और अन्य बसपा नेताओं के साथ कलक्ट्रेट पहुंचीं। इसके साथ ही फतेहपुर सीकरी के बसपा प्रत्याशी रामनिवास शर्मा ने भी नामांकन दाखिल किया।

आज नहीं होंगे नामांकन दाखिल: उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 17 को रामनवमी के अवकाश के कारण नामांकन पत्र दाखिल नहीं होंगे। 19 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। इसके बाद 20 अप्रैल तक जांच और 22 को नाम वापसी होगी। सात मई को मतदान होगा।

नामांकन के दौरान सांसद-विधायक की पुलिस से नोंक-झोंक, हुआ हंगामा

हाथरस, एजेंसी। सांसद राजवीर दिलेर व विधायक सादाबाद प्रदीप उर्फ गुड्डू चौधरी पहुंचे, लेकिन दोनों ही जनप्रतिनिधियों को मुख्य द्वार पर ही रोक दिया गया। कलेक्ट्रेट में प्रवेश के लिए सादाबाद विधायक की पुलिस से नोकझोंक हो गई। काफी देर बाद कलेक्ट्रेट से एक फोन कॉल आने के बाद दोनों ही जनप्रतिनिधियों को प्रवेश मिल सका। हाथरस सुरक्षित लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के नामांकन के दौरान 16 अप्रैल को फिर कलेक्ट्रेट पर नेताओं की पुलिस से तकरार हो गई। कलेक्ट्रेट में घुसने के लिए सांसद राजवीर दिलेर और सादाबाद विधायक प्रदीप उर्फ गुड्डू चौधरी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से नोंक-झोंक हुई। पुलिस ने सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों की गाड़ी को कलेक्ट्रेट से 200 मीटर पहले लगे बैरियर पर ही रोक दिया। इस कारण सांसद पैदल ही नामांकन स्थल तक पहुंचना पड़ा।16 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि का नामांकन दाखिल कराने के लिए सांसद राजवीर दिलेर, सादाबाद विधायक प्रदीप कुमार गुड्डू चौधरी व अन्य जनप्रतिनिधि कलेक्ट्रेट पहुंचे। शुरुआती दौर में नामांकन के लिए प्रत्याशी के साथ विधायक वीरेंद्र सिंह राना व अन्य लोग नामांकन स्थल पर प्रवेश कर गए। इसके बाद सांसद राजवीर दिलेर व विधायक सादाबाद प्रदीप उर्फ गुड्डू चौधरी पहुंचे, लेकिन दोनों ही जनप्रतिनिधियों को मुख्य द्वार पर ही रोक दिया गया। कलेक्ट्रेट में प्रवेश के लिए सादाबाद विधायक की पुलिस से नोंक-झोंक हो गई। काफी देर बाद कलेक्ट्रेट से एक फोन कॉल आने के बाद दोनों ही जनप्रतिनिधियों को प्रवेश मिल सका।

धारणा को तोड़ने की कोशिश में बसपा... हिसाब से भी ज्यादा मुसलमानों को दिया टिकट

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी भाजपा की बी टीम होने की धारणा तोड़ने की कोशिश में है। मायावती ने इससे आगे बढ़ते हुए अब तक जो 55 टिकट दिए हैं उनमें 14 मुस्लिम हैं। जबकि बसपा ने भाजपा के कोर वोटर ब्राह्मणों में से भी 11 को टिकट दिए हैं। मुस्लिम बहुल सीटों पर रणनीति के तहत खुद प्रत्याशी देने में कंजूसी बरतने वाली सपा और कांग्रेस गठबंधन के कई नेता बहुजन समाज पार्टी पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाते रहे हैं। पर, बसपा ने कई सीटों पर ऐसे प्रत्याशी उतारे हैं जो सीधे तौर पर भाजपा की टेंशन बढ़ाने वाले हैं। बसपा की राजनीति पर गहराई से नजर रखने वाले प्रोफेसर गोपाल प्रसाद कहते हैं कि बेस वोट पर मंडराते खतरे को ध्यान में रखते हुए बसपा ने इस बार टिकट का वितरण रणनीतिक तौर पर किया है। जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी बसपा का नारा रहा है। मायावती ने इससे आगे बढ़ते हुए अब तक जो 55 टिकट दिए हैं उनमें 14 मुस्लिम हैं। यूपी की आबादी में मुसलमानों की करीब 20 फीसदी हिस्सेदारी है। जबकि बसपा 25.45 प्रतिशत टिकट मुस्लिमों को दे चुकी है। दूसरी ओर गठबंधन ने अब तक घोषित 72 सीटों में से सात टिकट ही मुसलमानों को दिए हैं। यह 10 प्रतिशत भी नहीं है। बसपा ने भाजपा के कोर

वोटर ब्राह्मणों में से भी 11 को टिकट दिए हैं। राजनीतिक विश्लेषक डॉ. अमित उपाध्याय कहते हैं कि गठबंधन मुस्लिम वोट लेकर अपनी सीटें बढ़ाने पर ध्यान देता दिख रहा है। गठबंधन के नेताओं का बसपा को भाजपा की बी टीम बताना रणनीतिक सियासी शरारत की तरह है, जिससे मुसलमानों को टिकटों में कम हिस्सेदारी की ज्यादा चर्चा न हो पाए। मायावती ने भाजपा के कई चर्चित चेहरों के सामने अपने रणनीतिक कैंडिडेट उतारकर गठबंधन के नेताओं के आरोपों से पिंड छुड़ाने और भाजपा की बी टीम होने की धारण को तोड़ने की कोशिश की है। करीब 10 सीटों पर बसपा, भाजपा की चुनौती बढ़ाई है।

जौनपुर लोकसभा सीट का पिछला चुनाव भाजपा हार गई थी। इस सीट को निकालने के लिए भाजपा ने कृपा शंकर सिंह को टिकट दिया है। कृपा शंकर महाराष्ट्र में कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे और मूल रूप से जौनपुर के ही रहने वाले हैं। अब मायावती ने ठाकुर समाज के ही बाहुबली धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह को टिकट दे दिया। धनंजय जेल में हैं। श्रीकला जौनपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। समाजवादी पार्टी ने यहां से बाबू सिंह कुशवाहा को टिकट दिया है। एक जमाने में बाबू सिंह मायावती के आंख-कान होते थे। मेरठ में भाजपा ने अपने सिटिंग सांसद का टिकट काटकर टीवी सीरियल रामायण में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा त्यागी समाज को अपने समर्थन में मानती रही है। कई त्यागी नेताओं को महत्वपूर्ण पद और प्रतिष्ठा से नवाजा है। मायावती ने मेरठ से देवव्रत त्यागी को प्रत्याशी बनाकर भाजपा के कोर वोटबैंक में सेंध लगाने की चाल चल कर टेंशन बढ़ा दी है। बस्ती में भाजपा ने अपने सिटिंग सांसद हरीश द्विवेदी को फिर टिकट दिया है। बसपा ने ब्राह्मण समाज से ही दयाशंकर मिश्र को टिकट देकर भाजपा की पेशानी पर बल ला दिया है। यहां सपा ने एक बार फिर पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी को उतारा है। चौधरी बसपा सरकार में मंत्री हुआ करते थे और मायावती के खास लोगों में गिनती होती थी। आजमगढ़ में सपा मुखिया अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव मैदान में हैं। भाजपा ने यहां से अपने मौजूदा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ को उतारा है। यहां राजभर समाज की अच्छी तादाद है। इस समाज को साधने के लिए भाजपा ने ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा से गठबंधन किया है। पर, बसपा ने अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को आजमगढ़ से उतार कर भाजपा के समीकरण की चुनौती बढ़ा दी है।

टिकट वितरण में अपनो को तरजीह देने से नेता नाराज, सपा के अंदर उठ रहे सवाल

अंसतोष थामने को क्या करेंगे अखिलेश?

लखनऊ, एजेंसी। सपा ने दूसरे दलों से आए नेताओं पर ज्यादा भरोसा जताया है। आधे से ज्यादा पार्टी प्रत्याशी बसपा, भाजपा या कांग्रेस पृष्ठभूमि वाले हैं। पार्टी के अंदर सवाल उठने लगे हैं। अंसतोष थामने को रणनीति बनानी होगी। सपा ने लोकसभा टिकट देने में दूसरे दलों से आए नेताओं पर ज्यादा भरोसा जताया है। यूपी में उसके अब तक घोषित प्रत्याशियों में आधे से ज्यादा बसपा, भाजपा या कांग्रेसी पृष्ठभूमि के हैं।

सपा में अंदरखाने इस स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। पार्टी के हमदर्दों का कहना है कि इस असंतोष को थामने के लिए शीघ्र ही कारगर कदम उठाने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश में सपा अभी तक अपने सिंबल पर 57 प्रत्याशी घोषित कर चुकी है, इनमें से 29 प्रत्याशी दूसरे दलों की यात्रा तय करके सपा में आए हैं। श्रावस्ती से सपा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा और गाजीपुर से प्रत्याशी अफजाल अंसारी बसपा के सांसद हैं। सलेमपुर से प्रत्याशी बनाए गए रमाशंकर राजभर वर्ष 2009 में बसपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीते थे। जौनपुर के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा बसपा सरकार में कद्दावर मंत्री रहे हैं। लालगंज सुरक्षित सीट से प्रत्याशी बनाए गए दरोगा सरोज भाजपा से सपा में आए हैं। कुशीनगर के प्रत्याशी अजय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सैंथवार के पिता जन्मेजय सिंह दो बार देवरिया सदर सीट से भाजपा के विधायक

रह चुके हैं। पिंटू खुद विधानसभा उपचुनाव सुभासपा के टिकट पर लड़ चुके हैं। बस्ती के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी भी बसपा पृष्ठभूमि के हैं। डुमरियागंज के सपा प्रत्याशी भीष्म शंकर कुशल तिवारी संतकबीरनगर से बसपा के सांसद रह चुके हैं। इसी तरह से अम्बेडकरनगर के प्रत्याशी लालजी वर्मा बसपा सरकार में मंत्र रह चुके हैं। फूलपुर से प्रत्याशी बनाए गए अमरनाथ मौर्य भी बसपा पृष्ठभूमि के हैं और स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ सपा ज्वॉइन की थी।

रामनवमी: मन प्रफुल्लित कर देंगी अयोध्या की तस्वीरें, राममंदिर, हनुमान गढ़ी, सरयू तट पर हजारों लोगों की भीड़

अयोध्या, एजेंसी। रामनवमी के मौके पर आस्था का सैलाब अयोध्या में उमड़ पड़ा। रामलला के दर्शन के लिए लाखों भक्त अयोध्या में हैं। एक अनुमान के मुताबिक करीब पांच लोग आज अयोध्या आएंगे। मंदिर के पट आज सुबह साढ़े तीन बजे से खोल दिए गए। भक्तों के दर्शन का अनवरत सिलसिला शुरू हो गया। रात 11 बजे रामलला अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

डूंगरपुर केस में आजम ने दाखिल की गवाहों की सूची, अब 22 को होगी सुनवाई, एक मामले में हो चुकी सजा

रामपुर, एजेंसी। रामपुर की एक अदालत में डूंगरपुर मामले की सुनवाई हुई। सीतापुर जेल में बंद आजम खां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में गवाहों की सूची पेश की। इसकी सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। डूंगरपुर के एक मामले में मंगलवार को सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां की ओर से गवाहों की सूची और सुबूत कोर्ट में पेश किए गए। अब इस मामले की सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान आजम खां सीतापुर जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुए। गंज थाना क्षेत्र की डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के नाम पर मारपीट, लूटपाट, डकैती जैसे संगीन आरोप लगाते हुए बस्ती के लोगों ने 12 केस दर्ज कराए थे। जिसमें तीन मुकदमों में कोर्ट अपना फैसला सुना चुकी है। एक मामले में सपा नेता आजम खां को सात साल की कैद हुई है और दो मामलों में वह बरी हो चुके हैं। इसी तरह के एक अन्य मामले में सुनवाई कोर्ट में हो रही है। इस मामले में सपा नेता आजम खां के साथ ही उनके मीडिया प्रभारी रहे फसाहत अली खां शानू, ठेकेदार बरकत अली, शावेज खां, इमरान, इकराम, सज्जाद को आरोपी बनाया गया था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। मंगलवार को इस मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान आजम खां के अधिवक्ता ने गवाहों की सूची दाखिल करने के साथ ही बचाव में दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए। कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तारीख तय की है।

बाहुबली धनंजय सिंह कभी खुद लड़े तो कभी पत्नी को लड़ाया... 22 साल से जौनपुर की सियासत में बने हैं एक धुरी

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर की सियासत में बाहुबली धनंजय सिंह कभी खुद चुनाव लड़े तो कभी पत्नी को चुनाव लड़ाया। उन्होंने हर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमाया।

धनंजय अब तक तीन बार लोकसभा और सात बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। पूर्व सांसद धनंजय सिंह की बीते दो दशक से जौनपुर की सियासत में सीधी पैठ है। कभी वह खुद तो कभी अपनी पत्नी को यहां से चुनाव लड़ते-लड़ाते रहे हैं। 2002 के बाद 2019 में पहला मौका था जब धनंजय या उनके परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ा। इसके अलावा उन्होंने हर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमाया।

धनंजय अब तक तीन बार लोकसभा और सात बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। बहरहाल, धनंजय सिंह की पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला रेड्डी को बसपा से टिकट मिलने से जौनपुर की सीट पर चुनावी घमासान तेज हो

गया है। 15 साल पहले 2009 में धनंजय सिंह ने बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज करने में कामयाब हुए थे। बाद में उनके बगावती तेवर के चलते बसपा ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इसके बाद से धनंजय या उनकी पत्नी कोई भी विधानसभा या लोकसभा चुनाव नहीं जीत पाए। लंबे समय बाद एक बार फिर बसपा का साथ मिलने पर इनकी पत्नी श्रीकला चुनावी रण में हैं।

यूपीएससी में मेधा को मिला यश, अफसर बने बरेली के तीन होनहार, शोहम की 77वीं रैंक

बरेली, एजेंसी। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में इस बार भी रुहेलखंड के होनहारों ने सफलता का परचम लहराया है। शोहम टीबडेवाल ने 77वीं, बहेड़ी के केशवपुरम निवासी निर्देश गंगवार ने 360वीं और महानगर निवासी 22 साल के यश वर्धन सिंह ने 571वीं रैंक हासिल की है। इसके अलावा मंडल के अन्य जिलों के होनहारों ने भी मेधा का लोहा मनवाया है। उनकी इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। बरेली के माधोबाड़ी निवासी शोहम टीबडेवाल ने दूसरे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा में 77वां स्थान हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। फिलहाल, वह दिल्ली में हैं। लोग सोशल मीडिया पर उनको बधाई दे रहे हैं। उनके घर भी बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। उनके पिता अनुपम टीबडेवाल व्यवसायी व माता सीमा गृहिणी हैं।

नौकरी छोड़ की ऑनलाइन तैयारी, मिली 77वीं रैंक: उन्होंने सेंट फ्रांसिस

स्कूल से 10वीं और वुडरो स्कूल से 12वीं करने के बाद पहले ही प्रयास में आईआईटी जेईई पास की। आईआईटी मुंबई से वर्ष 2020 में सिविल इंजीनियरिंग से बीटेक कर गुरुग्राम में जॉब भी की। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने नौकरी छोड़ दी। उन्होंने पहले प्रयास में परीक्षा पास की तो उनका चयन रेलवे में हुआ था। इस बार दूसरे प्रयास में 77वीं रैंक हासिल हुई है। अब उनका चयन आईएएस के लिए हुआ है। वह बताते हैं निरंतर पढ़ाई की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। पिता ने बताया कि बेटे की इस उपलब्धि ने गौरवान्वित किया है।

सफलता का मंत्र: शोहम के शिक्षक रहे केबी त्रिपाठी ने बताया कि अपने सपने को हासिल करने के लिए उन्होंने सिविल सेवा की ऑनलाइन तैयारी की। 16 घंटे पढ़ाई की। समयसारणी बनाकर प्रत्येक विषय की तैयारी की। जिन विषयों में संशय था, उनके लिए अधिक समय दिया।

बेटी की शादी से पहले पिता ने दी जान, मई में बिटिया की आएगी बरात

नहीं हो पाया था रुपयों का इंतजाम

शाहजहांपुर, एजेंसी। शाहजहांपुर के कांट क्षेत्र में मंगलवार को एक किसान का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। परिजनों के मुताबिक मई में बेटी की शादी है। इसके लिए रुपयों का इंतजाम नहीं हो पाने से किसान परेशान था। उस पर बैंक का कर्ज भी था। शाहजहांपुर के कांट क्षेत्र में गांव कमलनैनपुर निवासी रामआसरे (56) ने फंदे से लटककर जान दे दी। परिजनों के मुताबिक, मई में होने वाली बेटी की शादी के लिए धन की व्यवस्था न होने से वह परेशान थे। उन पर बैंक का कर्ज भी था।

रामआसरे के पास पांच बीघा जमीन थी। वह खेती करने के साथ ही ऑटो चलाते थे। सोमवार शाम परिवार के लोग खेत पर चले गए, तब वह घर से निकल गए। रातभर घर नहीं लौटे। सुबह करीब सात बजे उनका शव गांव के बाहर आम के पेड़ में रस्सी के सहारे फंदे से लटका मिला। सीओ सदर अमित चौरसिया व थाना प्रभारी दयाशंकर ने मौका-मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। परिजनों ने बताया कि रामआसरे ने अपनी बेटी की शादी जलालाबाद में तय की थी। मई में शादी होनी थी। रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। बैंक से लिए एक लाख 40 हजार रुपये के फसली ऋण की किस्त अदा नहीं करने के चलते नोटिस भी आ चुका था।

सामूहिक विवाह योजना में नहीं आया था नाम

परिजनों ने बताया कि बेटी की शादी करने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में आवेदन किया था। उसमें नाम नहीं आ सका था। हालांकि, नाम न आने का कारण उन्हें नहीं पता। रामआसरे अपने पीछे बेटी मोना, महिमा, संजना और काव्या व एक बेटा शिवांशु को छोड़ गए हैं।

सीओ सदर अमित चौरसिया ने बताया कि रामआसरे पर बैंक का कर्ज होने की बात सामने आई है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया।

चुनावी मैदान में मौलाना तौकीर रजा ने मांगा नोड्यूज, बरेली से चुनाव लड़ने की अटकलें

बरेली, एजेंसी। मौलाना तौकीर रजा दूसरी बार लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं। उनकी ओर से इस बात के संकेत दिए जा रहे हैं। उनके करीबियों की मानें तो वे 19 अप्रैल को नामांकन दाखिल कर सकते हैं। बरेली दंगों के मुख्य आरोपी और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां बरेली के चुनावी मैदान में भाग्य आजमा सकते हैं। उच्चतम न्यायालय से निचली अदालतों के आदेशों पर रोक से मिली राहत के बाद मौलाना सियासी राह पर आगे बढ़ने की तैयारी में हैं। गुपचुप तरीके से नामांकन

की तैयारी के लिए उनकी ओर से नगर निगम में प्रार्थना पत्र के साथ शपथ पत्र देकर नो-ड्यूज सर्टिफिकेट मांगा गया है। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर दूसरी बार चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं। उनकी ओर से इस बात के संकेत दिए जा रहे हैं। उनके करीबियों की मानें तो वे 19 अप्रैल को नामांकन दाखिल कर सकते हैं। दरअसल, मौलाना और सियासत का नाता बेहद पुराना है। करीब दो दशक पहले बदायूं लोकसभा सीट से मौलाना सियासत में पटखनी खा चुके हैं। उनके पिता रेहान रजा खां ने मुस्लिम समुदाय के मामलों को उठाने के लिए आईएमसी का गठन किया था। वर्ष 2000 में आईएमसी की कमान मौलाना को मिली।

संक्षिप्त समाचार

ईरान क्षेत्र में तनाव नहीं बढ़ाना चाहता : विदेश मंत्री

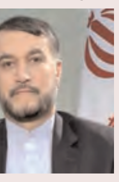

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन का कहना है कि देश क्षेत्र में तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। ईरानी विदेश मंत्रालय से जारी बयान के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री ने मंगलवार को इंडोनेशिया के विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह बयान दिया। इस दौरान दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व में लेटेस्ट घटनाओं पर चर्चा की, जिसमें इजरायल पर ईरान के बड़े पैमाने पर जवाबी हमले और गाजा पट्टी की स्थिति के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंध भी शामिल थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि ईरान हमेशा क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। इजरायल क्षेत्र में तनाव और युद्ध का मूल कारण है। विदेश मंत्री ने एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के दूतावास के कांसुलर सेक्शन पर इजरायल के कथित हमले की इंडोनेशिया की निंदा की सराहना की और इजरायली हमले को आक्रामकता का कार्य बताया। विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि इजरायल के खिलाफ ईरान का ड्रोन और मिसाइल हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में था। इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने अपनी ओर से फिलिस्तीनी मुद्दे पर द्विपक्षीय सहयोग जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा कि गाजा संकट को नहीं भूलना चाहिए और फिलिस्तीनी मुद्दे को जीवित रखना चाहिए।

ईरान के राष्ट्रपति ने फिर इजरायल को पलटवार की चेतावनी दी

बर्लिन, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने एक बार फिर इजरायल पर ईरान के हालिया हवाई हमले के बाद सैन्य जवाबी हमला करने के खिलाफ इजरायल को चेतावनी दी है। कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के साथ एक टेलीफोन कॉल के दौरान रायसी ने चेतावनी दी कि ईरान के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ इजरायल द्वारा थोड़ी सी कार्रवाई के व्यापक और दर्दनाक परिणाम होंगे। कॉल का विवरण ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय के वेब पोर्टल पर प्रकाशित किया गया था। ईरान ने हाल ही में इजरायल को उसके बड़े पैमाने पर हमले के लिए सैन्य प्रतिक्रिया की कई बार चेतावनी दी है, जिसमें शनिवार रात इजरायल की ओर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं। देश की सुरक्षा परिषद ने एक बयान में कहा कि किसी भी आगे की इजरायली कार्रवाई पर ईरानी प्रतिक्रिया पहले हमले की तुलना में कम से कम 10 गुना अधिक कठोर होगी। परिषद ने अपने प्रेस बयान में कहा ईरान ने अब तक इजरायल के लिए सबसे कम गंभीर सजा का विकल्प चुना है। इजरायल के सैन्य नेतृत्व ने कहा है कि इजरायल शनिवार के बड़े पैमाने पर ईरानी हमले को अनुत्तरित छोड़ने का इरादा नहीं रखता है।

अफगानिस्तान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मंगलवार को बताया कि अफगानिस्तान में पिछले चार दिनों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। एजेंसी के प्रवक्ता जनान सयाक ने कहा कि बाढ़ की वजह से अन्य 36 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने पहले देश भर में 33 मौतों की जानकारी दी थी। प्रवक्ता ने कहा कि बाढ़ से कृषि भूमि और घरों के नष्ट होने समेत महत्वपूर्ण क्षति हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अफगानिस्तान दशकों के संघर्ष, बाढ़ और भूकंप समेत एक के बाद एक प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव से जूझ रहा है। अक्टूबर में पश्चिमी प्रांत हेरात में आए भूकंप में कम से कम 1,500 लोगों की जान चली गई थी। नूरिस्तान प्रांत के एक पहाड़ी गांव में फरवरी में हिमस्खलन हुआ था, जिसमें कम से कम 21 लोग मारे गए थे। खासकर दूरदराज के इलाकों में मजबूत बुनियादी ढांचे की कमी अक्सर ऐसी आपदाओं के परिणामों को बढ़ा देती है।

बांग्लादेश में बस-पिकअप के बीच जोरदार टक्कर, 13 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में फरीदपुर शहर के कन्हैयापुर इलाके में मंगलवार को बस और पिकअप ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, फरीदपुर के एसपी मोहम्मद मुर्शीद आलम ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। दुर्घटना सुबह करीब 7.30 बजे हुई। मगुरा जाने वाली बस फरीदपुर जाने वाले पिकअप ट्रक से टकरा गई थी। सभी मृतक पिकअप ट्रक में सवार थे। दुर्घटना का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईरान को भुगतने होंगे अपनी करनी के परिणाम : आईडीएफ प्रमुख

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने कहा है कि ईरान को अपनी करनी के परिणाम भुगतने होंगे। दक्षिणी इजराइल में नेवातिम हवाई अड्डे का दौरा करने के बाद हलेवी ने कहा कि रविवार सुबह इजराइल पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले का जवाब दिया जाएगा। हलेवी ने कहा, इजराइल अपनी रक्षा करने में सक्षम है। ईरान ने रविवार सुबह इजराइल पर मिसाइलों व ड्रोन से हमला किया था। आईडीएफ ने कहा है कि इनमें से 99 प्रतिशत को इजराइल पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया और विफल कर दिया गया। आईडीएफ प्रमुख ने कहा कि उनकी सेना ने ईरानी हमलों को विफल कर दिया।

ईरान के मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों पर नए प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका; इस्राइल पर हमले के बाद उठाया कड़ा कदम

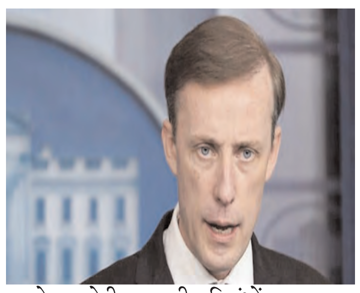

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा इस्राइल पर हमले के बाद से पश्चिमी एशिया में तनाव और बढ़ गया है। ईरान की इस हमले की कई देशों ने व्यापक निंदा की है। हालांकि ईरान ने अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा है कि उसने इस्राइल द्वारा सीरिया में अपने दूतावास पर हुए हमले का बदला लिया है। इसी बीच, अमेरिका ने कहा है कि वह ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगाएगा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा है कि अमेरिका ईरान के मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों पर नए प्रतिबंध लगाएगा इसके अलावा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और ईरान के रक्षा मंत्रालय का समर्थन करने वाली संस्थाओं पर भी आने वाले दिनों में नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

सुलिवन ने ताजा बयान में कहा कि इस्राइल के खिलाफ ईरान के हवाई हमले के बाद राष्ट्रपति बाइडन जी7 सहित सहयोगियों और भागीदारों और कांग्रेस में द्विदलीय नेताओं के साथ व्यापक प्रतिक्रिया पर समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिका ईरान को निशाना बनाते हुए कई तरह के प्रतिबंध लगाएगा। जेक ने अपील करते हुए कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों और साझेदारों से भी ईरान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की उम्मीद करता है। अमेरिका ईरान की मिसाइल और यूएवी क्षमताओं की प्रभावशीलता को और कम करने के लिए मध्य पूर्व में वायु और मिसाइल रक्षा और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को और मजबूत करने के लिए अपना कान जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारे सहयोगी जल्द ही प्रतिबंधों का पालन करेंगे। अपने ताजा बयान में उन्होंने यह भी कहा कि हम वायु और मिसाइल रक्षा के सफल एकीकरण को और मजबूत करने और विस्तारित करने के लिए रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के जरिए काम कर रहे हैं और हम इसे आगे भी जारी रखेंगे। इससे हम पूरे मध्य पूर्व में ईरान की मिसाइल और यूएवी क्षमताओं की प्रभावशीलता को और कम कर पाएंगे। ईरान पर नए प्रतिबंधों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंध और अन्य उपाय ईरान की सैन्य क्षमता और प्रभावशीलता को नियंत्रित करने और कम करने के लिए हैं। ये उस पर दबाव बनाने के लिए लगातार जारी रहेंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका ने बीते तीन सालों में मिसाइल और ड्रोन से संबंधित प्रतिबंधों के अलावा, आतंकवाद से जुड़े 600 से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें हमास, हिजबुल्लाह, हूती और कताइब हिजबुल्लाह सहित कई अन्य आतंकवादी समूह हैं। उनपर ये प्रतिबंध जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी सरकार को उसके दुर्भावनापूर्ण और अस्थिर करने वाले कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए हम दुनिया भर के सहयोगियों और साझेदारों और कांग्रेस के साथ समन्वय में कार्रवाई जारी रखने में संकोच नहीं करेंगा। इससे पहले, 14 अप्रैल को, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल के खिलाफ ईरान के हमलों पर अपडेट के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से मुलाकात की थी। उससे पहले शनिवार को उन्होंने इस्राइल पर ईरानी ड्रोन हमलों के मद्देनजर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की थी।

बिना अनुमति के अश्लील डीपफेक वीडियो-फोटो बनाने पर होगी जेल, प्रधानमंत्री सुनक बोले- ऐसे लोगों पर होगी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार डीपफेक वीडियो-फोटो को लेकर सावधान हो गई है। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को कहा कि अश्लील डीपफेक सामाग्री बनाने वाले लोगों को अब मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। डीपफेक से जुड़ा एक कानून फिलहाल संसदीय प्रक्रिया से गुजर रहा है। नए कानून के तहत बिना सहमति के इस तरह की तस्वीरें बनाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जुर्माने का भुगतान करना पड़ेगा। नए कानून के अनुसार, अगर डीपफेक सामाग्री व्यापक रूप से फैल जाती है तो दोषियों को कारावास की सजा भी हो सकती है।

पीएम सुनक ने किया ट्वीट : प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार अश्लील डीपफेक बनाने वाले नीच लोगों के खिलाफ नकेल कस रही है। डीपफेक सामाग्री इंसान को परेशान करती हैं। इन अपमानजनक छवियों के निर्माण पर प्रतिबंध लगाने के लिए ही नया कानून पेश कर रहे हैं। यूके की पीड़ित और सुरक्षा मंत्री लॉरा फैरिस ने कहा कि डीपफेक से बनाई गईं अश्लील तस्वीरें निंदनीय और पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। यह कुछ लोगों को नीचा दिखाने और उन्हें अमानवीय बनाने का एक तरीका है और खासकर महिलाओं को। अगर किसी डीपफेक सामाग्री को व्यापक रूप से साझा किया जाता है तो इसके परिणाम काफी खतरनाक हो सकते हैं। हमारी सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

महिलाओं के हिंसा को राष्ट्रीय खतरे के रूप में किया वर्गीकृत : न्याय मंत्रालय ने कहा कि विधेयक फिलहाल संसदीय प्रक्रिया में है। सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को राष्ट्रीय खतरे के रूप में वर्गीकृत किया है। इसका मतलब यह है कि पुलिस जैसे आतंकी खतरों से निपटती है ठीक वैसे ही पुलिस अब इस मामले को भी प्राथमिकता देगी। डीपफेक वीडियो और वीडियो दोनों रूप में हो सकता है। इसे एक स्पेशल मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके बनाया जाता है जिसे डीप लर्निंग कहा जाता है। डीप लर्निंग में कंप्यूटर को दो वीडियोज या फोटो दिए जाते हैं जिन्हें देखकर वह खुद ही दोनों वीडियो या फोटो को एक ही जैसा बनाता है। यह ठीक उसी तरह है जैसे बच्चा किसी चीज की नकल करता है। इस तरह के फोटो वीडियोज में हिडेन लेयर्स होते हैं जिन्हें सिर्फ एडिटिंग सॉफ्टवेयर से ही देखा जाता है। एक लाइन में कहें तो डीपफेक, रियल इमेज-वीडियोज को बेहतर रियल फेक फोटो-वीडियोज में बदलने की एक प्रक्रिया है। डीपफेक फोटो-वीडियोज फेक होते हुए भी रियल नजर आते हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने चीनी समकक्ष से की बात, द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से अनबन चल रही है। इस बीच, अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने मंगलवार को चीनी रक्षा मंत्री से बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने सैन्य संचारों के महत्व पर भी जोर दिया। गौरतलब है कि ऑस्टिन ने नवंबर 2022 के बाद पहली बार चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बात की। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के प्रेस सचिव पा राइडर ने दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद कहा कि ऑस्टिन ने दोहराया कि जिम्मेदारी और सुरक्षा के साथ अमेरिका हर उन जगहों पर उड़ान भर सकता है, जिसकी अनुमति अंतरराष्ट्रीय कानून देते हैं। उन्होंने यूक्रेन और रूस युद्ध पर भी बात की और उत्तर कोरिया की हालिया चेतावनी पर चिंता व्यक्त की।

पिछले साल मिले थे अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग ने पिछली बार नवंबर में मुलाकात की थी। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की यह मुलाकात सैन फ्रांसिस्को के फिलोली एस्टेट में हुई थी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब, अमेरिका और चीन के द्विपक्षीय संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। विश्व में आर्थिक मंदी छाई हुई है। पश्चिम एशिया और यूरोप में युद्ध छिड़े हैं और ताइवान को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है।

चीन और अमेरिका के बीच और उड़ानों को मंजूरी न दें-रू-एयरलाइंस : अमेरिकी एयरलाइंस ने पिछले गुरुवार को अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और परिवहन सचिव पीट बटिगिएग को पत्र लिखा था। पत्र में एयरलाइंस ने कहा कि चीन ने कोरोना महामारी के दौरान बाजार पहुंच के खिलाफ सख्त सीमाएं लागू कीं। साथ ही चीन ने सख्त नियम भी लागू किए, जिससे परिचालन, ग्राहकों और अमेरिकी एयरलाइन्स का चालक दल प्रभावित हुआ। चीन की नीतियों के कारण एरयलाइन्स के लगभग 3,15,000 कर्मचारी परेशान होते हैं।

पीएम सुनक ने बेंजामिन नेतन्याहू से की बात, इस्राइल की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन के समर्थन की बात दोहराई

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को अपने इस्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सप्ताहांत में ईरान के हमले के बाद इस्राइल की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन के समर्थन की बात दोहराई। ब्रिटेन के पीएम ने कहा कि तनाव के और ज्यादा बढ़ने से क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ेगी। एक्स पर एक पोस्ट में, ऋषि सुनक ने कहा, आज पहले, मैंने प्रधान मंत्री नेतन्याहू से बात की और बीते वीकेंड पर ईरान के लापरवाह हमले के बाद इस्राइल की सुरक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया। तनाव में वृद्धि केवल क्षेत्र में अस्थिरता को गहरा करेगी। यह शांत रहने का समय है। वार्ता के दौरान, सुनक ने कहा कि ईरान ने बहुत बुरी तरह से अनुमान लगाया और जी-7 की राजनीतिक पहल के बाद अलग-थलग पड़ गया। । उन्होंने जोर देकर कहा कि तनाव में वृद्धि केवल मध्य पूर्व में असुरक्षा को गहरा करेगी। उधर, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार को ईरान के लापरवाह और खतरनाक हमले के बाद तेजी से और मजबूत समर्थन के लिए ब्रिटेन को धन्यवाद दिया। गाजा पर, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक ने कहा कि वह मानवीय संकट के गहराने के बारे में गंभीर रूप से चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन महत्वपूर्ण आपूर्ति के साथ गाजा तक सहायता पहुंचाने में बड़े पैमाने पर बदलाव देखना चाहता है।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ सकते हैं दाम, ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी में अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायल पर किए गए ड्रोन अटैक के बाद अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने मंगलवार को नई चेतावनी जारी की है। अमेरिकी धमकी अगर वास्तविक्ता में बदलती है तो ईरान की तेल निर्यात करने की क्षमता कम हो सकती है। येलेन ने वाशिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की बैठक के दौरान कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि हम आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध लगाएंगे।

उन्होंने कहा कि ट्रेजरी और विदेश विभाग ने तेल निर्यात करने की क्षमता को कम करके ईरान के व्यवहार को सुधारने के लिए पहले भी कार्रवाई की है। एक वरिष्ठ ट्रेजरी अधिकारी के अनुसार, ट्रेजरी ईरान की तेल निर्यात जारी रखने की क्षमता को खत्म करने और इजरायल पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किए गए ड्रोन के लिए आवश्यक माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्राप्त करने और रूस को बेचने के लिए चीन, जी 7 देशों और दुनिया के अन्य देशों के साथ चर्चा कर रहा है। अधिकारी ने हालांकि यह कहा है कि कहा कि तेल की कीमतों में उछाल अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हम दुनिया भर के सभी प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत करने जा रहे हैं। इसमें त7 के देश शामिल हैं। इसमें चीन भी शामिल है। इन सभी देशों को ईरान की उन वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने की अपील की जा रही है, जिनका इस्तेमाल ईरान हथियार बनाने के लिए कर रहा है।

प्रतिबंध लगाने की तैयारी में ईयू : कुछ सदस्य देशों के प्रस्ताव के बाद यूरोपीय संघ (ईयू) ईरान के खिलाफ अपने प्रतिबंधों को बढ़ाने पर काम शुरू करेगा। यूरोपीय संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विदेशी मामलों और सुरक्षा नीति के लिए यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि जोसेप बोरेल ने यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की एक आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद एक प्रेस बैठक में कहा, मैं प्रतिबंधों से संबंधित आवश्यक कार्य शुरू करने के लिए बाहरी कार्रवाई सेवा को अनुरोध भेजूंगा। बोरेल ने सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह करते हुए क्षेत्र में तनाव कम करने का भी आह्वान किया।

एक अप्रैल को सीरिया में ईरानी दूतावास के कांसुलर अनुभाग पर हमले में इजरायल द्वारा दो वरिष्ठ कमांडरों सहित सात ईरानियों की हत्या के जवाब में ईरान ने शनिवार देर रात लगभग 350 ड्रोन और मिसाइलें प्रक्षेपित की थी।

जन्म के बाद एक महीने तक बेटे को खिलाई सिर्फ धूप, मौत, पिता को आठ साल की जेल

मास्को, एजेंसी। रूस की इन्फ्लूएंजर को अपने एक महीने के बेटे की मौत पर आठ साल की सजा सुनाई गई। वह बेटे को मां का दूध नहीं पीने देता था, वह उसे धूप के जरिए ही जिंदा रखना चाहता था। साथ ही वह दूसरों के लिए एक उदाहरण सेट करना चाहता था कि सिर्फ सूरज की रोशनी से जीवित रहा जा सकता है। कुपोषण और निमोनिया से बच्चे की मृत्यु हुई है।

रूस की एक अदालत में बढ़ा अजीबो-गरीब केस आया। जिसमें एक महीने के बच्चे कोसमोस जिसका वजन 3.5 पाउंड था, उसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। चिकित्सकों का कहना है कि वह पहले से ही काफी कमजोर था। उसकी माता ओक्साना मिरोनोवा और पिता मैक्सिम ल्युटी को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान कोसमोस की मां ने जो खुलासा किया, उसे अदालत में बैठे सब लोग हैरान रह गए। उसने बताया कि मैक्सिम ल्युटी आलौकिक शक्तियों के लिए बेटे पर अजीब-अजीब प्रयोग किया करता था। प्रसव पीड़ा के दौरान जब मिरोनोवा के अस्पताल ले जाने की बारी आई तो उसने मना कर दिया। घर पर ही मिरोनोवा का प्रसव कराया गया। बेटे का जन्म हुआ उसका नाम कोसमोस रखा। लेकिन अब कोसमोस और मिरोनोवा के साथ प्रताड़ना शुरू हुई। ल्युटी को मिरोनोवा को जबरन शाकाहारी भोजन करवाया, जिसमें जामुन इत्यादि खिलवाए। उसका मानना था कि इससे शरीर में आध्यात्मिक ऊर्जा का विकास होता है। उसके बाद तो उसने हद कर दी। उसने मिरोनोवा को बच्चे को दूध पिलाने के लिए भी मना कर दिया। मिरोनोवा की बहन ने अदालत में बताया कि ल्युटी का मानना था कि सूर्य ही बच्चे को दूध पिला रहा है। उसने बताया कि मिरोनोवा कई बार ल्युटी से छिपकर बेटे को दूध पिलाती है। लेकिन उसे हमेशा डर रहता था कि की ल्युटी को पता न चल जाए। मिरोनोवा की बहन ओलेसा ने कहा कि एक बच्चा सूर्य के भरोसे कैसे जीवित रह सकता है, उसे मां के दूध की आवश्यकता तो होती ही है। मिरोनोवा ने बताया कि ल्युटी अपने बेटे कोसमोस में आलौकिक शक्तियां चाहता था, वह उस पर एक प्रयोग भी कर रहा था। वह चाहता था कि कोसमोस सिर्फ सूर्य की रोशनी के सहारे ही जीवित रहे। बीमार होने पर उसे दवाई नहीं देता था, बल्कि उसने कोसमोस को ठंडे पानी से नहलाया, सिर्फ इसलिए कि इससे बच्चा मजबूत होगा। मिरोनोवा की मां ने बताया कि पागल था ल्युटी ओक्साना मिरोनोवा की मां गैलिना ने बच्चे की मौत पर अफसोस जताते हुए कहा कि मैंने महसूस किया कि उसमें कुछ तो अलग से वह आम लोगों की तरह नहीं था, वह पागल था।

लेबनान में आईडीएफ ने हिजबुल्ला के तीन लड़ाके मार गिराए, आतंकी संगठन ने की मौतों की पुष्टि

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान-इस्राइल संघर्ष के बीच इस्राइली सुरक्षा बल ने बताया कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के दो कमांडर समेत तीन लड़ाके मार गिराए हैं। आईडीएफ की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि राडवान बलों के पश्चिमी क्षेत्र के रॉकेट और मिसाइल यूनिट के कमांडर मोहम्मद हुसैन शाहोरी हवाई हमले में मारा गया। आईडीएफ ने कहा, मोहम्मद ने लेबनान की तरफ से इस्राइली क्षेत्र में रॉकेट और मिसाइलों को लॉन्च करने की योजना बनाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा, हिजबुल्ला के रॉकेट और मिसाइल यूनिट का संचालक मोहम्मद इब्राहिम फादल्लाह भी इस हवाई हमले में मारा गया। एक अलग बयान में आईडीएफ ने बताया कि लेबनान के ऐन एबेल क्षेत्र में हिजबुल्ला के तटीय क्षेत्र के कमांडर इस्माइल यूसुफ बज को दक्षिणी लेबनान में मार दिया गया है। हिजबुल्ला ने अपने तीन लड़ाके की मौतों की पुष्टि की है। एक इस्राइली अधिकारी ने कहा कि ईरान के हवाई हमले की जवाबी कार्रवाई करने के लिए युद्ध कैबिनेट के साथ जो बैठक हुई थी वह खत्म हो चुकी है। सूत्रों ने इस बैठक से जुड़ी अन्य जानकारी पर कोई बात नहीं की है। ईरान के हमले के बाद स्थानीय समयानुसार 12:30 बजे युद्ध कैबिनेट के साथ बैठक शुरू हुई थी। इस्राइल के सहयोगियों और क्षेत्रीय नेताओं ने संयम बरतने का आह्वान किया था, जिससे कि तेल अवीव में ईरान के हमले का बदला लेने की योजना बनाई जा सके। बता दें कि शनिवार को ईरान ने पहली बार इस्राइली क्षेत्र में करीबन 300 मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया था। इस्राइल सुरक्षा बल के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि इन मिसाइलों में 99 फीसदी को उन्होंने रोक दिया था। उन्होंने आगे बताया कि ईरान की तरफ से 120 बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी गईं थी। इस हमले के बाद इस्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि ईरान और इस्राइल के बीच टकराव अभी खत्म नहीं हुआ है। इसी के साथ उन्होंने इस्राइल को हर स्थिति के लिए तैयार रहने को भी कहा है। एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इस्राइल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी थी।

एयरपोर्ट डूबा, स्कूल-कॉलेज और मेट्रो भी बंद, दुबई में बाढ़ ने मचाई तबाही

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में मूसलाधार बारिश के कारण रेगिस्तानी देश में बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई है। इसके कारण दुबई के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार को आने वाली कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के कारण दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 25 मिनट के लिए ऑपरेशन रोकना भी पड़ गया। बारिश के कारण स्कूल बंद करने पड़े और यातायात ठप कर दिया।

दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाईअड्डों में से एक दुबई हवाईअड्डे की वेबसाइट पर 16 अप्रैल को दर्जनों उड़ानें रद्द दिखाई गई हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, सऊदी और यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों की फ्लाइट शामिल हैं। दुबई में भारी बारिश के कारण पूरे रेगिस्तानी देश में बाढ़ आ गई, जो आंशिक रूप से क्लाउड सीडिंग के कारण उत्पन्न हुई थी।

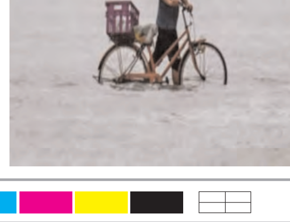

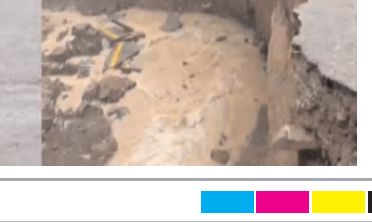

बारिश बनेगी आफत: दुबई के समयानुसार दोपहर तीन बजे तक दिन में ही रात हो गई। यानी यहां दोपहर के वक्त ही अंधेरा छा गया और भारी बारिश होने लगी। कई सड़कों पर पानी भर गया। यूएई के मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि मंगलवार दोपहर तक तटीय क्षेत्रों पर बादल छाए रहेंगे। ये बादल पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों की ओर बढ़ेंगे। इसके अलावा बिजली और गरज के साथ बारिश जारी रहेगी। साथ ही कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी संभावना है।

दुबई में कई फ्लाइट प्रभावित : मौसम विज्ञान केंद्र ने बारिश की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरतने और जल जमाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है। मानव संसाधन और अमीरात मंत्रालय ने निजी क्षेत्र की कंपनियों से मौसम की स्थिति के दौरान सभी व्यावसायिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आह्वान किया था। बारिश और मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए दुबई को लेकर कई फ्लाइट को पर भी प्रभाव पड़ने के आसार हैं।

दुबई के मेट्रो स्टेशनों में पानी घुसा : खलीज टाइम्स के मुताबिक, बारिश की वजह से दुबई की मेट्रो सेवा भी प्रभावित रही। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में नजर आ रहा है कि मेट्रो स्टेशनों के अंदर बारिश का पानी घुस आया है। दुबई में सड़क और परिवहन प्राधिकरण ने एक घोषणा में कहा है कि ऑनपैसिव मेट्रो स्टेशन से जेबेल अली मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

लोगों को घर से काम करने की सलाह : वहीं मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात में सरकारी कर्मचारियों कल भी घर से काम करने का निर्देश दिया गया है। वहां की सरकार की तरफ से देशभर में बिगड़ते मौसम के कारण यह एडवाइजरी जारी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में बेटी-बहू की जंग में सुप्रिया आगे, आईएनडीआईए को मिल सकती हैं 20 सीटें

मुंबई, एजेंसी। पहले चरण के चुनाव से ठीक पहले एक न्यूज चैनल द्वारा किए गए पोल सर्वे के नतीजे जारी किए हैं। सर्वे में कहा गया है कि महाराष्ट्र की कुल 48 लोकसभा सीटों में से 28 एनडीए गठबंधन को और 20 एमवीए गठबंधन को मिल सकता है। सर्वे में कहा गया है कि राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी हो सकती है और उसे 25 सीटें मिल सकती हैं। इसके अलावा उसकी सहयोगी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को तीन सीटें मिल सकती हैं, जबकि एनडीए के तीसरे सहयोगी अजित पवार की एनसीपी को एक भी सीट नहीं मिल सकती है। सर्वे नतीजों में कहा गया है कि अजित पवार को डबल झटका लग सकता है। पहला तो उनकी पार्टी का खाता नहीं खुल सकता है और दूसरा उनकी पत्नी बारामती सीट से चुनाव हार सकती हैं। अजित पवार ने पत्नी सुनेत्रा पवार को पवार परिवार का गढ़ कहेजाने वाले बारामती सीट पर अपनी ही बहन और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उतारा है। सर्वे में कहा गया है कि इस सीट पर फिर से सुप्रिया सुले जीत सकती हैं। यानी एक तरह से महाराष्ट्र की जनता भतीजे अजित पवार को चाचा से बगावत करने की सजा दे सकती है। सर्वे के आंकड़ों में बताया गया है कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को 20 सीटें मिल सकती हैं। इनमें सबसे बड़ी पार्टी उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिव सेना हो सकती है, जिसे 10 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। सर्वे के मुताबिक कांग्रेस को 5 और शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को भी पांच सीटें मिल सकती हैं।

पहले तो 180 का अनुमान था, अब लगता है 150 पर ही सिमटेगी भाजपा : राहुल गांधी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भाजपा पर खूब हमला बोला। इस दौरान राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि पहले तो मुझे लगता था कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में करीब 180 सीटें मिल जाएंगे, लेकिन अब लगता है कि ये लोग 150 पर ही सिमट जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष के आईएनडीआईए गठबंधन के पक्ष में खामोश लहर है। इस दौरान राहुल गांधी ने अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी के फैसले का पालन करूंगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी पूछा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आप पर तंज कसा है कि एक नेता एक झटके में गरीबी खत्म करने का दावा कर रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि गरीबी एक झटके में खत्म करने की बात किसी ने नहीं कही। लेकिन हमारे पास फॉर्मूला है, जिससे देश में गरीबी और असमानता खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश के संसाधनों को 22 से 25 लोगों के बीच ही बांट दिया है। उसे हमको खत्म करना है और हर समाज की भागीदारी बढ़ानी है। इससे गरीबी अपने आप खत्म होने लगेगी। इसी मंशा से हम जातिगत जनगणना की मांग भी कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा तो संविधान तक खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा का चुनाव है, भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है, 'इंडिया' गठबंधन इसकी रक्षा कर रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोकसभा चुनाव में एक भी वोट बंटे नहीं। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि हम गाजियाबाद में इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं क्योंकि यह यूपी का बॉर्डर है। यहीं से भाजपा को विदा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपी के लोग अच्छे से स्वागत करना जानते हैं तो फिर जोरदार विदाई देना भी आता है। अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बदलाव की बयार बहेगी। गाजियाबाद से गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

रेलवे देने वाला है बड़ी खुशखबरी, अब भारत खुद बनाएगा बुलेट ट्रेन

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब भारत स्वदेशी बुलेट ट्रेन की भी तैयारी कर रहा है। कहा जा रहा है कि प्रस्तावित ट्रेन की भारत की सबसे तेज रेलगाड़ी होगी। फिलहाल, इसकी डिजाइन पर काम जारी है। खासबात है कि विश्व स्तर पर 250 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली रेलगाड़ियों को हाईस्पीड ट्रेन कहा जाता है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा, इसे वंदे भारत प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जा रहा है, जो पहले ही 220 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार को छू सकती है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में डिजाइन पर काम किया जा रहा है। रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि ये ट्रेन फिलहाल भारत में दौड़ रहीं किसी भी ट्रेन से तेज होंगी। भारत फिलहाल जापान की तकनीक की मदद से बुलेट ट्रेन तैयार कर रहा है। यह ट्रेन अहमदाबाद से मुंबई के बीच दौड़ेगी और 320 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार तक पकड़ सकती है।

लॉरेंस बिश्नोई को खत्म कर देंगे, सलमान से मिलकर बोले सीएम शिंदे, गैंगस्टरों को चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में अभिनेता सलमान खान से उनके आवास पर मुलाकात के बाद कहा कि सरकार लॉरेंस बिश्नोई को खत्म कर देगी। अभिनेता से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सलमान खान के घर पर गोलीबारी के मामले में पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर कथित तौर पर गोलीबारी करने वाले एक व्यक्ति समेत दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। कच्छ-पश्चिम के उप महानिरीक्षक महेंद्र बागड़िया ने बताया कि बिहार के पश्चिम चंपारन के निवासियों विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले के माता नो माध गांव से गिरफ्तार किया गया। इस घटना के कुछ दिनों बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज दोपहर अभिनेता सलमान खान से मुलाकात की। सलमान से मिलने के बाद शिंदे ने कहा, मैंने सलमान खान से कहा है कि सरकार आपके साथ है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जाएगी। हम मामले की तह तक जाएंगे। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। किसी को भी इस तरह से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। किसी गैंग या गैंगवार की इजाजत नहीं दी जाएगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम (लॉरेंस) बिश्नोई को खत्म कर देंगे।

यात्रा के दौरान, सीएम शिंदे ने गोलीबारी की घटना के मद्देनजर सलमान और उनके परिवार के सदस्यों को कड़ी सुरक्षा का आश्वासन दिया। सलमान के घर के बाहर मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा, मैंने सलमान खान से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। मैंने पुलिस को मामले में तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और सुराग के लिए उनसे पूछताछ की जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का इस घटना में हाथ होने का आरोप है। उसे खत्म करने की कसम खाते हुए, सत्तारूढ़ शिवसेना सुप्रीमो ने कहा, महाराष्ट्र में अब भी गिरोह बचे हैं। हम सभी को उखाड़ फेंकेंगे। गिरोहों और गुंडों को यहां अपनी मनमानी चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है...किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मैंने पुलिस आयुक्त को सलमान खान और उनके परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया है। अपने लोगों की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। मैं पिछली सरकार के दौरान क्या हुआ, इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन हम राज्य में किसी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले सभी गिरोहों और गुंडों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेंगे।

रविवार को सुबह करीब पांच बजे, मुंबई के बांद्रा इलाके में गैलेक्सी अपार्टमेंट में 58 वर्षीय खान के घर के बाहर मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने गोलीबारी की और फरार हो गए। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों से पता चला कि जिन लोगों को आज गिरफ्तार किया गया, वे बैकपैक लेकर आए थे और टोपी पहनी हुई थी। उन्हें अभिनेता के घर की ओर गोलीबारी करते देखा गया। संदिग्धों में से एक ने काली जैकेट और डेनिम पैंट के साथ सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी, जबकि दूसरे ने डेनिम पैंट के साथ लाल टी-शर्ट पहन रखी थी।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एक स्थानीय अदालत में मंगलवार को दलील दी कि यहां अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी उनकी हत्या के प्रयास के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले के माता नो माध गांव से पकड़ा गया और बाद में मुंबई लाया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के समय गुप्ता मोटरसाइकिल चला रहा था और पाल उसके पीछे बैठा हुआ था तथा पाल ने अभिनेता के घर पर गोलीबारी की।

रविवार को सुबह करीब 11 बजे फेसबुक पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें गोलीबारी की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने रविवार को कथित तौर पर फेसबुक पोस्ट करने के लिए वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का इस्तेमाल किया था।

हमें जेल भेजना है, भेज दें पर 200 पार नहीं कर पाएगी भाजपा- ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर हमला बोला है। एक टीवी चैनल को दिए एक विस्फोटक इंटरव्यू में ममता बनर्जी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों - ईडी और सीबीआई की कार्रवाई को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। टीवी9 बांग्ला को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में ममता बनर्जी ने सधे हुए लहजे में कहा कि यदि वे मुझे भी जेल भेजते हैं तो मैं इसके लिए तैयार हूं।

मेरा घर जेल की तरह : इंटरव्यू में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से सवाल किया गया कि राकेश टिकैत ने हाल ही में कहा था- केजरीवाल चले गए, हेमंत सोरेन चले गए, अब ममता बनर्जी की बारी है। इस बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ममता बनर्जी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। मेरा घर एक जेल की तरह है। कोई फर्क नहीं पड़ता इससे। मैं इस डर से बैठने वालों में से नहीं हूं कि वे मुझे कब जेल भेज देंगे। अगर मैं जेल जाती हूं तो मुझे थोड़ा आराम मिलेगा। उनकी प्रताड़िना से बेहतर है कि मैं जेल चली जाऊं। देश के लोकतंत्र को ही जेल भेज दिया गया है।

जो सपने देख रहे वे खो जाएंगे : उल्लेखनयी है कि ममता बनर्जी ने हाल ही में कई बैठकों में संदेह जताया है कि बीजेपी 200 का आंकड़ा पार कर पाएगी या नहीं। उस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने इंटरव्यू में कहा, पिछली बार उन्हें सबसे ज्यादा 303 मिले थे। एक बार भारत में कांग्रेस को 400 मिले, तब इंदिरा गांधी की मृत्यु हुई थी। राजीव जी स्वयं जानते थे। बंगाल में कांग्रेस को 16 सीटें मिलीं। उस समय लोगों की इच्छा और विद्रोह दोनों मतपेटिका में झलका। लोग इंदिरा गांधी की हत्या को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। मैंने कई प्रधानमंत्रियों को देखा है। अटलजी को भी देखा, उन्होंने इंडिया इज शाइनिंग का नारा भी लगाया। क्या लाभ हुआ? वे खो जाएंगे जो 400 पार करने का सपना देख रहे हैं। मुझे नहीं पता वे कैसे यह बात कहते हैं। एनडीए के 400 पार मिशन पर बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा, आने वाले दिनों में जनता तय करेगी कि सरकार किसकी बनेगी। इसकी संख्या कोई नहीं बता सकता, ज्योतिषी भी नहीं बता सकते। मुझे नहीं पता कि पीएम मोदी या भाजपा के लोग किस हिसाब से ऐसा कह रहे हैं।

ममता ने जताया इंडिया पर भरोसा : ममता बनर्जी ने मंगलवार को उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी में अपने अभियान भाषण के दौरान भगवा खेमे पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि भाजपा निचले सदन की 543 सीटों में से कम से कम 370 सीटें जीतने का सपना देख रही है... उसे 200 सीटें तक नहीं मिलेंगी।

दो किमी लंबे रोडशो के साथ रूपाला ने भरा पर्चा, क्षत्रिय समाज के सामने जोड़े हाथ

गांधीनगर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने मंगलवार को गांधीनगर में दो किलोमीटर लंबा रोडशो निकालने के बाद अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा ने गुजरात की राजकोट लोकसभा सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाया है। कुछ दिन पहले क्षत्रियों के संबंध में रूपाला के बयान पर राजपूत समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किए थे। रूपाला ने जब जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभाव जोशी को नामांकन पत्र सौंपा, तो उनके साथ गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी, पार्टी के राज्यसभा सदस्य केसरीदेव सिंह झाला और गुजरात सरकार में कैबिनेट मंत्री भानुबेन बाबरिया मौजूद थे। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पी. भारती की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि गुजरात की 26 लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए मंगलवार को 97 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं विधानसभा उपचुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों ने मंगलवार को अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। उल्लेखनीय है कि विवादित बयान को लेकर क्षत्रिय समाज परषोत्तम रूपाला का टिकट रद्द करने की मांग रहा है। निर्वाचन अधिकारी की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल को सुबह 11 बजे से की जायेगी। मान्य उम्मीदवार यदि चाहें तो 22 अप्रैल को अपराह्न तीन बजे तक अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। भाजपा ने इस बार राजकोट सीट से दो बार के सांसद मोहन कुंडरिया की जगह रूपाला को मैदान में उतारा है।

रेलवे में फर्जी नौकरी फिर सैलरी भी देने लगे, जालसाजों की गैंग का खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी नौकरी की चाहत में कुछ लोग जालसाजों के चक्कर में फंस जाते हैं। उन्हें लाखों रुपए गंवाने पड़ते हैं। लेकिन झारखंड से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ऐसे गैंग का खुलासा हुआ है जो लोगों को रेलवे में फर्जी नौकरी देकर सैलरी भी देते थे। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन की विजिलेंस टीम ने चक्रधरपुर मंडल में नौकरी दिलाने वाले ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मंगलवार को गम्हरिया के पास बीरबांस हॉल्ट में बुकिंग क्लर्क बनकर कई सप्ताह से काम करने वाले तीन युवकों को दबोच लिया गया। युवकों को ट्रेनिंग देकर बुकिंग क्लर्क बनाने का झांसा देने वाले टिकट एजेंट डेविड सिंह को भी टीम ने पकड़ा है, जबकि मुख्य आरोपी अंशुमन फरार है।

बुकिंग क्लर्क वाली फर्जी नौकरी : फर्जी बुकिंग क्लर्क बनकर नौकरी कर रहे युवकों को पकड़ लिया गया है। विजिलेंस टीम की छापेमारी व रेलवे में फर्जी नौकरी का खुलासा होने से अफरातफरी मच गई। मंडल अधिकारी बीरबांस हॉल्ट पहुंचे व जानकारी ली। पूछताछ के कारण विजिलेंस टीम ने कुछ भी स्पष्ट नहीं किया और जोन मुख्यालय को गिरोह की जानकारी दी है। गिरफ्तार युवकों और टिकट एजेंट से विजिलेंस टीम पूछताछ कर रही है।

तीनों युवकों ने नौकरी के लिए दिए थे 21 लाख रुपए : पूछताछ में सामने आया है कि टिकट एजेंट डेविड सिंह को तमिलनाडु के धीविन कुमार ने पांच लाख, पश्चिम बंगाल के नदिया के दो युवक रूपम शाह व शुभाशीष मंडल ने आठ-आठ लाख नौकरी के बदले दिए थे। फर्जी आईडी बना काम कराया जा रहा था। युवकों ने बताया कि डेविड सिंह, अंशुमन नामक व्यक्ति के कहने पर युवकों को ट्रेनिंग देकर बुकिंग क्लर्क का काम करा रहा था।

सैलरी भी देने लगे : युवकों ने बताया कि उन्हें 30 हजार प्रति माह वेतन का आश्वासन दिया था, जबकि ट्रेनिंग में 10 हजार रुपये दो महीने दिया था। इधर, चक्रधरपुर मंडल के वाणिज्य अधिकारी ने विजिलेंस छापेमारी की पुष्टि करते हुए अन्य किसी जानकारी से इनकार किया है। डेविड आदित्यपुर भाटिया बस्ती में रहता था।

जीआरपी में दर्ज होगा केस : आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट पी. शंकर कुट्टी ने बताया कि मामला धोखाधड़ी का है। विजिलेंस की पूछताछ और कार्रवाई के बाद जीआरपी में केस दर्ज कराया जाएगा। अभी विजिलेंस टीम मामले में कुछ भी स्पष्ट नहीं कर रही है, लेकिन रेलवे भी अपने स्तर से जांच करा रहा है। वर्ष 2014 में टाटानगर आरपीएफ के तत्कालीन इंस्पेक्टर दिगंजय शर्मा ने जुगसलाई के एक होटल में छापेमारी कर रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा था। जमशेदपुर पुलिस भी ऐसे गिरोह का खुलासा कर चुकी है। चर्चा है कि बीरबांस हॉल्ट में फर्जी नियुक्ति की सूचना विजिलेंस टीम को रेल कर्मियों से मिली थी। टीम ने कई दिन निगरानी के बाद युवकों और टिकट एजेंट को पकड़ा। 2018 में भी आदित्यपुर की महिला भी टाटानगर में ज्वाइनिंग का फर्जी लेटर लेकर पहुंची थी। इसके अलावा गोविंदपुर से भी फर्जी लेटर पर नियुक्त एक युवक को गैंगमैन की सूचना पर पकड़े जाने की चर्चा रेलकर्मियों में हो रही है।

बाड़मेर-जैसलमेर में त्रिकोणीय मुकाबला, कोटा में भी रोचक लड़ाई

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान में लोकसभा का रण बेहद रोचक हो गया है। बनते-बिगड़ते समीकरणों में भाजपा को पिछले दो चुनाव की रिकॉर्ड जीत को बरकरार रखने की चुनौती है। पहले दो चरणों में जिन 25 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, उनमें बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को मिल रहे समर्थन से लड़ाई दिलचस्प दिख रही है। इसके अलावा करीब आधा दर्जन अन्य सीटों पर भी मुकाबला एकतरफा नहीं है और जमीनी समीकरणों ने लड़ाई को रोचक बना दिया है।

राजस्थान में भाजपा शत प्रतिशत, सभी सीटों पर जीत का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहती है। हालांकि कांग्रेस के कुछ उम्मीदवारों और निर्दलीयों ने जिस तरह से विपक्षी खेमे में उम्मीद जगाई है उससे भाजपा को अपना प्रदर्शन दोहराना बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद पिछले चुनाव को पैमाना माने तो एक-दो सीट को छोड़कर अन्य जगहों पर जीत-हार का अंतर इतना ज्यादा था कि विपक्ष के लिए सेंधमारी आसान नहीं है। बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रविंदर सिंह भाटी का मुकाबला कांग्रेस के उम्मेदाराम बेनीवाल और भाजपा के कैलाश चौधरी से है। चुनाव मैदान में भाटी के आने से मुकाबला त्रिकोणीय बन गया है। भाटी वर्तमान में शेओ विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। भाजपा से बातचीत सफल नहीं होने के बाद वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे हैं। युवा उम्मीदवार रविंदर भाटी के साथ उमड़ रही भीड़ ने दोनों प्रमुख दलों के समीकरणों को उलट-पलट दिया है। भाजपा उम्मीदवार और क्षेत्र से निवर्तमान सांसद कैलाश चौधरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर अपनी सीट बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका यह बयान चर्चा में है कि उनकी वजह से मोदी को दंडित न किया जाए। इसके अलावा चूरू लोकसभा सीट भी चर्चा में है। यहां भाजपा ने दो बार के सांसद राहुल कस्वा का टिकट काटकर खिलाड़ी देवेंद्र झाझड़िया को मैदान में उतारा है। टिकट कटने से नाराज राहुल कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं। नागौर में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में शामिल हनुमान बेनीवाल को समर्थन दिया है। भाजपा ने दिग्गज जाट नेता स्व. नाथूराम मिर्धा की पौत्री ज्योति को उतारा है। ज्योति के पक्ष में तीन पूर्व विधायकों सहित एक हजार कांग्रेसियों ने पार्टी छोड़ी है, लेकिन हनुमान बेनीवाल का अपना मजबूत आधार मुकाबले को दिलचस्प बना रहा है।

अलवर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की सीट पर सबकी नज़र है। उनका मुकाबला कांग्रेस के विधायक ललित यादव से है। यहां स्थानीय बनाम बाहरी की चर्चा को भूपेंद्र यादव ने रात-दिन कैम्प करके कुछ हद तक कम किया है। वहीं झुंझुनूं में कांग्रेस से दिग्गज नेता शीशराम ओला के पुत्र व पूर्व मंत्री बृजेंद्र ओला और भाजपा से पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी मैदान में हैं। ओला परिवार की मतदाताओं में मजबूत पकड़ और भाजपा की आंतरिक खींचतान के मद्देनज़र यहां कांग्रेस मुकाबले में है।

29 नक्सलियों के मारे जाने पर बोले सीएम साय, अब नक्सली छोड़ दे हिंसा का रास्ता सरकार करेगी न्याय

रायपुर, एजेंसी। 16 अप्रैल 2023 मंगलवार का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में दर्ज हो गया है। क्योंकि इस दिन छत्तीसगढ़ में जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए 29 माओवादियों को ढेर कर दिया है। इस बड़ी सफलता के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव? साय ने कहा कि यह नक्सलियों के खात्मे का आगाज है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस बड़ी घटना के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि मंगलवार को दोपहर 2 बजे जिला कांकेर बिछिया क्षेत्र के अंतर्गत आपाटोला के जंगल में ष्ठन्न, क्स्न के जवानों और नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में हमारे तीन जवान घायल हुए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। अभी वह जवान खतरे से बाहर है उनकी स्थिति सामान बनी हुई है। वही हमारे जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया है। यह अब तक की सबसे बड़ी ऐतिहासिक सफलता है। मुख्यमंत्री ने इस सफलता पर सभी जवानों और सुरक्षाकर्मियों को बधाई भी दी है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चर्चा करते हुए कहा कि इस बार नक्सली बड़ी वारदात की कोशिश में थे उनकी इस कोशिश को जवानों ने नाकाम कर दिया है। सीएम ने कहा कि देश के गृहमंत्री का संकल्प है बस्तर को नक्सली मुक्त बनाने का, जो अब धीरे-धीरे पूरा होने जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री साय ने नक्सलियों से अपील करते हुए उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़ने और मुख्य धारा में लौटने की बात कही है। सीएम ने कहा कि नक्सली शांति के लिए अगर तैयार हो जाएं तो उन पर न्याय किया जाएगा।

इसके साथ ही विपक्ष के द्वारा इस एनकाउंटर को लेकर सवाल खड़े करने पर सीएम ने कहा कि विपक्ष को हर चीज में प्रश्न चिन्ह खड़ा करना होता है। इन्होंने कभी सर्जिकल स्ट्राइक या फिर एयर स्ट्राइक की कल्पना भी नहीं की थी। यह घटना तो उनके प्रदेश की है, तो फिर कैसे सवाल खड़े कर सकते हैं। सीएम ने विपक्ष से सवाल करते हुए कहा कि अगर यह घटना किसी तरह से फर्जी है तो उसको प्रमाणित करें।

संगीत सोम से टकराव, ठाकुरों का गुस्सा और खापों में बंटवारा

लखनउ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के पहले राउंड में पश्चिम उत्तर प्रदेश की भी 8 सीटों पर मतदान होना है। इन सीटों में भी सबसे ज्यादा खास मुजफ्फरनगर की सीट मानी जा रही है। चौधरी चरण सिंह के परिवार से कनेक्शन, जाट समाज की बहुलता के चलते इसे हॉट सीट माना जाता रहा है। अकसर कहा जाता है कि जिन सीटों से पश्चिम यूपी का चुनाव तय होता है, उनमें से मुजफ्फरनगर एक है। इस बार यहां बेहद दिलचस्प मुकाबला है और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री संजीव बालियान यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। बसपा से दारा सिंह प्रजापति यहां मैदान में हैं तो सपा के हरेंद्र मलिक उतरे हैं। दोनों का ही बड़ा जनाधार है, जिसके चलते टाइट फाइट मानी जा रही है।

संजीव बालियान के लिए बड़ी मुश्किल यह है कि भाजपा में ही अंतर्कलह की स्थिति है। इसके अलावा ठाकुरों की नाराजगी भी चिंता बढ़ा रही है। इस सीट का इतिहास भी ऐसा है कि चौधरी चरण सिंह जैसे नेता को भी 1971 में यहां से सीपीआई के ठाकुर विजयपाल सिंह के मुकाबले हारना पड़ा था। 1990 के बाद से अब तक भाजपा यहां 5 बार जीत चुकी है। इसके अलावा कांग्रेस, सपा और बसपा भी एक-एक बार विजय हासिल कर चुके हैं। संजीव बालियान खुद यहां से 2014 और 2019 में जीत चुके हैं। पिछली बार तो वह चौधरी अजित सिंह को 6,500 वोटों से हराकर जीते थे। लेकिन इस बार मुकाबला कठिन माना जा रहा है, जबकि जयंत चौधरी उनके साथ हैं। फिर भी एक समस्या यह है कि सरधना से पूर्व विधायक संगीत सोम उनसे नाराज चल रहे हैं। संगीत सोम का खेमा मानता है कि 2022 के चुनाव में वह विधायक नहीं बन सके तो इसकी वजह बालियान का विरोध था। उनके चलते जाट वोट नहीं मिले और संगीत सोम हार गए। अब संगीत सोम समर्थकों का कहना है कि वे बालियान को वोट क्यों दें? भाजपा नेतृत्व ने कोशिश की है कि दोनों में सुलह करा ली जाए। खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने बालियान और संगीत सोम की मीटिंग ली थी। फिर भी संगीत सोम के तेवर नरम नहीं दिख रहे। इसके अलावा लगातार ठाकुरों की पंचायतें हो रही हैं, जिनमें भाजपा के विरोध के ऐलान हो रहे हैं।

खापों में कैसे हरेंद्र मलिक ने करा दिया बंटवारा : एक मुश्किल यह है कि सपा ने भी जाट कैंडिडेट हरेंद्र मलिक को मैदान में उतारा है। वह चरथावल से मौजूदा विधायक पंकज मलिक के पिता हैं। वह भी जाट वोटों के एक बड़े हिस्से में सेंध लगाते दिख रहे हैं। दरअसल जाटों की दो बड़ी खाप हैं। एक है बालियान खाप, जिससे संजीव बालियान का ताल्लुक हैं। वही हरेंद्र मलिक गठवाला खाप का समर्थन पा रहे हैं। ऐसे में जाटों के वोटों में बंटवारे से स्थिति फंसती दिख रही। फिर सरधना विधानसभा समेत पूरी लोकसभा में ही प्रभावी ठाकुर लगातार बायकॉट की बात कर रहे हैं। यह संकट संजीव बालियान के लिए गहरा है। बसपा ने भी बिगाड़ दिया समीकरण, कैसे प्रजापति ने बढ़ाई चिंता भाजपा के लिए कई सीटों पर बसपा की ओर से सपा समीकरण बिगाड़ना एक उम्मीद हुआ करता था।

संक्षिप्त समाचार

मायकोलास ने 38 साल पुराना डिस्कस थ्रो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

74.35 मीटर दूर चक्का फेंका

रामोना (अमेरिका), एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने डिस्कस थ्रो का 38 साल पुराना विश्व कीर्तिमान भंग कर दिया। उन्होंने 1986 में जर्मनी के जुर्गेन शुल्ट की ओर से स्थापित 74.08 मीटर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। अलेक्ना ने ओकलाहामा थ्रोज सीरीज

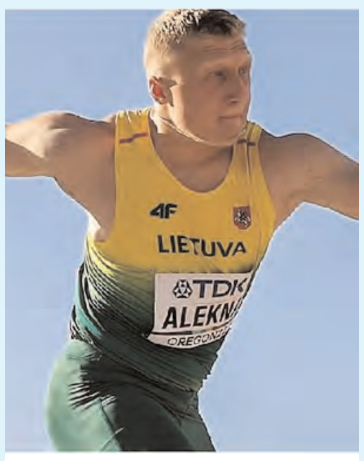

कंपटीशन में 243 फुट 11 इंच (74.35 मीटर) दूर चक्का फेंका। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। 21 वर्षीय एलेक्ना कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में जूनियर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में दो बार पदक जीत चुके हैं। 2022 में उन्होंने रजत और बीते वर्ष उन्होंने कांस्य पदक जीता था। एलेक्ना ने अपने पिता वर्जीलियस एलेक्ना को भी पीछे धकेल दिया है। शुल्ट के बाद सर्वश्रेष्ठ थ्रो वर्जीलियस की 73.88 मीटर थी, जो अब तीसरे स्थान पर आ गई है। एलेक्ना ने यह रिकॉर्ड क्यूबा की यामे पेरेज की ओर से एक दिन पहले ही फेंकी गई महिलाओं की सर्वश्रेष्ठ थ्रो 73.09 के बाद बनाया है।

बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान

- टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पहलवानों की तैयारियों को

छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

वन मैन आर्मी जोस बटलर...

कोलकाता नाइट राइडर्स के जबड़े से छीना मैच, जड़ा दमदार शतक

कोलकाता, एजेंसी। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में धूम मचा दी है. राजस्थान टीम ने मंगलवार (16 अप्रैल) को ईडन गार्डन्स में खेले गए रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 विकेट से करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ ही राजस्थान टीम ने पॉइंट्स टेबल में अपना नंबर-1 का ताज बरकरार रखा है. संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान टीम ने अब तक 7 में से 6 मुकाबले जीते हैं. इस जीत के साथ अब राजस्थान टीम अपनी नंबर-1 की पोजिशन मजबूत कर ली है. दूसरी ओर कोलकाता टीम ने अब तक 6 में से 4 मुकाबले जीते हैं.

बटलर अकेले डटे रहे और टीम को जीत दिलाई

ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में कोलकाता टीम ने 224 रनों का टारगेट सेट किया था, जिसके जवाब में राजस्थान टीम शुरुआत से ही लड़खड़ाती नजर आई. एक समय टीम ने 186 रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे और जीत के लिए 15 गेंदों पर 38 रनों की जरूरत थी. उस समय जोस बटलर क्रीज पर थे और उन्होंने हार नहीं मानी. बटलर ने अकेले के दम पर राजस्थान को मैच जिताया. साथ ही उन्होंने अपना भी शतक पूरा किया. बटलर ने 60 गेंदों पर नाबाद 107 रनों की पारी खेली. इस दौरान 6 छक्के और 9 चौके जमाए. बटलर की पारी के बदौलत राजस्थान ने 8 विकेट गंवाकर मैच जीत लिया. बटलर के अलावा रियान पराग ने 14 गेंद पर 34 रन बनाए. आखिर में रोवमैन पॉवेल ने 13 गेंदों पर 26 रन जड़े. बटलर और पॉवेल के बीच 27 गेंदों पर 57 रनों की पार्टनरशिप हुई थी, जो बेहद अहम रही. दूसरी ओर केकेआर टीम के लिए हर्षित राणा, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट हासिल किए. जबकि वैभव अरोड़ा को 1 सफलता मिली.

राजस्थान की पारी का स्कोरकार्डः (224/8, 20 ओवर)

बल्लेबाज	रन	गेंदबाज	विकेट पतन
यशस्वी जायसवाल	19	वैभव अरोड़ा	1-22
संजू सैमसन	12	हर्षित राणा	2-47
रियान पराग	34	हर्षित राणा	3-97
ध्रुव जुरेल	2	सुनील नरेन	4-100
रविचंद्रन अश्विन	8	वरुण चक्रवर्ती	5-121
शिमरोन हेटमायर	0	वरुण चक्रवर्ती	6-121
रोवमैन पॉवेल	26	सुनील नरेन	7-178
ट्रेंट बोल्ट	0	रनआउट	8-186

नरेन की तूफानी शतकीय पारी से बना बड़ा स्कोर

मैच में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी कोलकाता टीम ने 6 विकेट गंवाकर 223 रन बनाए. टीम के लिए सुनील नरेन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 49 गेंदों पर शतक जड़ दिया. मैच में नरेन ने 56 गेंदों पर कुल 109 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 13 चौके जमाए. जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 30 रन बनाए. दूसरी ओर राजस्थान टीम के सभी गेंदबाजों की जमकर धुलाई हुई.

नारायण ने जड़ा टी20 करियर का पहला शतक

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में सुनील नारायण के बल्ले से एक शतकीय पारी देखने को मिली है। अपनी जादूई गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले सुनील नारायण ने इस बार बतौर बल्लेबाज कमाल का प्रदर्शन किया है। सुनील नारायण ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच में शतक जड़ा। ये उनकी टी20 करियर का पहला शतक भी है।

सुनील नारायण ने जड़ा पहला शतक

सुनील नारायण साल 2011 से टी20 क्रिकेट खेल रहे हैं। लेकिन 13 साल के उनके करियर में ये पहला मौका है जब उन्होंने शतक जड़ा है। सुनील नारायण इस बार आईपीएल में केकेआर के लिए ओपनिंग कर रहे हैं और वह मैनेजमेंट के फैसले पर खरे भी उतरे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने शतक तक पहुंचने के लिए 11 चौके और 6 छक्के जड़े। नारायण इस मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा - सुनील नारायण ने इस शतक के साथ आईपीएल में एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया है। सुनील नारायण आईपीएल में शतक जड़ने के साथ-साथ 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले आईपीएल में ये कारनामा किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। वहीं, नारायण के इतिहास के तीसरे खिलाड़ी बने हैं जिसने इस लीग में शतक जड़ा है और हैट्रिक लेने का कारनामा भी किया है।

ट्रेंट बोल्ट की स्टंप तोड़ यॉर्कर ने

कर दिया लाखों का नुकसान!

क्या अब करनी पड़ेगी भरपाई?

कोलकाता, एजेंसी। ट्रेंट बोल्ट ने आईपीएल 2024 के 31वें मुकाबले में एक ऐसी यॉर्कर डाली कि स्टंप ही टूट गया. बोल्ट ने अपनी एक यॉर्कर से करीब 10 लाख रुपये का नुकसान कर दिया. स्टंप टूटने के बाद खेल को कुछ देर तक रोका भी गया. ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट का 31वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया था. इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के ट्रेंट बोल्ट ने खतरनाक यॉर्कर से सुनील नरेन को चलता किया था. लेकिन बोल्ट की यॉर्कर से जो स्टंप टूटा, उसकी उन्हें भरपाई करनी पड़ेगी?

पहली पारी में 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को यॉर्कर पर बोल्ड कर पवेलियन भेजा. बोल्ट की इस गेंद से स्टंप टूट गया था, जिसकी वजह से कुछ देर खेल रुका क्योंकि नया स्टंप लाकर लगाने में वक़्त लगा. इस आईपीएल नए तरह के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग मौकों पर अलग लाइट्स जलती हैं. जैसे- चौका-छक्का लगाने पर अलग लाइट्स, वाइड और नो बॉल होने पर अलग तरह की लाइट्स स्टंप में फ्लैश होती हैं.

10 लाख रुपये के करीब एक स्टंप की कीमत

एक साइड तीन स्टंप लगाए जाते हैं और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसमें एक स्टंप की कीमत करीब 10 लाख रुपये होती है. ऐसे में दोनों तरफ 30-30 लाख रुपये के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जाता है. यही कराण है कि अब पहले के जैसे खिलाड़ियों को मैच जीतने के बाद स्टंप निकालने की इजाजत नहीं होती है. पहले जब लकड़ी वाले स्टंप का उपयोग होता था तब खिलाड़ी मुकाबला जीतने के बाद स्टंप निकालकर ले जाते थे.

क्या ट्रेंट बोल्ट को करनी पड़ेगी 10 लाख की भरपाई?

तो आपको बता दें कि ऐसा किसी भी तरीके का कोई नियम नही हैं. अगर गेंदबाज़ अपनी बॉलिंग से स्टंप तोड़ता है, तो उसे किसी भी तरह की कोई भरपाई नहीं करनी होती है. ऐसा कई मौकों पर देखा गया है कि अक्सर गेंदबाज़ अपनी तेज़ तर्रार गेंदों से स्टंप तोड़ देते हैं, लेकिन उन्हें किसी भी तरह की कोई भरपाई नहीं करनी होती है.

कैंडिडेट्स शतरंज

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला। अगर इस बाजी में वह

जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाड़ियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त

प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

हुआ। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका

गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई पेरिस ओलिंपिक मशाल

26 जुलाई से शुरू होगें गेम्स, ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू सेरेमनी में मौजूद रहीं

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलिंपिक 2024 की मशाल मंगलवार को ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई। इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाता है। आज से पूरे विश्व में मशाल की यात्रा शुरू हो जाएगी। आखिर में यह पेरिस में जा कर रुकेगी। इसे ग्रीक एक्ट्रेस मैरी मीना ने जलाया। पेरिस ओलिंपिक में 100 दिन बचे हैं। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। यह सेरेमनी (ओलिंपिक प्लेम लाइटिंग सेरेमनी) मंगलवार को इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू भी मौजूद रहीं।

1928 से जलाई जा रही है ओलिंपिक मशाल

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के तत्वावधान में पहला ओलिंपिक 1896 में हुआ। जो एथेंस के पैनाथेनिक स्टेडियम में खेला गया। साल 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलिंपिक से मशाल जलाने का विचार आया। 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलिंपिक गेम्स से ओलिंपिक रिले की शुरुआत हुई। ओलिंपिक लौ प्राचीन और आधुनिक खेलों को जोड़ने की एक कड़ी मानी जाती है।

पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा- पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था।

विजडन टॉप-5 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में तीन ऑस्ट्रेलियाईः कमिंस लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड, हेड ने विजडन ट्रॉफी जीती

नईदिल्ली, एजेंसी। विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड क्रिकेट का सबसे पुराना इंडिविजुअल अवॉर्ड है। विजडन 1889 से हर साल यह लिस्ट जारी कर रहा है। सिलेक्शन पिछले इंग्लिश सीजन में परफॉर्मेंस के आधार पर होता है। कोई भी खिलाड़ी एक से ज्यादा बार यह अवॉर्ड नहीं जीत सकता है। विजडन के एडिटर लॉरेंस बूथ ने मंगलवार को पांचों नामों की घोषणा की।

कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया तीन बड़े टूर्नामेंट जीता- ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और नैट साइवर-ब्रंट को विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड से सम्मानित किया गया है। विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड अवॉर्ड दुनिया के कुछ सबसे अनुभवी लेखकों और कमेंटेटर्स के परामर्श से विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक के एडिटर द्वारा दिया जाता है। सिलेक्शन पिछले कैलेंडर ईयर में दुनिया भर में कहीं भी खिलाड़ी के परफॉर्मेंस पर आधार पर होता है। खिलाड़ी एक से ज्यादा बार अवॉर्ड जीत सकते हैं। कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया जून में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। दोनों का फाइनल भारत के खिलाफ खिलाफ खेला गया था। इसके अलावा उनकी कप्तानी में पिछले साल इंग्लैंड में 2-2 से एशेज सीरीज भी ड्रॉ हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

केपीआई ग्रीन एनर्जी को खरीदने की लूट, 6 महीने में 196 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की प्रमुख कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर लगातार अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दे रहा है। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर पिछले छह महीने में 196 प्रतिशत चढ़ गए हैं। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर मंगलवार को 3.1 प्रतिशत चढ़कर 1740.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि आज बुधवार 17 अप्रैल को राम नवमी के मौके पर शेयर बाजार बंद है। सोलर एनर्जी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी, सोलरिज्म ब्रांड के तहत एक इंडिपेंडेंट बिजली प्रोड्यूसर और कैप्टिव बिजली प्रोड्यूसर ग्राहकों के लिए सर्विस प्रोवाइडर दोनों के रूप में काम करती है। नवंबर के बाद से इसके शेयरों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। इस दौरान इसने 209 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस साल 26 फरवरी में स्टॉक 1,890 प्रति शेयर के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था। क्लीन एनर्जी सोर्सेज की बढ़ती मांग केपीआई ग्रीन एनर्जी जैसी रिन्युएबल एनर्जी कंपनियों के लिए अपनी बाजार उपस्थिति का विस्तार करने का अवसर है। बता दें कि भारत में बिजली की मांग बढ़ने के साथ पिछले सात सालों में सोलर एनर्जी लगातार नई बिजली कैपासिटी वृद्धि के प्राथमिक स्रोत के रूप में उभरी है। 2030 तक 280 गीगावॉट सौर ऊर्जा हासिल करने का भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की संभावनाओं को और मजबूत करता है। इसके अलावा फरवरी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से देशभर में सोलर एनर्जी प्रोडक्शन की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

195 के शेयर में रॉकेट जैसी तेजी, लगातार दे रहा मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के शेयर ने अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिए हैं। कंपनी के शेयर पिछले तीन साल में 187.61 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 16 अप्रैल, 2021 को यह शेयर 195 रुपये पर बंद हुआ था और इस साल 16 अप्रैल, 2024 तक यह बढ़कर 562 रुपये पर आ गया। यानी इस अवधि में 187.61 प्रतिशत चढ़ गया है। इसकी तुलना में सेंसेक्स तीन साल में 49.38 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें कि बीते मंगलवार को यह शेयर 3 प्रतिशत तक चढ़कर 565.45 रुपये पर पहुंच गया था। आज रामनवमी के अवसर पर शेयर बाजार बंद है। आपको बता दें कि वुडपैनल उद्योग का स्टॉक एक साल में 83 प्रतिशत बढ़ा है और छह महीने में 37.42 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 7170 करोड़ रुपये हो गया। तकनीकी के संदर्भ में, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 57.8 पर है, जो दर्शाता है कि स्टॉक न तो ओवरसोल्ड और न ही ओवरबॉट क्षेत्र में कारोबार कर रहा है। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के शेयर 5 दिन, 10 दिन, 20 दिन 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के मूविंग औसत से ऊंचे हैं। एंटीक ब्रोकिंग ने ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के लिए 670 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। यह मौजूदा प्राइस से 20 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जेएम फाइनेंशियल ने 600 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ प्लाइवुड स्टॉक पर होल्ड रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 26 तक रेवेन्यू 21 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए पांच प्रमोटरों के पास फर्म में 50.98 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 18,017 सार्वजनिक शेयरधारकों के पास 49.02 प्रतिशत हिस्सेदारी या 6.25 करोड़ शेयर थे।

ग्रोसरी चेन को खरीदने के लिए लाइन में खड़े हैं टाटा, अंबानी और दमानी!

4सेवन को बेचने की फिराक में है गॉडफ्रे फिलिप्स

नईदिल्ली, एजेंसी। के.के. मोदी ग्रुप के निवेश वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स अपने रिटेल ग्रोसरी चेन 24सेवन को बेचने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए उसकी टाटा ट्रेंट, रिलायंस रिटेल और एवेन्यू सुपरमार्केट्स के साथ बातचीत कर रही है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने 12 अप्रैल को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था कि वह घाटे में चल रही 24सेवन चेन से बाहर निकलने की योजना बना रही है। कंपनी के रिटेल बिजनस डिवीजन की विस्तृत समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। एक सूत्र ने बताया कि गॉडफ्रे फिलिप्स की विभिन्न कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है और यह वैल्यूएशन पर निर्भर करेगी। सूत्र ने कहा कि मोदी ग्रुप की लीडरशिप ने अब तक इस बारे में ऐसे ग्रुप्स के साथ बातचीत की है, जिनके बीच स्पष्ट तालमेल है। बातचीत विभिन्न चरणों में है। 24सेवन दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पंजाब और हैदराबाद में लगभग 145 स्टोर ऑपरेट करता है। साल 2005 में शुरू की गई यह चेन के स्टोर्स में किराना, स्टेपल, स्नैक्स, पेय पदार्थ, पर्सनल केयर उत्पाद, मोदी ग्रुप के अपने ब्यूटी ब्रांड कलरबार के प्रॉडक्ट मिलते हैं। साथ ही कुछ बड़े फॉर्मेट स्टोर्स पर रेडी-टू-ईट फूड काउंटर भी हैं। सूत्र ने कहा, ग्रोसरी रिटेल सेक्टर में काफी तेजी दिख रहा है और घाटे के बावजूद 24सेवन फॉर्मेट का विस्तार संभव है।

कौन-कौन हैं रेस में: एक अन्य सूत्र ने कहा कि टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ग्रोसरी चेन स्टार बाजार को ऑपरेट करती है। लेकिन ग्रोसरी का उसके कुल रिटेल बिजनस में छोटा हिस्सा है। 24सेवन इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। ट्रेंट की दूसरी रिटेल चेन में वेस्टसाइड और जूडियो ने स्टार बाजार की तुलना में काफी तेजी से अपना विस्तार किया है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की टेक्सस की कंपनी 7-इलेवन ब्रांड के साथ पार्टनरशिप है। कंपनी करीब 50 स्टोर ऑपरेट करती है। इसकी शुरुआत 2021 में हुई थी। एक सूत्र ने कहा कि अगर रिलायंस 24सेवन को खरीदती है तो वह अपनी कनवीनिएंट स्टोर चेन को इसमें मर्ज कर सकती है। दोनों फॉर्मेट एक ही तरह के हैं। इसी तरह डीमार्ट चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स की भी 24सेवन पर नजर है। उसका बिजनस मुख्य रूप से ग्रोसरी केंद्रित है और वह इस सेगमेंट को तेजी से बढ़ाना चाहती है।

मोदी एंटरप्राइजेज के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर मोदी ने इस बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। टाटा ट्रेंट और एवेन्यू सुपरमार्केट्स के प्रवक्ताओं ने भी इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रिलायंस रिटेल के प्रवक्ता ने एक ईमेल में कहा, हम मीडिया की अटकलों और अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। गॉडफ्रे फिलिप्स के रिटेल बिजनस डिवीजन ने फाइनेंशियल ईयर 2023 में परिचालन से 396 करोड़ का रेवेन्यू कमाया जो कंपनी के कुल रेवेन्यू का 9.3 प्रतिशत है। कंपनी मुख्य रूप से सिगरेट बनाती है। लेकिन कंपनी के रिटेल बिजनस डिवीजन घाटे में रही थी।

सोने का भाव अभी और उछलेगा अप्रैल में 6262 रुपये हुआ महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। शादियों का सीजन आज से शुरू हो रहा है। बारात में बैंड बाजों का शोर रहेगा, लेकिन इजरायल-ईरान के बीच जंग के आसार से सर्राफा बाजारों की रौनक गायब है। सोने-चांदी की कीमतें शोर मचा रही हैं। अप्रैल में सोना 6262 रुपये महंगा हुआ है तो चांद के दाम 9505 रुपये बढ़े हैं।

सर्राफा बाजारों में मंगलवार 16 अप्रैल को को 24 कैरेट सोने का औसत भाव 73514 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच। जबकि, चांदी भी 83632 रुपये प्रति किलो के नए शिखर पर पहुंच गई। हालांकि, अंत में गोल्ड 999 थोड़ा नरम होकर 73302 रुपये और चांदी 83213 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई।

दो महीने में सोना 11506 रुपये उछला: 23 फरवरी 2024 को सोना 62008 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। आईबीजेए के आंकड़ों के मुताबिक करीब दो महीने में ही सोना 11506 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया है। जबकि, चांदी 13979 रुपये प्रति किलो उछली। 23 फरवरी को चांदी के रेट प्रति किलो 69653 रुपये थे।

सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में सोना-चांदी 1000 से 2000 रुपये महंगा मिल रहा हो।

क्यों उछल रहे सोना-चांदी: केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहे हैं। चीन के केंद्रीय बैंक ने लगातार 16 महीनों तक सोना खरीदा है। दूसरी ओर जनवरी में आरबीआई ने 8,700 किलोग्राम सोना खरीदा। दूसरी ओर पश्चिम एशिया में हालिया भू-राजनीतिक तनाव भी कीमती धातुओं की कीमतों में इजफे का एक कारण रहा है। केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया कहना है कि सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का एक अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये की हालिया कमजोरी भी है। रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। सोने की कीमतें कम होने की उम्मीद अभी कम है।

जिस कंपनी ने अडानी के बुरे दिनों में दिया साथ, उसने वोडाफोन आइडिया पर भी रखा हाथ

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी के बुरे दिनों में संकट मोचक के रूप में साथ देने वाली कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अब तंगहाल वोडाफोन आइडिया का हाथ पकड़ा है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने वोडाफोन आइडिया में भारी निवेश किया है। बता दें पब्लिक इन्वेस्टर्स के लिए अपने मेगा एफपीओ के ओपनिंग से ठीक पहले, वोडाफोन आइडिया ने अपने एंकर बुक आवंटन को बंद करने का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने प्रमुख वैश्विक और घरेलू निवेशकों से लगभग 5,400 करोड़ रुपये जुटाए लिए हैं। एंकर बुक को सब्सक्राइब करने वाले प्रमुख निवेशकों में जीक्यूजी पार्टनर्स के अलावा यूबीएस, मॉर्गन स्टेनली इंडिया इन्वेस्टमेंट फंड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस, गोल्डमैन सैक्स और फिडेलिटी शामिल हैं। जीक्यूजी पार्टनर वही है, जिसने संकट के समय में अडानी ग्रुप पर भरोसा जताया था। इस कंपनी ने अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में हिस्सेदारी खरीद रखी है। इस लिस्ट में अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्युशन्स लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी का नाम शामिल है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि उसकी पूंजी जुटाने वाली समिति ने एंकर निवेशकों को कंपनी के 490.9 करोड़ इक्विटी शेयरों के आवंटन को मंजूरी दे दी है। 16 अप्रैल, 2024 को हुई कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक हुई। इसमें बुक रनिंग लीड मैनेजरों के कंसल्ट से एंकर निवेशकों को 4,90,90,90,908 इक्विटी शेयरों के आवंटन को अंतिम रूप दिया गया। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में कहा, एंकर निवेशक एलोकेशन प्राइस 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है।

देश का सबसे बड़ा एफपीओ

नकदी संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने 10 से11 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड पर 18,000 करोड़ रुपये के फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर की घोषणा की है। यह देश का सबसे बड़ा एफपीओ है।

वोडाफोन आइडिया वर्तमान में अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल से बड़े अंतर से पीछे है। यह धनराशि वीआईएल को बहुत 5जी रोलआउट और 4जी सेवाओं को मजबूत करने में मदद करेगी। वीआईएल का फॉलो-ऑन ऑफर सार्वजनिक निवेशकों के लिए 18 को खुलेगा और 22 अप्रैल को बंद होगा। एफपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड हैं।

बाबा रामदेव की कंपनी पर फिदा हुए विदेशी निवेशक, बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली एफएमसीजी कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर बीते मंगलवार को फोकस में थे। कंपनी के शेयरों में लगभग 7 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी और यह 1424.10 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक अच्छी खबर है। दरअसल, विदेश निवेश कंपनी त्तत्ल पार्टनर्स ने मार्च तिमाही में पतंजलि फूड्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। बता दें कि आज बुधवार को रामनवमी के मौके पर शेयर बाजार बंद है। त्तत्ल पार्टनर्स ने मार्च 2024 तिमाही में पतंजलि फूड्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 11.48 प्रतिशत कर दी है। इससे पहले दिसंबर 2023 तिमाही में 3.3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली एफएमसीजी फर्म के शेयर बीएसई पर 1335.50 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 6.62 प्रतिशत बढ़कर मंगलवार को 1424.10 रुपये पर पहुंच गए थे। बाद में, बीएसई पर पतंजलि फूड्स के शेयर 5.41 प्रतिशत बढ़कर 1407.70 रुपये पर बंद हुए थे।

2023-24 में दालों का आयात दोगुना हुआ, देश में उत्पादन घटने से चालू वित्त वर्ष में भी हो सकता है इजाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के कई उपायों बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें अब भी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था। सरकार से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को स्थिर रखने के लिए केंद्र ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। हाल के दिनों में दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं।

इससे पहले सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। देश में आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ऐसे में सरकार के लिए दालों की कीमतें ना बढ़ें यह बड़ी चिंता का विषय है। कीमतों पर नियंतण के लिए 15 अप्रैल (सोमवार) को दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। सरकार ने राज्यों से भी कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

23 अप्रैल से खुल रहा आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। अगले सप्ताह से एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। यह जेएनके इंडिया लिमिटेड का आईपीओ है। हीटिंग इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया लिमिटेड का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा। निवेशक इस इश्यू में 25 अप्रैल तक पैसे लगा सकेंगे। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 22 अप्रैल को खुलेगा। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा एक मौजूदा शेयरधारक द्वारा 84.21 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

इस साल सस्ता हो गया है 717 प्रतिशत चढ़ने वाला मल्टीबैगर स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। पॉलीकैब इंडिया के शेयर इस साल भले ही 3.67 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन पिछले 5 साल में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस अवधि में इसने 717 पर्सेंट का छप्परफाड़ रिटर्न दे चुका है। पॉलीकैब ने एक साल में 71 प्रतिशत और दो साल में 101 प्रतिशत की छलांग लगा चुका है। तीन वर्षों में स्टॉक 275 प्रतिशत चढ़ा है। पॉलीकैब इंडिया के शेयरों ने 2024 में निगेटिव रिटर्न दिया है। फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिक गुड्स (स्त्रस्थ्त) स्टॉक इस साल 3.67 प्रतिशत नीचे है। केबल और तार बनाने वाली कंपनी के शेयर 14 दिसंबर, 2023 को 5722.90 रुपये के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 8 प्रतिशत नीचे हैं। पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड देश की सबसे बड़ी तार और केबल निर्माता कंपनी है। मंगलवार को पॉलीकैब इंडिया का शेयर एनएसई पर 5272.95 रुपये पर बंद हुआ। पॉलीकैब इंडिया का एक साल का बीटा 0.3 है, जो इस अवधि के दौरान बहुत कम अस्थिरता का संकेत देता है। टेक्नीकल चार्ट पर स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 63.6 पर है। यानी यह स्टॉक न तो ओवर बॉट जोन में है और न ही ओव सेल गया है। पॉलीकैब इंडिया के शेयर 20 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 200 दिन से अधिक, लेकिन 5 दिन और 10 दिन के मूविंग औसत से कम पर कारोबार कर रहे हैं।

पॉलीकैब इंडिया टार्गेट प्राइस

ब्रोकरेज फर्म बीएनपी पारिबा को उम्मीद है कि 2024 में ईबीआईटीडीए मार्जिन में 20 बीपीएस की मामूली गिरावट होकर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। यह मुख्य रूप से साल-दर-साल कम निर्यात और एफएमईजी डिवीजन मार्जिन पर दबाव के कारण होगा। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने पॉलीकैब स्टॉक पर कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने कहा, हम अपने लक्ष्य मूल्य 7,500 रुपये तक पहुंचने के लिए पॉलीकैब को एफवाय26ई इपीएस के 50 गुना पर महत्व देते हैं।

निर्मल बंग ने 5255 रुपये का लक्ष्य दिया है। ब्रोकरेज ने कहा, पॉलीकैब ने अपनी आक्रामक मार्केटिंग, व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो और उत्पादों की त्वरित उपलब्धता के कारण बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखा है।

पॉलीकैब की वित्तीय सेहत

पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में, पॉलीकैब ने दिसंबर 2022 तिमाही में 361 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट के मुकाबले लाभ में 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 416.5 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। पॉलीकैब इंडिया का राजस्व तीसरी तिमाही में 4340.4 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3715.1 करोड़ रुपये के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है।

इस जोड़ी ने ऐसा सा बिजनेस शुरू किया छप्परफाड़ कमाई

4 साल में करोड़पति

नईदिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको जिस जोड़ी से मिलाने जा रहे हैं, उसने बेहद मुश्किल वक्त में अपने वेंचर की शुरुआत की। वह वक्त था कोरोना महामारी का। तब सबकुछ बंद था। हालांकि, यह मुश्किल स्थिति भी समीर मिराजकर और विराज सावंत को कुछ अलग करने से रोक नहीं पाई। दोनों होटल मैनेजमेंट ग्रेजुएट हैं। साल 2020 में इन्होंने इनकान नाम का वेंचर शुरू किया था। इसे अलग-अलग फ्लेवर में लो-कैलोरी कैंन्ड कॉकटेल बनाने में महारत है। इस स्टार्टअप का वैल्यूशन 4 सालों में 80 करोड़ रुपये हो गया है।

मुश्किल वक्त में शुरुआत: यह कोरोना महामारी का वो समय था जब समीर और विराज को इनकान का आइडिया आया। उन्होंने एक ऐसी परफेक्ट कॉकटेल के बारे में सोचा जिसे आसानी से एक ही कैन में पैक किया जा सके। घर के बाहर जाए बगैर या कई तरह की चीजों को जुटाने की जद्दोजहद से गुजरे बिना बार-क्वालिटी वाली कॉकटेल की पेशकश लुभावनी थी। इस तरह परेशानी से मुक्त हाई क्वालिटी कॉकटेल अनुभव मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ इनकान की शुरुआत की गई थी।

शार्क टैंक इंडिया में गए: समीर और विराज अपने प्रोडक्ट को शार्क टैंक इंडिया पर भी लेकर गए थे। उन्होंने 2 प्रतिशत इक्विटी के बदले में 50 लाख रुपये के निवेश की मांग की थी। इस मूल्यांकन ने उनके बिजनेस को 25 करोड़ रुपये पर खड़ा कर दिया था।

सभी जज हुए फिदा

प्रोडक्ट की क्वालिटी और उनके बिजनेस मॉडल की क्षमता ने शार्क टैंक के जजों का ध्यान आकर्षित किया था। समीर और विराज ने ऑल-शार्क डील हासिल की थी। इसमें शार्क टैंक के पांचों जजों ने 10 प्रतिशत इक्विटी के लिए कुल 1 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस सौदे से उनके कारोबार का वैल्यूशन 10 करोड़ रुपये आंका गया।

स्टार्टअप ने पकड़ी तेजी

शार्क टैंक इंडिया पर अपनी उपस्थिति के बाद से इनकान ने शानदार बढ़त दर्ज की है। नवंबर 2023 तक कंपनी ने अपने परिचालन का विस्तार महाराष्ट्र, पुणे, गोवा, पांडिचेरी, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश तक कर दिया। समीर और विराज ने फंडिंग का एक और राउंड भी क्लोज कयिा है। इसमें कंपनी का वैल्यूशन 80 करोड़ रुपये से ज्यादा है। उनकी भविष्य की योजनाओं में अगले दो वर्षों के भीतर देशभर में अपनी पहुंच का विस्तार करना शामिल है। वे अपने फ्लेवर प्रोफाइल को लगातार विकसित करने और अपने स्टॉक में नए पसंदीदा कॉकटेल जोड़ने की भी योजना बना रहे हैं।

NEWS IN Gallery

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता देवाशीष जरारिया ने दिया इस्तीफा

भोपाल : कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मध्य प्रदेश की भिंड लोकसभा सीट के पूर्व प्रत्याशी देवाशीष जरारिया ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस में नेताओं ने मेरी राजनीतिक हत्या की जिम्मेदारी ले रखी है। देवाशीष जरारिया ने साल 2019 में बतौर कांग्रेस उम्मीदवार भिंड संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया और उनके स्थान पर फूल सिंह बरैया को उम्मीदवार बनाया है, जिससे वे नाराज बताये जा रहे हैं।

आप की रामराज्य वेबसाइट लांच

नई दिल्ली : पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह, मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि दिल्ली में काम रोकने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि आप ने केजरीवाल सरकार के काम को उजागर करने के लिए लोकसभा चुनाव अभियान के तहत राम राज्य से प्रेरित वेबसाइट लांच की है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि आजादी के बाद मुफ्त बिजली योजना, मुफ्त पानी योजना और मुफ्त बस यात्रा योजना लागू करने वाली यह पहली सरकार थी। दिल्ली मुनाफे का बजट देने वाला एकमात्र राज्य है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने की भाजपा नेता की हत्या

जगदलपुर : बस्तर में लोकसभा चुनाव की वोटिंग से ठीक दो दिन पहले नक्सलियों ने नारायणपुर के भाजपा नेता और उप सरपंच की हत्या कर दी। देर रात नक्सली उप सरपंच पंचम दास के घर पहुंचे। इसके बाद दरवाजा तोड़ा और कुल्हाड़ी से हमला कर पंचम दास को मार डाला। वारदात के बाद मौके पर नक्सली पर्चे भी फेंके गये हैं। पंचम पर नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव के पास से एक नक्सली पर्चा मिला है, जिसमें नक्सलियों न पंचमदास को पुलिस का गोपनीय सैनिक बताया। इसलिए उसकी हत्या कर दी। नक्सल संगठन की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने इसे हत्या की जिम्मेदारी ली है। मालूम हो कि इसके पहले भी पंचमदास को नक्सलियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई थी। वर्तमान में मृतक बीजेपी नेता उप सरपंच होने के साथ साथ भाजपा ने उन्हें शक्ति केंद्र सह प्रभारी का दायित्व भी सौंपा था।

भाजपा ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं पर बोला बड़ा हमला, कहा -

भारतीय संस्कृति को अपमानित करने से बाज नहीं आ रहे गठबंधन के नेता

एजेंसी

नई दिल्ली : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने ममता बनर्जी, राहुल गांधी और अखिलेश यादव सहित विपक्षी इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा है कि भारत और पूरी दुनिया में रामनवमी का अद्भुत पर्व मनाया जा रहा है। लेकिन, इंडी गठबंधन के नेता भारत और भारतीय संस्कृति को अपमानित करने से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में मां सिद्धिदात्री के पूजन के साथ अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहली रामनवमी है।

इस अवसर पर एक ओर जहां अयोध्या में रामलला का सूर्य तिलक किया गया है, वहीं दूसरी तरफ इंडी गठबंधन के नेता भारत और भारतीय संस्कृति को अपमानित और लज्जित करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस अवसर पर शांति बनाये रखने की अपील कर रही हैं। मतलब वह इस पर्व को अशांति से जोड़कर इसका अपमान कर रही हैं। वह एक बार फिर से भारतीय संस्कृति और सनातन संस्कृति को अपमानित करने का प्रयास कर रही हैं।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं को उत्तर प्रदेश की सीमा गाजियाबाद से गाजीपुर तक ही क्यों नजर आई? गौतमबुद्ध नगर से कुशीनगर तक क्यों नहीं नजर आई, सहारनपुर से बलिया तक नजर क्यों नहीं आई? दोनों नेताओं में से कोई भी उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। 2019 में अमेठी से हारने के बाद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश को छोड़ दिया था और उनकी माता सोनिया गांधी ने चुनाव का बिगुल बजने से पहले ही राज्यसभा का रास्ता अपनाकर यूपी को छोड़ दिया। अखिलेश यादव भी उत्तर प्रदेश से चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं, क्योंकि सबको पता है कि आयेगा तो मोदी ही। उन्होंने राम मंदिर को लेकर सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव के बयान को सनातन विरोधी बयान बताते हुए कहा कि सूर्य तिलक के वैज्ञानिक अवसर को पाखंड कहना सनातन के प्रति उनकी अवमानना की भावना को दर्शाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव की ओर से इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर उठाये गये सवाल पर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत के इतिहास में यह शायद पहली बार हो रहा है कि जिन लोगों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये सैकड़ों करोड़ रुपये लिये हैं, वो ही इसको घोटाला कह रहे हैं। इसके जरिये वह पैसे ले भी रहे हैं और आलोचना भी कर रहे हैं। देश की जनता इसे समझ रही है।

यूपी में चुनाव के दौरान हेलीकॉप्टर और एयर एंबुलेंस के रहेंगे इंतजाम

लखनऊ : सात चरणों में होने वाले लोकसभा आम चुनावों में किसी भी आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश शासन की ओर से एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की गई है। इस एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर की मदद से किसी भी आकस्मिक स्थिति में न सिर्फ मदद पहुंचाई जा सकेगी, बल्कि अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस बलों के व्यवस्थापन के साथ ही मेडिकल सहायता पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। अलग-अलग चुनावी चरणों के हिसाब से इन एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर को अलग-अलग लोकेशंस पर तैनात किया जाएगा। एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एक निजी एविएशन कंपनी से लीज पर लिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव सात चरणों में होना है। इसके लिए किसी भी संकट की स्थिति का सामना करने के लिए एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर को हायर किया गया है।

मतदाता पहचान पत्र नहीं है तो किसी और पहचान पत्र से डाल सकेंगे वोट

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। कई बार यह देखने को मिलता है कि मतदाता पहचान पत्र नहीं होने के चलते लोग वोट करने नहीं जाते हैं। ऐसी स्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान पत्रों में से किसी एक का प्रयोग करके भी लोग अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी गौतम बुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि चुनाव आयोग से मिली गाइडलाइंस के मुताबिक लोकसभा चुनाव में मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के रूप में अपनी पहचान से जुड़े वैकल्पिक दस्तावेजों को साथ ले जा सकते हैं। जिन मतदाताओं के पास पहचान पत्र नहीं हैं, ऐसे मतदाता पहचान के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक, डाकघर से जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई से जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो युक्त पेंशन दस्तावेज को अपने साथ ले जा सकते हैं। केंद्र, राज्य सरकार, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी सरकारी पहचान पत्र, यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करके आप अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

चुनाव आयोग ने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली : चुनाव आयोग ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव को पांच अप्रैल को सिरसिला में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ उनकी टिप्पणी पर नोटिस जारी किया है। आयोग ने बुधवार को नोटिस जारी करने के साथ ही उनसे 18 अप्रैल की सुबह 11 बजे तक अपनी टिप्पणियों के संबंध में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। के. चंद्रशेखर राव ने एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद कांग्रेस नेता जी. निरंजन ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए अब चुनाव आयोग ने के. चंद्रशेखर राव पर कार्रवाई की है। आयोग ने यह भी कहा कि के. चंद्रशेखर राव को उनके भाषण को लेकर पहले भी कई सलाह और निर्देश जारी किये जा चुके हैं। चुनाव निकाय ने यह भी कहा कि निर्धारित समय के भीतर उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर चुनाव आयोग उचित कार्रवाई करेगा।

आईएनडीआईए गठबंधन सत्ता में आया तो एनआरसी और सीएए होगा निरस्त : ममता

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर पूरे देश को हिरासत शिविर बनाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि अगर विपक्षी दल इंडिया केंद्र में सरकार बनाता है तो सीएए और एनआरसी को खत्म कर दिया जायेगा। असम में चार टीएमसी उम्मीदवारों के समर्थन में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटते हैं तो कोई लोकतंत्र और चुनाव नहीं होगा। बनर्जी ने कहा - बीजेपी पूरे देश को डिटेंशन कैंप बना दिया...मैंने अपने जीवन में इतना खतरनाक चुनाव कभी नहीं देखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी सभी धर्मों से प्यार करती है और नहीं चाहती कि लोग धार्मिक आधार पर बंटें। बनर्जी ने रैली में कहा - अगर भारतीय गुट जीतता है, तो राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी), नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और समान नागरिक संहिता नहीं होगी। हम सभी भेदभावपूर्ण कानूनों को रद्द कर देंगे। उन्होंने लोगों से लोकसभा चुनाव में असम में सभी चार तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए वोट करने की अपील की और घोषणा की कि उनकी पार्टी 2026 के राज्य चुनावों में सभी 126 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बनर्जी ने कहा - यह सिर्फ एक ट्रेलर है और फाइनल अभी बाकी है। मैं फिर आऊंगा।

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल-अखिलेश ने भाजपा पर बोला हमला

राहुल ने जातिगत जनगणना को बताया जरूरी

- अखिलेश ने पश्चिम की हवा को बदलाव का प्रतीक कहा

एजेंसी

गाजियाबाद : लोकसभा चुनाव के द्वितीय चरण के मतदान से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कौशाम्बी के होटल रेडिशन ब्लू में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। दोनों ने भाजपा को घेरने की कोशिश की। राहुल ने जहां जातिगत जनगणना को समाज के विकास के लिए जरूरी तो अखिलेश ने पश्चिम की हवा को देश में बदलाव का प्रतीक बताया। राहुल ने कहा कि यह विचारधारा का चुनाव है। गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। लोकसभा चुनाव में हमारे मुद्दे बेरोजगारी, महंगाई और भागीदारी हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज सारा पैसा 20-25 लोगों के पास है। इससे समाज मे आर्थिक असमानता बढ़ रही है। किसान फसल का सही दाम मांग रहा है, लेकिन मोदी सरकार नहीं सुन रही। कांग्रेस के मेनिफेस्टो में इंडी गठबंधन के आइडियाज शामिल हैं। कांग्रेस नेता गांधी ने कहा कि चुनाव में भाजपा का सफाया होगा। गठबंधन की सरकार बनेगी। गठबंधन की सरकार गरीब महिलाओं को एक लाख रुपये और बेरोजगारों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार देगी। किसानों का कर्ज माफ किया जायेगा। एमएसपी भी लागू होगी महिलाओं को हर माह आठ हजार रुपये दिये जायेंगे। पेपर लीक को खत्म करने के लिए कानून बनाया जायेगा। राहुल से जब अमेठी छोड़ वायनाड से चुनाव लड़ने पर सवाल किया गया तो उन्होंने इसे भाजपा वाला सवाल बताया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। आज लूट और झूठ एनडीए गठबंधन की पहचान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वोटों का बिखराव न होने दें। हर हाल में बूथ की चौकीदारी करें। दोनों नेताओं ने गाजियाबाद से डॉली शर्मा, बागपत से अमरपाल शर्मा, गौतमबुद्धनगर से डॉ. महेंद्र नागर और बुलंदशहर से बाल्मीकि को वोट देने को अपील की।

कांग्रेस ने उठाये राम के अस्तित्व और राम सेतु पर सवाल : अनुराग ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि राम इस देश और देशवासियों के घट-घट में और मन में बसे हैं। देशभर में ही नहीं दुनिया भर में राम की मर्यादा और उनकी लीला की महिमा गाई जाती है। पर यह कांग्रेस ही है जिसने रामजी के अस्तित्व पर सवाल उठाये, राम सेतु को काल्पनिक बताया। राम मंदिर ना बने इसके लिये वकीलों की फौज खड़ी की। बुधवार को हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के नादौन में मां बगलामुखी कमेटी द्वारा रामनवमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए अनुराग ठाकुर ने समस्त देशवासियों नवरात्र व रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज अयोध्या जी में भी रामनवमी पर भगवान सूर्यदेव स्वयं उनकी आरती उतार रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा की हिंदुओं से ज्यादा धैर्यवान शायद ही कोई होगा जिन्होंने अपने ही देश में राम मंदिर के निर्माण के लिए 500 वर्षों का इंतजार सहा और बलिदान दिये। लेकिन अब अयोध्या जी में पूरे विश्व भर में से सबसे ज्यादा श्रद्धालु आयेंगे। अयोध्या जी में लखनऊ से भी बड़ा और भव्य एयरपोर्ट बनाया गया है जिसका नाम महर्षि वाल्मिकी एयरपोर्ट है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के इंतजार के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण हो, काशी विश्वनाथ धाम हो, केदारनाथ धाम हो या महाकाल लोक हो, आज हमारे सभी धार्मिक स्थलों और तीर्थ क्षेत्रों का संपूर्ण विकास हो रहा है। करतारपुर साहब कॉरिडोर के लिए रास्ता खुल गया, हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे बन गया, चारों धामों के लिए बड़ी-बड़ी फोरलेन और रेल पहुंच रही है। मोदी जी ने सनातन जन जागृति का जो कार्य किया है उससे आज हमारे नौजवानों में धर्म और संस्कृति के प्रति नया उत्साह आया है।

लोस चुनाव : 2019 में राणाघाट सीट पर भाजपा ने मारी बाजी, इस बार तृणमूल से है सीधा मुकाबला

INSIDE STORY

एजेंसी

कोलकाता : लोकसभा चुनाव का सियासी दंगल पूरे देश में चल रहा है। पश्चिम बंगाल में लड़ाई दिलचस्प है, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस राज्य की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले लड़ रही है। माकपा और कांग्रेस मौखिक तौर पर गठबंधन में हैं और भाजपा भी सभी सीटों पर ताल ठोक रही हैं। राज्य में कई सीटें वीआईपी हैं, जिनमें नदिया जिले की रानाघाट सीट भी है। यहां से मौजूदा सांसद भाजपा के जगन्नाथ सरकार हैं। उन्हें इस बार भी पार्टी ने टिकट दिया है। उनके खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने चर्चित नेता मुकुटमणि अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है जबकि माकपा ने भी अलकेश दास को टिकट दिया है। 13 मई को चौथे चरण में यहां वोटिंग होनी है।

भौगोलिक स्थिति और राजनीतिक इतिहास : रानाघाट पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक शहर और नगर पालिका है। यह रानाघाट उपमंडल का मुख्यालय है। यह अपने हथकरघा उद्योग, विभिन्न प्रकार के फूलों और उनकी खेती के लिए जाना जाता है। रानाघाट लोकसभा क्षेत्र के तहत सात विधानसभा सीटें आती हैं, जिनमें कृष्णानगर दक्षिण, शांतिपुर, रानाघाट उत्तर पश्चिम, कृष्णगंज (अनुसूचित जाति), रानाघाट उत्तर पूर्व (अनुसूचित जाति), रानाघाट दक्षिण (अनुसूचित जाति) और चकदाहा शामिल हैं। रानाघाट सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है, जहां 2009 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी के सुकरु रंजन हलधर ने जीत हासिल की थी। 2014 में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस ने अपना जलवा बरकरार रखते हुए दोबारा जीत हासिल की और तापस मंडल सांसद चुने गये थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में 42 में से 34 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही थी। रानाघाट सीट के इतिहास की बात करें तो इस सीट पर आम तौर पर कांग्रेस और माकपा के बीच सीधा मुकाबला रहा है लेकिन इस बार इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है।

क्या है 2019 का जनादेश?

2019 के लोकसभा चुनाव में मिनती बिस्वास कांग्रेस की ओर से चुनाव मैदान में थीं जबकि रुपाली बिस्वास तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से गौतम राय उम्मीदवार थे। एक निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे थे। भाजपा के टिकट पर जगन्नाथ सरकार चुनाव लड़ रहे थे, जिन्हें जीत मिली थी। उन्हें सात लाख 83 हजार 253 वोट मिले थे जबकि तृणमूल उम्मीदवार को पांच लाख 49 हजार 825 वोट हासिल हुए थे।

लोकसभा चुनाव | बिहार में दूसरे चरण की पांच सीटों पर मैदान में 50 उम्मीदवार

24 प्रतिशत पर आपराधिक मामले, 28 प्रतिशत करोड़पति

एजेंसी

पटना : बिहार में दूसरे चरण का मतदान पांच लोकसभा सीटों किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका पर 26 अप्रैल को होने जा रहा है। इन पांच सीटों पर राजग की तरफ से भाजपा का कोई उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ रहा है। इन पांच सीटों पर 50 उम्मीदवार मैदान में है। इनमें से 12 उम्मीदवार यानी 24 प्रतिशत पर कोई न कोई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बिहार इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे चरण की पांच सीटों पर मैदान में उतरे 50 उम्मीदवारों में से 12 यानी 24 प्रतिशत पर कोई न कोई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें नौ यानी 18 फीसदी उम्मीदवार ऐसे हैं, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा कुल उम्मीदवारों में 14 उम्मीदवार (28 प्रतिशत) करोड़पति हैं। दूसरे चरण में उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2.96 करोड़ रुपये है।

दूसरे चरण के लिए उम्मीदवारों की ओर से दाखिल चुनावी हलफनामा के अनुसार जदयू के दो उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि इसमें एक पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। राजद और कांग्रेस के 1-1 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें जदयू के मुजाहिद आलम व दुलालचंद गोस्वामी, राजद की बीमा भारती, कांग्रेस के अजीत शर्मा, एआईएमआईएम के अख्तरुल ईमान के नाम शामिल हैं। सबसे अधिक 41 मामले पूर्णिया के निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव पर दर्ज हैं।

भागलपुर से कांग्रेस उम्मीदवार सबसे अधिक धनवान

करोड़पति उम्मीदवारों की पार्टीवार स्थिति देखें तो जदयू के सभी पांच, कांग्रेस के सभी तीन और राजद के दोनों उम्मीदवार करोड़पति हैं। हालांकि, पार्टी के आधार पर उम्मीदवारों की औसत संपत्ति को देखें तो जदयू के सभी पांच उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 3 करोड़ 31 लाख 84 हजार, कांग्रेस की 30 करोड़ 2 लाख 94 हजार और राजद के 2 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 6 करोड़ 38 लाख 53 हजार रुपये है। सबसे अधिक संपत्ति वाले उम्मीदवार की बात करें तो पहले नंबर पर भागलपुर लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार अजीत शर्मा हैं, जिन्होंने 54 करोड़ 51 लाख 51 हजार रुपये की संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक की है। दूसरे नंबर पर कटिहार से तारिक अनवर की घोषित संपत्ति 19 करोड़ 60 लाख 57 हजार तथा तीसरे नंबर पर किशनगंज के मोहम्मद जावेद की संपत्ति 15 करोड़ 96 लाख 75 हजार रुपये है।